वर्ष 69 ▸▸ अंक 105 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 12 जनवरी, 2026
▸▸ माघ कृष्ण पक्ष 09, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो, विचारों पर किसी का अधिकार नहीं है।
– धीरूभाई अंबानी

इम्पैक्ट फीचर

1101 ट्रैक्टरों की ऐतिहासिक रैली के साथ कृषक कल्याण वर्ष 2026 का शुभारंभ

कृषक कल्याण वर्ष मनाने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को एक किसान के रूप में ट्रेक्टर चलाकर ऐतिहासिक रैली का नेतृत्व किया और फिर 1101 ट्रेक्टरों के साथ जम्बूरी मैदान पहुंच कृषक कल्याण वर्ष का आगाज किया। रैली में शामिल किसानों का सरकार के प्रति विश्वास और सरकार के प्रति उनके समर्पण ने बता दिया कि मध्यप्रदेश की संवेदनशील डॉ. मोहन यादव सरकार लगातार किसानों के हितों के लिए प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की हर योजना को सबसे पहले जमीनी स्वरूप प्रदान करने वाली इस सरकार की कई बार दिल्ली से लेकर दूसरे प्रांतों तक में पीठ थपथपाई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में सरकार प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। सालभर विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के जरिए सरकार के 16 से अधिक विभाग/मंत्रालय आपसी समन्वय से किसानों को उनका वैभव लौटाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोयाबीन के बाद अब सरसों की फसल को भी हम भावांतर योजना के दायरे में लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित उद्योगों के विकास में किसानों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। ऐसे उद्योग लगाने वालों को सरकार सब्सिडी देगी। ट्रेक्टर रैली में किसानों के उत्साह को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह ट्रैक्टर रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता, आत्मविश्वास और प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी सोच का सशक्त प्रतीक है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भावुक एवं प्रेरक क्षण तब आया, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं ट्रैक्टर की कमान संभाली। ट्रैक्टर चालक से आग्रह कर ट्रैक्टर पर बैठना और उसे चलाना मुख्यमंत्री की सहजता और किसानों के श्रम के प्रति सम्मान को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस सादगी और आत्मीयता ने उपस्थित जनसमुदाय को भावविमोर कर दिया। किसानों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ किसान बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की नीतियों का केंद्र किसान, नारी, युवा और गरीब हैं। इन चारों वर्गों के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार योजनाओं और कार्यक्रमों का निर्धारण कर रही है, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधन (कृपया स्कैन करें)

16 विभाग बनाएंगे समन्वय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसानों के हितों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कृषक कल्याण वर्ष के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार के 16 विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे, जिससे कृषि से जुड़े सभी आयाम-उत्पादन, लागत, विपणन, आय और कल्याण एक साथ सुदृढ़ हो सकें।

16 प्रतिशत पहुंची मप्र. की कृषि विकास दर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश की कृषि विकास दर 16 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है, जो राज्य की कृषि क्षमता और नीतिगत प्रयासों की सफलता दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि किसानों की आमदनी में वृद्धि और कृषि लागत में कमी लाने के लिए ठोस एवं व्यावहारिक उपायों को धरातल पर उतारना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष 2026 के संकल्प की पूर्ति का यह पहला दिन है। पूरे वर्ष विकास एवं मंगल कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जाएंगे। सरकार का प्रयास रहेगा कि किसान समृद्ध हों, कृषि टिकाऊ बने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिले।

प्रदेश की सिंचाई क्षमता 100 लाख हैक्टयर तक बढ़ाएंगे

किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा. विभिन्न सिंचाई परियोजना और सिंचाई की आधुनिकतम तकनीकी के प्रयोग से सिंचाई का रकबा अधिक से अधिक बढ़ाने का प्रयास रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है प्रदेश में सिंचाई क्षमता को आगामी वर्षों में 100 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाना। प्रदेश में गत दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टयर क्षेत्र में नई सिंचाई क्षमता विकसित हुई है। प्रदेश की सिंचाई क्षमता में वर्ष 2026 तक 8.44 लाख हैक्टयर की वृद्धि होगी। प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल का प्रयोग कर की जाएगी। पार्वती-काली-सिंध और चम्बल अंतर्राच्यीय लिंक परियोजना, केन-बेतवा अंतर्राच्यीय लिंक परियोजना की स्वीकृति केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महाराष्ट्र राज्य के साथ क्रियान्वित होने वाली मेगा तापी भूजल भरण परियोजना विश्व की अनूठी परियोजना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य में भी विभिन्न नदियों को जोडने के लिए नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं।

कृषक वर्ष में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 10 संकल्प

1. नए साल का नया पैगाम, पूरा साल किसानों के नाम।
2. किसान अब उपज नहीं उद्योग भी लगाएगा।
3. हलधर का हर कष्ट हरेंगे
4. किसानों के कल्याण की अभी तो यह झांकी है, पूरा काम बाकी है
5. किसानों की जिंदगी बेहतर न कर दें तब तक चुप नहीं बैठेंगे।
6. सोयाबीन के बाद सरसों पर भी भावांतर देंगे।
7. जो कहा वो किया, गेहूं पर भी 2700 रुपए एमएसपी देकर बताएंगे।
8. किसानों की लागत घटाना और आय बढ़ाना हमारा संकल्प
9. खेती में देश का रोल मॉडल बनेगा मप्र।
10. हर खेत तक पहुंचेगा पानी, फसलें लहलाहेंगी।

सात जिलों के किसान नदी जोड़ो परियोजना से होंगे लाभांवित

राज्य में नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत उज्जैन जिले में कान्ह-गंभीर, मंदसौर, नीमच और उज्जैन में कालीसिंध-चंबल, सतना जिले में केन और मंदाकिनी, सिवनी एवं छिंदवाड़ा जिले में शक्कर पेंच और दूधी तामिया, रायसेन जिले में जामनेर नेवन और नेवन-बीना नदियों का सर्वेक्षण किया गया है। इस सभी के क्रियान्वयन से कुल 5 लाख 97 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जा सकेगी। इनकी अनुमानित लागत 9870 करोड़ रुपए होगी। सात जिलों के हजारों किसान इन योजनाओं से लाभान्वित होंगे। राज्य की नदियों में बाढ़, जल प्रबंधन, जल के समुचित उपयोग नदी कछारों में पर्याप्त जल की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से राज्य की नदियों को आपस में जोड़ने के लिए तकनीकी दल का गठन भी गया।

शिप्रा के जल में ही स्नान करेंगे श्रद्धालु

सिंहस्थ- 2028 में दुनिया भर से उज्जैन में आने वाले श्रद्धालुओं को शिप्रा के शुद्ध जल में स्नान कराने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना उच्जैन निर्माणाधीन है, जिसकी लागत 614.53 करोड़ रुपए है। इसी तरह कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना उज्जैन की लागत 919.94 करोड़ है। सिंहस्थः 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट निर्माण एवं संबद्ध कार्य भी किए जा रहे हैं, जिनकी लागत 778.91 करोड़ है।

सुरक्षित जलाशय बनेगी भोपाल झील

भोपाल की झील की प्राचीन तकनीक का अध्ययन कर इस तर्ज पर कम लागत में सुरक्षित जलाशय एवं बांध निर्माण की अवधारणा पर भी कार्य किया जा रहा है। राज्य में जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आधिकारिक अपडेट्स के लिए सोशल मीडिया हैंडल्स को फॉलो करें

विशाल और अनुशासित ट्रैक्टर रैली ने किसानों का बढ़ाया विश्वास मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों के आग्रह पर ट्रैक्टर की संभाली स्टीयरिंग

किसान करेंगे सूरज से खेती

कृषक कल्याण वर्ष किसानों के लिए कई सौगातें लेकर आएगा. सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई पंपों से न केवल किसान दिन में ही खेतों में सिंचाई कर पाएंगे अपितु इससे बचने वाली बिजली से प्रदेश ऊर्जा में सरप्लस हो जाएगा। हर किसान के पास सोलर पंप होगा.किसान सौर ऊर्जा से खेती करेंगे। प्रदेश में 52 हजार किसानों के खेत में सोलर पंप स्थापित करने की योजना प्रारंभ की गई है। सोलर पंप स्थापित हो जाने से अब प्रदेश का किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बनेगा। अब प्रदेश के किसान सूरज से खेती करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस अभिनव पहल के तहत 34 हजार 600 इकाइयों को लेटर ऑफ अवार्ड जारी कर 33 हजार कार्यदेश जारी किए जा चुके हैं। किसान के खेत में सोलर पम्प स्थापित होने से अब उन्हें विद्युत प्रदाय पर बिजली बिल का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। सोलर पम्प से उत्पादित अतिरिक्त ऊर्जा को किसान सरकार को बेच कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकेंगे। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा लगातार किसानों को सोलर प्रोजेक्ट लगाने के लिए विभिन्न योजनाओं में लाभ प्रदान कर सक्षम बनाया जा रहा है। हर किसान के पास सोलर पंप होगा,जिससे ऊर्जा सरप्लस राज्य के किसानों को रात में सिंर्चा के झंझट से मुक्ति मिलेगी।

नदियों के मायके वाले प्रदेश का किसान बनेगा समृद्ध

नदियों का मायका कहे जाने वाले मध्यप्रदेश को समृद्ध बनाने के लिए कृषक कल्याण वर्ष के दौरान लगातार नवाचार किए जाएंगे। पिछले दो वर्षो में जिस तरह से किसानों के हितों को लिए सरकार के प्रयास हुए है,उससे प्रदेश में खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है और ऐसा करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन चुका है। ऊर्जा सरप्लस मध्यप्रदेश के किसान सूरज की खेती करेंगे। हर किसान के पास सोलर पंप होगा।

- भावान्तर को लागू करने मध्यप्रदेश देश में अग्रणी
- प्राकृतिक खेती को मिलेगा प्रदेश में बढ़ावा
- सरकार बढ़ा रही है कस्टम हायरिंग सेंटर की संख्या, किसानों को मिलेगी सहूलियत
- 16 मन्त्रालय को किसान हित से जोड़ेंगे; सब मिलकर बनायेंगें किसानों को समृद्ध
- नदियों को जोडक़र प्रदेश को बनायेंगे सिंचाई में सक्षम
- दुग्ध उत्पादन में प्रदेश बनायेगा देश में नई पहचान
- भावान्तर ने किसानों को उपज का सही मूल्य दिलाया
- प्रदेश में हर क्षेत्र में फूड पार्क की होगी स्थापना
- किसान को बनायेंगें उद्योगपति
- तीस लाख किसानों को तीन साल में उपलब्ध करायेगें सोलर पंप
- प्रदेश में आयोजित होगा सोलर सम्मेलन
- कृषि बदलाव परियोजना पर होगा फ़ोकस
- खाद वितरण में लाइन लगने की व्यवस्था को करेंगे खत्म
- कृषि उपज के मूल्य में होगा स्थिरीकरण
- प्राकृतिक खेती को देंगे बढ़ावा. नरसिंहपुर में होगा गन्ना महोत्सव
- डिडोरीं में श्री अन्न अनुसंधान केन्द्र की होगी स्थापना

अनुशासित रैली में ट्रैक्टर चलाते सीएम हुए शामिल

- 1100 ट्रैक्टर की अनुशासित रैली के साथ कृषक कल्याण वर्ष का आग़ाज़
- किसान कल्याण का ऐतिहासिक दिन, कृषक कल्याण वर्ष का शुभारंभ
- किसान समृद्धि की नई शुरुआत: किसान कल्याण वर्ष का शुभारंभ
- सीएम डॉ.मोहन यादव ने किसान कल्याण वर्ष अन्नदाता के सम्मान और सशक्तिकरण को समर्पित किया।
- सीएम ने साफ किया कि पूरे वर्ष खेत से खुशहाली तक किसान कल्याण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

CMMadhyaPradesh

कृषक कल्याण वर्ष 2026 का कैलेंडर

जनवरी 2026
जबलपुर में कृषि आधारित कौशल विकास एवं कस्टम हायरिंग राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन, गुलाब उद्यान भोपाल में राष्ट्र स्तरीय गुलाब महोत्सव, राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर कृषि मंथन।

फरवरी 2026
डिंडोरी/उमरिया/मंडला में कोदो, कुटकी बोनस वितरण कार्यक्रम, मंदसौर में सोयाबीन भावांतर भुगतान समापन कार्यक्रम, रीवा में एग्रीटेक एवं डिजिटल कृषि प्रदर्शनी।

मार्च 2026
रवीन्द्र भवन/कुशाभाऊ ठाकरे समागृह भोपाल में प्राकृतिक खेती राष्ट्रीय संगोष्ठी, ग्वालियर में क्षेत्रीय दुग्ध संघों के स्तर पर दुग्ध उत्पादकों का सम्मेलन, इंदौर में मैत्री/गौसेवक गो प्रमाण-पत्र वितरण किया जाना एवं विभाग की प्रदर्शनी का प्रदर्शन।

अप्रैल 2026
जबलपुर संभाग में मखाना/मशरूम/मधुमक्खी पालन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, शहडोल में प्राकृतिक खेती राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन।

मई 2026
नर्मदापुरम संभाग में राष्ट्र स्तरीय आम महोत्सव, सिवनी में धान महोत्सव-राच्य स्तरीय किसान सम्मेलन, सागर में राच्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन।

जून 2026
उज्जैन में राज्य स्तरीय कृषि उपज निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला, शाजापुर में सोया महोत्सव एवं प्राकृतिक खेती का प्रचार-प्रसार राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन।

जुलाई 2026
खरगौन में कपास एवं मिर्च महोत्सव- राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन, जबलपुर में इनलेंड फिशरिज और एक्वाकल्चर कार्यक्रम।

अगस्त 2026
भोपाल में एमपीसीडीएफ में तैयार हो रही राज्य स्तरीय केन्द्रीय गुणवत्ता प्रयोगशाला का लोकार्पण, भोपाल में भोपाल दुग्ध संबंध में तैयार हो रही दुग्ध उत्पाद निर्माण डेयरी का लोकार्पण, इंदौर में कृषक उत्पादक संगठनों का सम्मेलन।

सितम्बर 2026
छिंदवाड़ा में कृषि अधोसंरचाना निधि योजना अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की राज्य स्तरीय कार्यशाला, उच्जैन में राज्य स्तरीय उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी कार्यकर्ता तथा पशुपालकों को पुरस्कृत किया जाना एवं विभागीय योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित करना।

अक्टूबर 2026
भोपाल में फसल अवशेष प्रबंधन कार्यशाला, प्रत्येक संभाग में फूड फस्टिवल, जबलपुर में एक्वाकल्चर मार्केटिंग सिम्पमोजियम।

नवम्बर 2026
नरसिंहपुर में गन्ना महोत्सव- राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन, इंदौर संभाग में राज्य स्तरीय उच्च मूल्य वाली उद्यानिकी फसल महोत्सव।

D-16141/25

संक्षिप्त खबरें

सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने अभियान आज से

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में सोमवार को युवा दिवस पर राज्य सरकार संकल्प से समाधान अभियान की शुरुआत करेगी। चार चरणों का अभियान 106 प्रमुख हितग्राही मूलक योजनाओं पर केंद्रित रहेगा, जिसमें पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार अभियान में ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों में वार्ड स्तरीय समिति और आवेदन/शिकायतों के एकत्रीकरण के लिए दल गठित होगा, जिसका एक नोडल अधिकारी होगा। सभी तरह की कार्यवाही सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुशासन और स्वराज के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। विकसित मप्र के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलाने प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान का प्रथम चरण 12 जनवरी से 15 फरवरी, दूसरा चरण 16 फरवरी से 16 मार्च, तीसरा चरण 16 मार्च से 26 मार्च और चतुर्थ चरण 26 से 31 मार्च तक चलेगा।

आज ओल्ड कैम्पियन के पास बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मां हेमाम्बरा देवी माता मंदिर खेल मैदान अरेरा कालोनी (ओल्ड कैम्पियन ग्राउंड) में सोमवार दोपहर दो बजे से विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है। उक्त कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था आवश्यकतानुसार परिवर्तित की गई है। पुलिस के अनुसार नर्मदा अस्पताल से ओल्ड कैम्पियन की ओर, 10 नंबर मटका तिराहा से ओल्ड कैम्पियन की ओर, रविशंकर रोटरी से ओल्ड कैम्पियन की ओर, महावीर द्वार से ओल्ड कैम्पियन की ओर आने वाले मार्ग पर यातायात दबाव अधिक रहेगा। इन मार्गों पर व्यवसायिक यातायात का आवागमन दोपहर दो बजे से परिवर्तित रहेगा। आम यातायात इन मार्गो का उपयोग करने से बचे। वैल्पिक मार्ग का उपयोग करें।

जनजागरण अभियान को लेकर कार्यशाला आज

विसं, भोपाल। भाजपा प्रदेश कार्यालय में 12 जनवरी, सोमवार को प्रातः 10.30 बजे वीबी-जी रामजी जनजागरण अभियान को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद योजना को लेकर अपना मार्गदर्शन देंगे। कार्यशाला में अभियान के प्रदेश संयोजक एवं किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व सांसद बंशीलाल गुर्जर, प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर सिंह रावत, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक श्रीमती मनीषा सिंह सहित जिला टोली के सदस्यगण उपस्थित रहेंगे।

विवेकानंद जयंती पर स्कूलों में होगा सामूहिक सूर्य नमस्कार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को राष्ट्रीय युवा दिवस पर प्रदेश के सभी स्कूलों में सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन होगा। मुख्यमंत्री सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में राज्यस्तरीय कार्यक्रम में और स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह नरसिंहपुर के राजमार्ग में रुकमणि देवी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के साथ सूर्य नमस्कार और योग करेंगे। प्रदेश की समस्त शिक्षण संस्थाओं में सुबह साढे नौ से साढे दस बजे तक आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम में राष्ट्रगीत वंदे-मातरम, स्वामी विवेकानन्द का रिकार्डेड ऑडियो और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संदेश का प्रसारण होगा। इसके बाद रेडियों प्रसारण में दिए गए संकेतों के अनुसार सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम किया जायेगा।

प्रदेश के युवाओं को मिलेगा उद्यमियों से प्रशिक्षण: सीएम

मध्यप्रदेश में नई स्टार्टअप पॉलिसी युवाओं के लिए बनेगी मददगार

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्टार्टअप करने के इच्छुक युवाओं को अनुभवी उद्यमियों का मार्गदर्शन दिलाया जाएगा। इसके लिए सरकार समय समय पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में नई स्टार्टअप पॉलिसी 2025 लागू की गई है जो युवाओं के लिए मददगार है। सीएम ने बोट लाइफस्टाइल, मुंबई के कोफाउंडर अमन गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारियों से भेंट के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि युवा उद्यमिता को मध्यप्रदेश में प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस क्षेत्र में 47 प्रतिशत स्टार्टअप में महिला उद्यमी हैं, जो उल्लेखनीय है। मध्यप्रदेश में इन स्टार्टअप की संख्या राष्ट्रीय औसत से तीन गुना है। गुप्ता व उनकी टीम मुख्यमंत्री से भेंट करने उनके निवास पहुंचे थे। डॉ. यादव ने इंदौर पीथमपुर क्षेत्र में विकसित किए जा रहे इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और उत्पादन की व्यापक संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश को देश के शीर्ष स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में 6 हजार से अधिक स्टार्टआप रजिस्टर्ड हैं। इनकी संख्या दुगुनी करने का लक्ष्य है। प्रदेश के युवाओं को अनुभवी और सफल उद्यमियों का मार्गदर्शन मिलना चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार विशेष प्रयास कर रही है। इस नाते स्टार्टअप क्षेत्र में बोट लाइफस्टाइल के अनुभवी उद्यमियों का मार्गदर्शन निश्चित ही सहायक सिद्ध होगा। डॉ. यादव को गुप्ता ने मध्य प्रदेश में निवेश के साथ ही यहां स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे मध्यप्रदेश के युवाओं में काफी प्रतिभा देखते हैं। वे मेंटरशिप प्रदान करने और युवा उद्यमिता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से होंगे। उन्होंने भोपाल में हुए स्टार्टअप एमपी- हैक एंड मेक 2026 हैकाथॉन में हिस्सेदारी को सुखद बताया।

दो दिवसीय मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट में आज सीएम होंगे शामिल

सरकार ने राज्य में युवाओं को स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए राजधानी में दो दिवसीय मप्र स्टार्टअप समिट 2026 का आयोजन किया गया है। समिट के दूसरे दिन सोमवार 12 जनवरी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा चयनित स्टार्टअप से सीधे संवाद करेंगे। रवींद्र भवन में प्रारंभ हुए दो दिवसीय समिट में पहले दिन पिचिंग सत्र में राज्य भर से लगभग 300 से अधिक स्टार्टअप्स से नामांकन प्राप्त हुए। सत्र में राच्य के नवाचारी स्टार्टअप्स को निवेशकों, उद्योग विशेषज्ञों, इनक्यूबेटर्स एवं नीति निर्माताओं के समक्ष अपने विचार और व्यावसायिक मॉडल प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान किया। समिट में स्टार्ट अप का मूल्यांकन एक पारदर्शी एवं दो-चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। जूरी द्वारा किए गए विस्तृत मूल्यांकन के पश्चात सर्वश्रेष्ठ 6 स्टार्टअप्स का चयन किया गया, जो सोमवार 12 जनवरी को समिट के दूसरे दिन आयोजित होने वाले फाइनल पिचिंग राउंड में निवेशकों एवं विशेषज्ञों के समक्ष अंतिम प्रस्तुति देंगे। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव समिट का शुभारंभ करने के साथ ही प्रदर्शनी का उद्घाटन भी करेंगे। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप भी इस दौरान विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

युवा जन अभियान योजना होगी शुरू

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन में प्रदेश के 313 ब्लाक से परिषद के नेटवर्क से जुड़े 650 युवा सम्मिलित होंगे। इस अवसर पर युवा जन अभियान योजना का भी प्रारम्भ होगा। इसके अन्तर्गत उच्च शिक्षा विभाग से एमओयू किया जाएगा जिससे एनएसएस के युवाओं के साथ परिषद कार्य कर सके। कार्यक्रम के बाद विकसित भारत-2047 युवा संकल्प दौड़ को हरी झंडी दिखायेंगे।

अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान का होगा शुभारंभ

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् स्वामी विवेकानन्द की जयंती 12 जनवरी से गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 तक ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान अंतर्गत ग्राम विकास पखवाड़ा आयोजित कर रहा है। इस अभियान का श्रीगणेश स्वामी विवेकानंद जयन्ती युवा दिवस पर भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल रहेंगे। अध्यक्षता परिषद् के उपाध्यक्ष मोहन नागर करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में स्टार्टअप्स, निवेशकों एवं इकोसिस्टम पार्टनर्स के साथ एक उच्च-स्तरीय राउंडटेबल बैठक भी होगी। दोपहर पश्चात समिट में अनुभव साझा सत्र, महिला उद्यमिता, इन्फ्लुएंसर एवं डिजिटल मार्केटिंग सहित विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश में किसी भी अपात्र को जारी नहीं किया जाएगा वीपीएल कार्ड

सरकार जल्द ही नया सिस्टम करेगी लागू

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र में अब किसी भी अपात्र व्यक्ति को वीपीएल कार्ड जारी नहीं किया जाएगा। इसके लिए सरकार जल्द ही नया सिस्टम लागू करेगी। जिससे ऐसे लोगों को नाम इस सूची से अलग कर दीजिए जाएंगे,जो कार्ड के लिए आर्हता पूरी नहीं कर पाएंगे। वीपीएल कार्डधारियों को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थी कि अपात्र लोगों को इस कार्ड का लगातार लाभ मिल रहा है। लोगों ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए वीपीएल कार्ड बनवा लिए है। जिसके जरिए उन्हें राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। राज्य में 20 लाख लोगों नाम हटाए गए थे पर इसके बावजूद 5.23 करोड़ लोग पीडीएस के दायरे में हैं। शिकायत दिल्ली पहुंचने के बाद केंद्र सरकार द्वारा अपने स्तर पर जांच कराई गई,जिसमें यह बात सामने आयी है कि मध्यप्रदेश में बड़ी संख्या में अपात्र लोगों द्वारा पीडीएस का लाभ लिया जा रहा है। इसके बाद केन्द्र सरकार ने बीपीएल कार्ड बनवाने की प्रक्रिया बेहद सख्त कर दी गई है। केन्द्र के निर्देश मिलने के उपरांत राज्य शासन ने मध्यप्रदेश में बीपीएल कार्ड के माध्यम से फर्जी लाभार्थियों को रोकने के लिए केंद्र ने नया सिस्टम लागू कर दिया है।

सम्मान निधि व एक हेक्टेयर से ज्यादा जमीन वाले होंगे बाहर

जानकारी के अनुसार नए सिस्टम में ऐसे प्रावधान किए गए है,कि जिसे किसान सम्मान निधि मिल रही और वह एक हेक्टेयर का काश्तकार है,तो वह वीपीएल कार्डधारी नहीं हो सकता है और उनके कार्ड स्वतः ही रद्द कर दिए जाएंगे। इसी तरह दूसरे नियम भी बनाए गए है,जिससे प्रदेश के फर्जी लोगों के बीपीएल कार्ड रद्द हो जाएंगे। नया सिस्टम लागू किया गया है जिसके अंतर्गत बीपीएल के आवेदन के लिए सख्त मानक रखे गए हैं। इस संबंध में अधिकारियों का कहना है कि राज्य में अभी 1.28 करोड़ परिवारों को पीडीएस के तहत फ्री या रियायती राशन दिया जा रहा है। केवाईसी के बाद 20 लाख नाम हटाने के बाद भी कई अपात्र इसका लाभ ले रहे हैं।

अवकाश के दिन भी डटे रहे बीएलओ, स्कूल एवं कालेजों के बाहर नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए लगाए शिविर

1 जनवरी को 18 साल के हो चुके मतदाताओं के नाम जोड़ने लगाए जा रहे शिविर, अब तक जोड़े 27 हजार 233 मतदाता

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 22 जनवरी तक नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने का काम चल रहा है। इसी के तहत जिले के सभी कालेजों और हायर सेकेंड्री स्कूल में जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविर में 1 जनवरी 2026 को 18 साल की उम्र पूरी कर चुके मतदाताओं के नाम जोड़े जा रहे हैं, जिसके तहत शासकीय व निजी कालेजों और विश्वविद्यालयों में शिविर लगाकर मतदाताओं के नाम जोड़े जा रहे हैं। इस मुहिम के तहत रविवार को अवकाश के दिन भी कैंप लगाकर छात्र-छात्राओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। बता दें कि विश्व विद्यालय व कालेज प्रशासन द्वारा भी छात्रों को एक दिन पहले शिविर की जानकारी दे दी गई थी। मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा छात्रों के परिचय पत्र देखकर उन्हें फार्म 6 वितरित किए गए। साथ ही घोषणा पत्र के द्वारा उनके नाम की मैपिंग भी 2003 की मतदाता सूची से की जा रही है। आयोजन के तहत रविवार को सुबह 11 से शाम 5 बजे तक शासकीय माध्यमिक विद्यालय लांबाखेड़ा, गीतांजलि कॉलेज, सरोजनी नायडू कन्या महाविद्यालय, राजीव गांधी

अब तक कितने मतदाताओं के नाम जोड़े गए

विधानसभा	कुल फॉर्म सबमिट	ऑफलाइन	ऑनलाइन
बैरसिया	1495	0	1495
उत्तर	4029	0	4029
नरेला	5994	0	5994
द. पश्चिम	1606	17	1589
मध्य	3141	0	3141
गोविंदपुरा	5894	0	5894
हुजूर	5074	64	5010
कुल	27233	81	27152

दो विधानसभा हुजूर और दक्षिण पश्चिम के नए मतदाताओं ने ऑनलाइन फार्म किए सबमिट

जिले की दो विधानसभाओं हुजूर और दक्षिण पश्चिम से 81 नए मतदाताओं ने मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया है। दक्षिण पश्चिम विधानसभा से 17 जबकि हुजूर विधानसभा से 64 मतदाताओं ने ऑनलाइन आवेदन कर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया है। अधिकारियों की मानें तो ऑनलाइन आवेदन में मतदाता को मतदान केंद्र के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होती। आवेदन के बाद मैसेज के द्वारा वोटर लिस्ट में जोड़ने की जानकारी साझा की जाती है।

अवकाश के दिन भी चल रही सुनवाई

जिले के मतदान केंद्रों पर अवकाश के दिन भी नो-मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई चल रही है। हालांकि सभी 1 लाख 16 हजार 925 मतदाताओं को 22 जनवरी तक नोटिस तामील करवाने का लक्ष्य है। हर बीएलओ को रोजाना 50 मतदाताओं को नोटिस भेजने का टारगेट दिया गया है, लेकिन मतदाताओं की सुनवाई अगले महीने 14 फरवरी तक चलेगी और 21 फरवरी को नई मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

"मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन व नाम कटवाने का काम 22 जनवरी तक किया जाना है। मतदाता सूची में सभी पात्र मतदाताओं के नाम जुड़ जाएं और मतदाता सूची बिना गलतियों के साथ प्रकाशित हो। इसके लिए सभी बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि अगले 10 दिनों तक नियमित निर्वाचन केंद्रों पर बैठकर नए मतदाताओं के नाम जोड़ें।

भुवन गुप्ता, उपजिला निर्वाचन अधिकारी

पहली बार बिजली आपूर्ति बंद किए बिना बदला गया 220 केवी आइसोलेटर का जॉ

जागरण संवाददाता, भोपाल। लोगों को बिजली मेंटेनेंस कार्य के दौरान अक्सर बिजली आपूर्ति के बिना ही काम करना पड़ता है, लेकिन अब मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) बिजली आपूर्ति बाधित किए बिना ही मेंटेनेंस सहित अन्य कामों को करने की तकनीक विकसित कर रही है, जिसके तहत पहली बार भोपाल शहर में बिजली आपूर्ति को बाधित किए बिना ही 400 केवी के बिजली सबस्टेशन में सुधार कार्य किया गया। बता दें कि सूखी सेवनिया स्थित 400 केवी के बिजली सबस्टेशन में 220 केवी मेन बस के आइसोलेटर के पाट्र्स क्षतिग्रस्त हो गए थे। जिसके कारण कभी भी बिजली आपूर्ति के बाधित होने की आशंका थी। लेकिन एमपी ट्रांसको ने शटडाउन लिए बगैर ही आइसोलेटर जॉ को बदल दिया। कंपनी के अधिकारियों की मानें तो यदि सुधार कार्य नहीं किया जाता तो भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति के बाधित होने की आशंका थी, जिसके कारण लोगों को लंबे समय तक बिना बिजली के सर्वाइव करना पड़ता।

बेयर हैंड तकनीक का किया उपयोग

एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता भोपाल प्रदीप राघव ने बताया कि भोपाल के कार्यपालन अभियंता अनुराग पंत के मार्गदर्शन में यह काम बेयर हैंड तकनीक का उपयोग करते हुए किया गया। इस दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पालन कर 220 केवी आइसोलेटर जॉ को सफलतापूर्वक बदल दिया। राघव ने बताया कि दोनों 220 केवी मेन बस पर लगभग 1000 मेगावाट का लोड था, जो क्षमता से कहीं अधिक था। यदि 220 शटडाउन लिया जाता, तो राजधानी भोपाल सहित अन्य क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित होती।

चार्ट एवं मॉडल प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। गीतांजलि गर्ल्स पीजी कालेज के गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व डायटेटिक्स दिवस के अवसर पर चार्ट एवं मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं और कालेज स्टाफ को स्वस्थ एवं संतुलित आहार के महत्व के प्रति जागरूक करना था। उद्घाटन प्राचार्य डॉ. जयश्री मिश्रा ने किया। डॉ संजय भट्ट, डॉ. मनीषा पाठक, डॉ. मंजीत दवे और डॉ. ज्योति मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्राचार्य मिश्रा ने छात्राओं द्वारा तैयार किए गए चार्ट एवं मॉडलों का अवलोकन किया तथा उनके ज्ञान, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास की सराहना की। छात्राओं द्वारा पोषण से संबंधित विषयों पर चार्ट एवं मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिनमें फिजियोलॉजी वर्किंग मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन एचओडी डॉ. आरती मल्होसिया, तृषा माहुले, सोनाली निशि, श्रीमती अंजलि विश्वकर्मा और श्रीमती निर्मला पांडेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

संगठित भाव से लक्ष्य की ओर बढ़ना मुश्किल कार्य: तोमर

वैकल्पिक चिकित्सक महा सम्मेलन में शामिल हुए स्पीकर

जागरण, भोपाल। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि व्यक्तिगत कार्य करना ज्यादा कठिन नहीं होता, लेकिन बहुत सारे लोगों को लेकर संगठित भाव से किसी लक्ष्य की ओर बढ़ना एक मुश्किल कार्य है, पर इसमें सफलता अवश्य मिलती है। इस दिशा में वैकल्पिक चिकित्सक संघ के प्रयास प्रशंसनीय हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को अपनी चिकित्सा पद्धति पर विश्वास होना चाहिए और उस पर दृढ़ रहना चाहिए। तोमर रविवार को राजधानी में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ. काउंट सीजर मैटी की जयंती पर आयोजित वैकल्पिक चिकित्सक महा सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम वैकल्पिक चिकित्सक संघ द्वारा आयोजित किया गया। तोमर ने कहा कि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में बहुत की चिकित्सा पद्धति का संगम है। सभी चिकित्सा पद्धति उपयोगी होती है, लेकिन हर चिकित्सा पद्धति को विकसित होने में समय लगता है। समय के साथ चिकित्सा पद्धति में बदलाव होता है। एक समय मानव के लिए प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति सबसे अनुकूल थी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को भी पूरक चिकित्सा मानना चाहिए। तोमर ने कहा कि सभी चिकित्सा पद्धति का अपना महत्व है। चिकित्सक को उसी पद्धति में ही इलाज करना चाहिए। इससे वह चिकित्सा पद्धति एक दिन अवश्य मान्यता प्राप्त करेगी।

नवाचार

राज्य-स्तरीय ट्राई-ट्रैक नवाचार प्रतियोगिता 'हैक एंड मेक 2026' का आयोजन

पराली से बनेंगे प्लाई बोर्ड, बिना वजह नहीं जलेगी लाइट

जागरण, भोपाल। नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में मध्यप्रदेश शासन की ऐतिहासिक पहल का। भारत की पहली राज्य-स्तरीय ट्राई-ट्रैक नवाचार प्रतियोगिता 'हैक एंड मेक 2026' का आयोजन रविवार को भोपाल के जहांनुमा पैलेस होटल में किया गया। इसमें सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, हार्डवेयर प्रोटोटाइपिंग और निर्यात-व्यापार समाधान-तीनों ट्रैक एक साथ संचालित किए गए। प्रतियोगिता का उद्देश्य ऐसे समाधान विकसित करना रहा, जिन्हें सीधे जमीनी स्तर पर लागू किया जा सके। इसमें 500 से अधिक टीमों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से चयन प्रक्रिया के बाद 90 टीम (प्रत्येक ट्रैक से 30) शॉर्टलिस्ट की जाएगी। इन टीमों के लिए 12 घंटे की ट्राई-ट्रैक नवाचार स्प्रिंट आयोजित की गई। साथ ही 'बोट' कंपनी के सह-संस्थापक अमन गुप्ता ने अपने स्टार्टप से जुड़े अनुभव साझा किए और प्रतिभागियों से कहा कि अगर आप किसी काम को करना चाहते हैं तो ज्यादा नहीं सोचें बस उसे शुरू कर दें। इस आयोजन का संचालन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से किया गया।

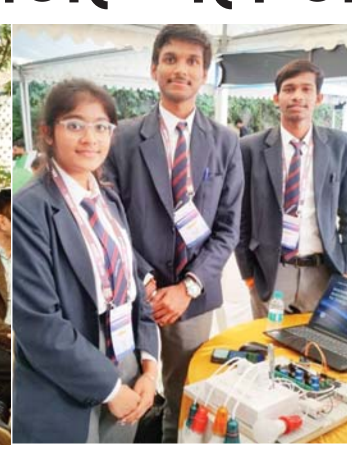

बिना वजह नहीं जलेगी घर या ऑफिस की लाइट

बीटेक कंप्यूटर साइंस की छात्रा प्राची जैन, आशुतोष तिवारी और सत्यम जायसवाल ने बताया कि बिजली की बचत को ध्यान में रखते हुए उन्होंने एक होम ऑटोमेशन सिस्टम तैयार किया है। यह सिस्टम पूरी तरह मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से संचालित होता है और इसमें विभिन्न सेंसरों का उपयोग किया गया है। यदि कोई व्यक्ति कमरे में काम करते समय लाइट चालू कर बाहर चला जाता है, तो यह सिस्टम पांच सेकंड के भीतर उस कमरे में लगे सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अपने आप बंद कर देता है। इस सिस्टम को कहीं से भी ऑपरेट किया जा सकता है, जिससे बिजली की बचत होगी।

वायु प्रदूषण और पेड़ों की कटाई रोकने की पहल

श्रेय वर्मा ने बताया कि किसानों के खेतों से निकली पराली को जलाने से वायु प्रदूषण फैलता है, और कागज बनाने के लिए पेड़ों की कटाई की जाती है। इन दोनों समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनकी कंपनी ने एक समाधान विकसित किया है। जिसमें उनकी कंपनी खेतों से निकलने वाली बायो-वेस्ट और पराली से प्लाई बोर्ड तैयार करती है। इसमें सरसों की पराली, गन्ने की छुई तथा टेक्सटाइल वेस्ट का उपयोग किया जाता है। साथ ही कपड़ों के कचरे से बिल्डिंग मटेरियल भी बनाया जाता है। इसके अलावा धान और गेहूं की पराली से पल्प, बुक्स और प्लेट्स तैयार की जाती हैं। इससे लगभग 200 जीएसएम का पेपर बनाया जाता है, जो डायरी और कटलरी जैसे उत्पादों में उपयोग किया जाता है।

लोगों को जी-राम-जी योजना की विशेषताओं को बताएं कार्यकर्ता

विशेष संवाददाता, भोपाल। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में रविवार को विकसित भारत, गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी रामजी योजना) के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। वरिष्ठ नेताओं ने पदाधिकारियों से कहा कि उन्हें अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को यह समझना है कि नई योजना लोगों के लिए पहले से ज्यादा कारगर है। भाजपा किसान मोर्चा के जिला पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, संगठनात्मक मजबूती तथा किसानों और ग्रामीण मजदूरों तक योजना की जानकारी पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने कहा कि वीबी-जी रामजी योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की पक्की गारंटी मिलेगी। इससे किसानों, खेत मजदूरों, ग्रामीण श्रमिकों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ पहुंचेगा। योजना गांवों को आत्मनिर्भर, समृद्ध और सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा का दायित्व है कि वह वीबी-जी रामजी योजना की जानकारी अंतिम पंक्ति में खड़े किसान और मजदूर तक पहुंचाए तथा उन्हें इस योजना का लाभ दिलाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाए।

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 अंक 105 पृष्ठ 12

भोपाल, सोमवार 12 जनवरी, 2026

माघ कृष्ण पक्ष 09, विक्रम संवत् 2082

महानगर मूल्य 5 रुपए

कोहली सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बैटर

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 28,000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे पहले वनडे मैच के दौरान ये उपलब्धि हासिल की। उन्होंने यह कारनामा केवल 624 पारियों में किया है, इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन ने 664 मैचों में 34357 रन बनाए हैं। श्रीलंकाई क्रिकेटर कुमार संगाकारा इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने 594 मैचों में 28016 रन बनाए हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर को यहां तक पहुंचने के लिए 644 और कुमार संगाकारा को 666 पारियां लगी थीं। कोहली ने टेस्ट में 9230 रन, वनडे में 14600 से अधिक और टी20 इंटरनेशनल में 4188 रन बनाए हैं।

(हाईस्कोरिंग मुकाबले में टीम इंडिया ने कीवियों को 4 विकेट दी शिकस्त- देखें खेल पेज)

नई उम्मीदों, नए अवसर का वर्ष होगा 2026: सीएम

सीएम ने किया कृषि कल्याण वर्ष-2026 का शुभारंभ, किसान सम्मेलन से पहले किसानों ने निकाली विशाल ट्रैक्टर रैली

ट्रैक्टर रैली के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ट्रैक्टर चलाते हुए।

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, हमने जो भी कहा,उसे हर हाल में पूरा करेंगे। प्रदेश के किसानों के लिए वर्ष 2026 नई उम्मीदों,नए अवसरों का वर्ष होगा।

मुख्यमंत्री जंबूरी मैदान में किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, किसान अन्नदाता हैं, जो परिश्रम से देश और समाज का उदर-पोषण करते हैं। सरकार के 16 विभाग मिलकर वर्षभर किसान कल्याण के काम करेंगे। हमारा उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाकर आमदनी को दोगुना करना है। हम सिर्फ खेती नहीं, दुग्ध,फल उत्पादन, पशुपालन, मछली उत्पादन जैसे प्रयास करेंगे, जिससे किसानों की आय बढ़ सके। सीएम ने कहा, आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई, भंडारण और बाजार तक बेहतर पहुंच के माध्यम से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किया ट्रैक्टर रैली का नेतृत्व

इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों द्वारा निकाली गई टैक्टर रैली का नेतृत्व भी किया। सीएम ने स्वयं ट्रैक्टर चलाया और किसानों से संवाद भी किया। इस मौके पर डॉ. यादव ने कहा, यह ट्रैक्टर रैली सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता, आत्मविश्वास और प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी सोच का सशत प्रतीक है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम ने कहा, एक शेर खड़ा हो जाए, तो वह हजारों भेड़ को ठिकाने लगा सकता है, ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करके दिखाया है, जिनसे हमें भी प्रेरणा मिलती है। पीएम ने नर्मदा पर सरदार सरोवर बांध बनवाया, जिसका लाभ हमारे प्रांत को लोगों को मिला। कांग्रेस ने तो बांध बनाने में भी कंजूसी की थी। हमने बहनों के लिए 1500 रुपए देना शुरू किया। किसानों को सम्मान निधि दी जा रही है, लेकिन कांग्रेस सिर्फ जनता को गुमराह करने की बात करती रहती है। उन्होंने कहा, हमने 2700 रुपए प्रति क्विटंल गेहूं का समर्थन मूल्य करने का वादा किया, जिसे हम हर हाल में पूरा करेंगे। हमारा प्रत्येक संकल्प पांच वर्ष के लिए है, उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग खाद को लेकर शोर मचाते रहते हैं, जबकि इस बार हमें पिछले वर्षो की तुलना में ज्यादा खाद मिली है। सरकार ने ऐप तैयार किया है, जिसके जरिए किसानों को खाद के बारे में जानकारी मिलती रहेगी कि कब उन्हें खाद मिलेगी। इससे अब किसानों को खाद के लिए लंबी लाइनों में नहीं खड़ा होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मप्र में पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) नदी लिंक एवं केन-बेतवा नदी लिंक राष्ट्रीय परियोजना सहित ताप्ती ग्राउंड वाटर रिचार्ज मेगा परियोजना से प्रदेश के 25 जिलों में 16 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त कृषि रकबा सिंचित हो जाएगा।

किसानों के उत्पाद अब निर्यात किए जाएंगे : खंडेलवाल

इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के किसानों के उत्पाद अब निर्यात किए जाएंगे। वर्ष 2026 किसानों के कल्याण को समर्पित है। यह एक पुनीत संकल्प है। उन्होंने कहा टमाटर उत्पादन में हमारा प्रदेश, देश में प्रथम और गेहूं उत्पादन में दूसरे नम्बर पर है। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

इंडियन आइडल-3 के विजेता प्रशांत का निधन

सलमान की आने वाली फिल्म में दिखेंगे

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडियन आइडल सीजन 3 के विनर प्रशांत तमांग का रविवार को कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। 43 साल के प्रशांत का निधन दिल्ली के जनकपुरी स्थित उनके घर पर हुआ। सिंगर-एक्टर को कार्डियक अरेस्ट आने बाद दिल्ली के द्वारका स्थित एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया। प्रशांत इंडियन आइडल सीजन-3 जीतकर मशहूर हुए थे। वह वेब सीरीज पाताल लोक के दूसरे पार्ट में भी नजर आए थे। सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान में भी नजर आने वाले हैं, जो 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इंडियन आइडल जीतने के बाद प्रशांत तमांग ने अपना पहला एल्बम धन्यवाद रिलीज किया था।

ईरान हिंसा: अब तक 538 लोगों की मौत, 10 हजार गिरफ्तार

ईरान की यूएस को धमकी, हमला किया तो पलटवार करेंगे

तेहरान, जेएनएन। ईरान में 15 दिन से जारी हिंसक विरोध प्रदर्शन में अब तक 538 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10,600 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। प्रदर्शनकारियों के हवाले से बताया कि मरने वालों में 490 प्रदर्शनकारी और 48 सुरक्षा कर्मी हैं। इन प्रदर्शनों के बीच ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उस पर हमला किया, तो वह अमेरिकी सैनिकों और इजराइल को निशाना बनाएगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका ने हमला किया, तो इलाके में मौजूद सभी अमेरिकी मिलिट्री बेस, शिप्स और इजरायल हमारे टारगेट पर होंगे। यह बयान संसद के लाइव सत्र के दौरान दिया गया, जहां सांसद 'डेथ टू अमेरिका' के नारे लगा रहे थे।

कालीबाफ ने ईरान की सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने हालात में मजबूती से काम किया है। प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी कि गिरफ्तार किए गए लोगों से सबसे सख्त तरीके से निपटा जाएगा और उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

(ट्रंप को बताया गया ईरान पर हमले का प्लान, फैसला बाकी- देखें पेज-11)

इधर, ग्रीनलैंड पर कब्जे का प्लान बना रहे ट्रंप

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की दिशा में सैन्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। जानकारी के मुताबिक, ट्रंप ने इस संभावित ऑपरेशन की जिम्मेदारी जॉइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (जेएसओसी) को सौंपी है। हालांकि, अमेरिकी सेना के शीर्ष अधिकारी इस विचार से सहमत नहीं हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बता रहे हैं।

न्यूजीलैंड में दूसरी बार नगर कीर्तन का विरोध

कीवी ग्रुप ने हाका डांस किया, बोले-ये हमारी गलियां

आकलैंड, जेएनएन। न्यूजीलैंड में फिर सिख नगर कीर्तन का विरोध किया गया। 20 दिन में ये दूसरी बार है। हालांकि, इस बार नगर कीर्तन को रोका नहीं गया। इसके खिलाफ डेस्टिनी चर्च से जुड़े ब्रायन टमाकी के समूह ने सड़कों पर उतरकर हाका डांस किया। टमाकी, उनके समर्थकों ने कहा, ये किसकी गलियां हैं, हमारी गलियां हैं। यहां पर सरेआम तलवारें और झंडे लहराने की इजाजत किसने दी। हम अपने कल्चर को ऐसे बर्बाद नहीं होने देंगे। हम किसी को भी सड़कों और गलियों का इस्तेमाल हमारे देश के कल्चर को बिगाड़ने के लिए नहीं देंगे। उधर, सिख युवकों ने टमाकी के हाका डांस के बावजूद शांतिपूर्ण ढंग से नगर कीर्तन निकाला। करीब 20 दिन पहले भी साउथ ऑकलैंड के उपनगर मनुरेवा में भी ब्रायन टमाकी समर्थकों ने हाका किया था। इस दौरान नगर कीर्तन को रोक लिया गया था। पुलिस ने बीच-बचाव कर हाका खत्म करवाया था। सिखों ने भी वाहेगुरु जी का खालसा, श्री वाहेगुरुजी के फतेह के जयकारे लगाए थे। इस बार टौरंगा शहर में नगर कीर्तन के बराबर हाका प्रदर्शन ब्रायन टमाकी समूह ने सुबह टौरंगा शहर में सिख समुदाय के नगर कीर्तन के खिलाफ लोगों को एकत्रित किया।

सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे: प्रधानमंत्री

बोले-दुर्भाग्य से देश में आज भी मंदिर पुनर्निर्माण विरोधी ताकतें मौजूद

सोमनाथ/राजकोट,जेएनएन। गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, उस वक्त आतताई सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा, जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली, तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। दरअसल, 1951 में मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी।

पीएम मोदी ने मंदिर से करीब 3 किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली में कहा, हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटने की कोशिश में लगी हुई हैं। पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया।

सोमनाथ का वजूद नहीं मिटा पाए

पीएम ने कहा, आज उस इतिहास के बारे में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया, लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुननिर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा, लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुननिर्माण करा दिया।

न मंदिर नष्ट हुआ न भारत

पीएम ने कहा, ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं और अब इसके पुनर्निमाण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं, लेकिन न ही सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत।

मजहबी कट्टरपंथी कुछ नहीं बिगाड़ पाए

जब आक्रांता सोमनाथ पर हमला कर रहे थे, उन्हें लगा था कि उनकी तलवार सोमनाथ को जीत रही है, लेकिन मजहबी कट्टरपंथी ये नहीं समझ पाए जिस सोमनाथ को वे नष्ट करना चाहते थे। उसके नाम में ही सोम अर्थात अमृत जुड़ा है। उसमें हलाहल पीकर भी अमर रहने का विचार जुड़ा है।

ग्रोक पर अब नहीं बनेंगी अश्लील तस्वीरें

एक्स ने गलती मानी: 3,500 कंटेट ब्लॉक, 600 से ज्यादा अकाउंट डिलीट

नई दिल्ली, जेएनएन। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने कंटेंट मॉडरेशन में गलतियां स्वीकार की हैं। एक्स ने कहा है कि अश्लील इमेज जनरेशन पर पूरी तरह से रोक लगाएगी और भारत के कानूनों का पालन करेगी। सूत्रों के मुताबिक, यह फैसला अश्लील कंटेंट वायरल होने के बाद लिया गया। प्लेटफॉर्म ने बताया कि उन्होंने 3,500 से ज्यादा कंटेंट ब्लॉक किए हैं, वहीं 600 से अधिक अकाउंट्स भी डिलीट कर दिए गए हैं।

दरअसल, शिवसेना (यूबीटी)सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने 2 जनवरी को एआई चैटबोट ग्रोक के गलत इस्तेमाल को लेकर आईटी मंत्री को पत्र लिखा था। इसके बाद केंद्र ने उसी दिन एक्स से कहा था, वह ग्रोक से बनाई जा रही अश्लील, फूहड़ कंटेंट को तुरंत हटाए, नहीं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक्स ने कहा-भारत हमारे लिए बड़ा बाजार

एक्स ने कार्रवाई की जानकारी देते हुए कहा कि भारत हमारे लिए बड़ा बाजार है। कंपनी ने कहा कि वह यहां के नियमों का सम्मान करेगी। वह कदम कंटेंट मॉडरेशन को मजबूत बनाएगी।

चतुर्वेदी बोलीं-कंटेंट को रोकने की जगह सीमित कर दिया: राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शनिवार को एक्स पर इस मामले में फिर एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, एक्स ने ग्रोक के माध्यम से आपत्तिजनक और यौन रूप से उत्तेजक इमेज जेनरेशन को पूरी तरह से रोकने की बजाय केवल पेड यूजर्स तक सीमित कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम प्रभावी रूप से महिलाओं और बच्चों की तस्वीरों के अनधिकृत दुरुपयोग की अनुमति देता है, जिससे उन्हें जोखिम में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा, प्लेटफॉर्म निंदनीय व्यवहार को मॉनिटाइज कर रहा है, यह शर्मनाक है। इसके पहले प्रियंका चतुर्वेदी ने पत्र में लिखा था कि एक्स पर एआई के ग्रोक फीचर का गलत इस्तेमाल हो रहा है। कुछ पुरुष फर्जी अकाउंट बनाकर महिलाओं की तस्वीरें पोस्ट कर रहे हैं।

सीएस, पीएस, कलेक्टर और सीएमओ को नोटिस

एमराल्ड हेरीटेज भूमि आवंटन मामला, 24 को अगली सुनवाई

जागरण, बैतूल। जिला जेल की बेशकीमती जमीन प्राइवेट फर्म एमरॉल्ड हेरीटेज को कौड़ियों के दाम बेचने के मामले में बैतूल की अदालत ने मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव राजस्व व कलेक्टर बैतूल तथा नगर पालिका के सीएमओ को तलब किया है। अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होना पड़ेगा। मामले की अगली सुनवाई 24 जनवरी को होगी। दरअसल, इस मामले में बैतूल सिविल सोसायटी की ओर से सुनील पलेरिया नामक युवक ने परिवार दायर किया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता दर्शन बुंदेला ने बताया कि यह परिवार लोक उपयोगी सेवाओं की स्थायी लोक अदालत बैतूल में धारा 22(क) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 दायर किया गया है। इसमें याचिकाकर्ता ने मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव राजस्व, कलेक्टर बैतूल व सीएमओ बैतूल को पक्षकार बनाया गया है। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किए हैं।

बदलाव चीन में अब पूर्वजों के लिए बनाई जा रही कागज की मर्सिडीज, रोलेक्स

चीन में मरने के बाद भी 'लग्जरी लाइफ'

नई दिल्ली, जेएनएन। चीन की संस्कृति में मौत के बारे में बात करना अक्सर अशुभ या अपशकुन माना जाता है, लेकिन अब बीजिंग की एक स्टार्टअप कंपनी इस पुरानी सोच को चुनौती दे रही है। यह कंपनी अंतिम संस्कार के पारंपरिक तरीकों को एक मॉडर्न और सम्मानजनक रूप दे रही है, जिससे अब लोग मौत को डर की बजाय एक अलग नजरिए से देख रहे हैं।

परलोक के लिए 'कागजी' लक्जरी सामानों का चलन: इस कंपनी की सबसे खास बात यह है कि यह अंतिम संस्कार के लिए कागज से बने बेहद अनोखे मॉडल तैयार करती है। इनमें लक्जरी बैग, रोलेक्स वॉच, वाग्यू बीफ रोल और ऊलॉन्ग टी जैसे आइटम शामिल हैं। मान्यता यह है कि इन कागजी मॉडलों को जलाने से ये चीजें परलोक में मृत व्यक्ति को हासिल होती हैं। चीन के लोकप्रिय ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म 'टाओबाओ' पर भी इन 'बर्न्ट ऑफरिंग्स' की भारी मांग है। यहां कागज से बने नकली गुची बैग और एप्पल प्रोडक्ट्स के पूरे सेट आसानी से मिल जाते हैं।

सबसे ज्यादा डिमांड में 'मर्सिडीज बेंज'

हैरत की बात यह है कि इन सभी सामानों में सबसे लोकप्रिय आइटम कागज से बनी 'मर्सिडीज बेंज' कार है। लोग अपने प्रियजनों के लिए इसे सबसे ज्यादा खरीदते हैं। इसकी कीमत करीब 15 येन है। यह छोटी सी कीमत देकर लोग अपनों के अंतिम सफर को 'लक्जरी' बनाने की कोशिश करते हैं।

एक नई पहल: अंधविश्वास को खत्म करने की कोशिश

इस कंपनी के फाउंडर का कहना है कि ताओ धर्म की मान्यताओं के कारण चीन में लोग मौत की तैयारी नहीं करते, जिससे किसी की मृत्यु होने पर परिवार को भारी अव्यवस्था का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में अंतिम संस्कार की सेवाएं सरकारी नियंत्रण में हैं और वहां कई पारंपरिक रस्मों के नाम पर भ्रम फैलाया जाता है। जैसे-मृतक को ऑड नंबर्स में कपड़े पहनाना, हर चौराहे पर सिक्के बिखेरना, ग्राहकों को डराकर जबरदस्ती सामान बेचना आदि। इस नए ट्रेंड के जरिए इन अंधविश्वासों को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। वे चाहते हैं कि लोग मौत को डर से जोड़ने की बजाय, इसे समझदारी और सम्मान के साथ अपनाएं ताकि परिवार मानसिक रूप से तैयार रह सके। कागज की इन अनोखी भेंटों के जरिए लोग अब अपने परिजनों को विदाई देते समय दुख के साथ-साथ उनके प्रति अपना सम्मान और प्यार भी आधुनिक तरीके से जाहिर कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

प्राचार्य शर्मा को रवींद्रनाथ टैगोर नेशनल अवार्ड

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और चार दशक से अधिक की समर्पित सेवाओं के लिए मॉडल हायर सेकंडरी स्कूल टीटी नगर की प्राचार्य रेखा शर्मा को रवींद्रनाथ टैगोर नेशनल अवार्ड-बेस्ट प्रिंसिपल से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान इंदौर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिया गया। राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में देशभर से चयनित शिक्षाविदों को शिक्षा में नवाचार, नेतृत्व क्षमता और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। श्रीमती शर्मा ने अपने नेतृत्व में मॉडल हायर सेकंडरी स्कूल को शैक्षणिक गुणवत्ता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, मूल्य-आधारित शिक्षा एवं समग्र विकास के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। उनके मार्गदर्शन में स्कूल ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इस सम्मान से न केवल स्कूल, बल्कि सम्पूर्ण भोपाल शिक्षा जगत गौरवान्वित हुआ है।

बीमार बच्चे को दिखाने जा रहे युवक पर हमला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में बीमार बच्चे को दिखाने जा रहे एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला हो गया। बदमाश ने उसके पेट पर चाकू से वार किया था, लेकिन उसने हाथ लगा दिया, जिससे उसके हाथ में चोट आई और जान बच गई। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय महेंद्र रावत पिता गणेश रावत मालीखेड़ी में रहता था। वह निजी काम करता था। शनिवार रात उसके बच्चे की अचानक तबियत खराब हो गई थी। रात करीब पौने दस बजे पत्नी के साथ बच्चे को लेकर डाक्टर के पास जा रहा था, अभी वह अपने घर से पैदल निकला ही था कि रास्ते में एक अज्ञात व्यक्ति ने उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू उसके दाहिने हाथ में लगी। इससे युवक को गंभीर चोट आ आई है। घायल की रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चार इमली सहित कई इलाकों में आज कटौती

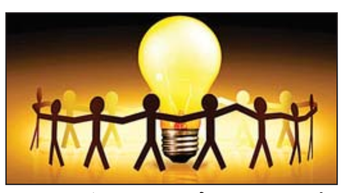

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर के कई इलाकों में सोमवार को बिजली कटौती की जाएगी। आज अक्षय अस्पताल, एसबीआई क्वार्टर, चार इमली, सीबीआई कालोनी और आसपास सुबह 11 से शाम 4 बजे तक, यादव पुरा, पंजाब ज्वैलर्स, राज भवन व आसपास सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक, पुष्पा नगर, एलआईजी क्वार्टर, 80 फीट रोड, रेस्ट हाउस, एमपीईबी ऑफिस, कम्मू का बाग, महामाई का बाग, शंकराचार्य नगर, धोबी घाट व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रखी जाएगी। अब्बास नगर, आरकेडीएफ कालेज व आसपास, खजूरी कलां स्थित खजूरी गांव, साईं स्पर्श फेस-2, पलक विहार, 11 मील पेट्रोल पंप, शिवलोक फेस-4, रीगल कलश कालोनी में सुबह 11 से 3 बजे तक और 11 मील स्थित एमजी हेक्टर शोरूम, अम्बिका गृह निवास कालोनी, 11 मील टावर, भोजपुर क्रॉस रोड व आसपास सुबह 11 से 5 बजे तक बिजली सप्लाई को बंद रखा जाएगा।

नस्ल सुधारने एसटीआर से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बायसन की शिफ्टिंग

जंगल की जैव विविधता को विस्तार देने की जा रही शिफ्टिंग, 17 से शुरू होगा अभियान

जागरण संवाददाता, भोपाल। पूरी दुनिया में बाघों के लिए मशहूर मध्य प्रदेश के उमरिया में स्थित बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 27 बायसन (भारतीय गौर) को लाए जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इन बायसन को बांधवगढ़ लाने के लिए तीन टीमों को बारी बारी से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा जाएगा। यह टीमें 17 से 18 जनवरी तक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पहुंचकर वहां से बायसन की खेप बांधवगढ़ भेजना शुरू कर देंगी। बीटीआर प्रबंधन के अनुसार 20 से 21 जनवरी तक सभी बायसन बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पहुंच जाएंगे। पूर्व में इन्हें कल्लवाह एनक्लोजर में रखा जाएगा। कुछ दिनों तक इनकी निगरानी करने के बाद इन्हें जंगल में विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाएगा। बता दें कि बांधवगढ़ में 200 से ज्यादा बायसन मौजूद थे, जिनकी नस्ल सुधारने के लिए सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से 50 गौर को बीटीआर लाया जा रहा है। इनमें से 23 गौर पहले ही बांधवगढ़ पहुंच चुके हैं, जिनको एनक्लोजर में रखने के बाद खुले वन में विचरण करने के लिए छोड़ दिया गया है। बीटीआर प्रबंधन के अनुसार जनवरी के बाद बीटीआर वन क्षेत्र में गौर की संख्या बढ़कर 250 से ज्यादा हो जाएगी। बता दें कि बायसन को शुरुआत में जिस एनक्लोजर में रखा जाएगा। वह करीब 20 हेक्टेयर में फैला है और वहां बायसन की सुरक्षा के लिए 24 घंटे सुरक्षाकर्मी और एक वाहन तैनात रहेगा। एनक्लोजर को 8 फीट ऊंची जाली से कवर किया गया है, ताकि अन्य कोई वन्य प्राणी वहां तक न पहुंच सके।

क्यों किया जाता है नस्ल सुधार

दरअसल एक ही मां या नजदीकी रिश्तेदारों से पैदा हुए बायसन के बच्चे यदि बड़े होकर आपस में मेटिंग कर संतान पैदा करते हैं, तो होने वाली संतान में कई तरह की बीमारियां या जन्मजात विकृतियां होने की संभावना होती है। इस समस्या से बचने के लिए नस्ल सुधार कार्यक्रम के तहत दूर दराज से वन्य प्राणियों को लाकर मेटिंग कराई जाती है। ताकि जो संतान पैदा हो, वह पूरी तरह से स्वस्थ हो। बड़े होने पर यदि वह संतानोत्पत्ति भी करे तो होने वाली संतान में किसी तरह की विकृति पैदा न हो।

इस तरह जैव विविधता को सुधारते हैं बायसन

बायसन जंगल की जैव विविधता को भी सुधारते हैं। इसी कारण इन्हें जंगल का इंजीनियर कहा जाता है। दरअसल गौर शाकाहारी होने के कारण जंगल की बड़ी घास को खा जाते हैं, जिससे जंगल में अन्य वन्य प्राणियों के आवागमन के लिए मार्गों का निर्माण होता है। यह जिस रास्ते से होकर निकलते हैं, वहां पगडंडियां बन जाती हैं। गीली मिट्टी बायसन के खुर से दबने के कारण वहां छोटे छोटे गड्ढे हो जाते हैं, जिसमें अन्य जलीय जीव प्रजनन करते हैं और अपने आवास का निर्माण करते हैं। बड़ी घास को खाने के बाद बायसन छोटी घास छोड़ जाते हैं, जिससे चीतल, हिरण, नीलगाय व बारासिंगा जैसे शाकाहारी जानवरों को छोटी घास की सौगात मिलती है।

पहले भी आ चुके हैं 50 बायसन, इनकी संख्या बढ़कर हो गई 200 से ज्यादा

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उप संचालक पीके वर्मा ने बताया कि 2010 11 में भी 50 गौर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से लाए गए थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 200 से ज्यादा हो गई है। इस कारण इनकी नस्ल सुधारने के लिए 50 अन्य बायसन मंगवाए गए हैं, ताकि बीटीआर में स्वस्थ्य व विकृति रहित बायसन शावक जन्म लें। वर्मा ने बताया कि जिस जगह पर बायसन की तादाद बेहतर होती है। वहां पर बाघों की तादाद भी तेजी से बढ़ती है, क्योंकि एक बायसन का शिकार करने के बाद बाघ को कई दिनों तक दूसरे शिकार की जरूरत नहीं पड़ती है। साथ ही एक बायसन के शरीर पर कई बाघ कई दिनों तक सर्वाइव करते हैं। बाद में बचे हुए अंगों को अन्य मांसाहारी जीव भी खाते हैं।

सब इंस्पेक्टर बनते ही पत्नी ने कोर्ट में तलाक की दी अर्जी

जागरण, भोपाल। भोपाल के फैमिली कोर्ट में एक पत्नी ने सब इंस्पेक्टर बनते ही पति से तलाक के लिए अर्जी डाल दी है। महिला का पति पंड़िताई करता है। उसने पैसे जोड़कर पत्नी को पढ़ाया-लिखाया। इसके बाद उसकी पुलिस विभाग में नौकरी लग गई। बाद में महिला को पति के पहनावे से शर्मिंदगी महसूस होने लगी और उसके पंड़िताई पेशे पर शर्म आने लगी है। पत्नी का कहना है कि लुक अच्छा नहीं लगता है। जबकि पति का कहना है कि पत्नी उसकी चोटी कटाने का दबाव बनाती है। युवक ने बताया कि शादी के बाद से पत्नी का पुलिस विभाग में नौकरी करने का सपना था। पति ने पैसे बचाने शुरू किए और पत्नी की पढ़ाई करवाई। पति ने बताया कि वह पेशे से पंडित है और पूजा-पाठ करके घर चलाता है। उसने कमाई का बड़ा हिस्सा अपनी पत्नी की पढ़ाई और तैयारी में खर्च किया। उसने अपनी पत्नी को ग्रेजुएट कराया। उसके बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई। पढ़ाई के बाद जैसे ही सब इस्पेक्टर सब-इंस्पेक्टर बन गई, तो बर्ताव में बदलाव आने लगा। उसे अपने पति के धोती-कुर्ता पहनावे और लुक्स से चिढ़ आने लगा। उसने पति से बदलाव करने की शर्त रखते हुए कहा कि वह चोटी काट दे लेकिन जब पति ने पत्नी की बात मानने से इनकार कर दिया तो महिला ने कोर्ट में तलाक के लिए आवेदन कर दिया। काउंसलरों के मुताबिक पति-पत्नी के बीच सुलह कराने के लिए कई बार काउंसलिंग की गई, लेकिन महिला अपनी जिद पर अड़ी है। उसका कहना है कि वह अब इस रिश्ते को और आगे नहीं ले जा सकती। फिलहाल मामला कोर्ट में चल रहा है।

पंड़ित पति ने करवाई थी पढ़ाई, अब पत्नी को पेशे पर आती है शर्म

डीएल और रजिस्ट्रेशन की सुविधा घर बैठे

नगर संवाददाता, भोपाल। मप्र का परिवहन विभाग 51 प्रकार की सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध करा रहा है। इनमें प्रमुख रूप से ड्राइविंग लायसेंस, रजिस्ट्रेशन और अन्य शामिल हैं। इस संबंध में हाल ही में राज्य के परिवहन विभाग द्वारा केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय के सामने दिल्ली में एक प्रिजेंटेशन दिया गया। 51 सुविधाओं का इस्तेमाल करने आपका मोबाइल नंबर, वाहन नंबर के साथ अपडेट होना एवं एक्टिवेट होना जरूरी है। मोबाइल नंबर पर आया ओटीपी नंबर ट्रेस होने के बाद ही आवेदन पर कार्रवाई की जा सकेगी। केंद्रीय सड़क मंत्रालय में हुए सेमीनार में विभाग की ओर से प्रजेंटेशन में बताया गया कि एमपी में सेवाओं को फेसलेस हो चुका है।

एनआईओएस का छह माह का 'ब्रिज' बचाएगा प्राथमिक शिक्षकों की नौकरी

नेशनल ओपन स्कूल के पोर्टल पर नहीं कराया शिक्षकों ने पंजीयन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बीएड के आधार पर नवंबर 2023 के पूर्व प्राथमिक शिक्षक की नौकरी करने वालों को नेशनल ओपन स्कूल (एनआईओएस) के छह माह का ब्रिज कोर्स करना होगा। कोर्स के अभाव में उनकी सेवाएं अमान्य मानी जाएंगी। लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार सुप्रीम कोर्ट द्वारा सिविल अपील और उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित आदेशों के क्रम में प्राथमिक शिक्षक परीक्षा वर्ष 2020 के परिणाम के आधार पर नियुक्त बीएड योग्यताधारी प्राथमिक शिक्षकों के लिए नेशनल ओपन स्कूल द्वारा ब्रिज कोर्स की प्रक्रिया शुरू की गई है। शिक्षकों ने अंतिम तिथि तक एनआईओएस के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। रजिस्ट्रेशन से वंचित और ब्रिज कोर्स में पास नहीं होने की दशा में प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के मुताबिक जारी नहीं हो पाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय का कहना है कि हर जिले के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि तय समय सीमा में शिक्षकों को प्रशिक्षित करें। ब्रिज कोर्स से वंचित शिक्षकों की सूची तैयार की जाए ताकि न्यायालय के निर्देशानुसार उनके खिलाफ कार्रवाई तय की जा सके।

बीएड पर डीएड का कोर्स

लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिक शिक्षकों के लिए डीएड अनिवार्य है। जबकि 11 अगस्त 2023 के पूर्व प्रदेश में लगभग दस हजार से अधिक प्राथमिक शिक्षकों ने बीएड के आधार पर यह सेवा प्राप्त की है। इस कारण उन्हें ब्रिज कोर्स में डीएड की तरह बताया जायेगा कि उन्हें किन दक्षताओं के आधार पर विद्यार्थियों को अध्ययन कराना है। छह माह में उन्हें डीएड के समकक्ष पूरा कौशल सिखाया जाएगा, जिसका उन्हें प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। कोर्स पूरा होने के बाद ही शिक्षक पात्र माने जाएंगे। ब्रिजकोर्स पूरा नहीं करते हैं, तो उनकी सेवाएं अमान्य मान ली जाएंगी।

चाइनीज मांझे के नुकसान बताने शुरू होगा अभियान

जागरण संवाददाता, भोपाल। पतंगबाजी के दौरान चाइनीज मांझे के हाई वोल्टेज और एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों में उलझने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए एमपी ट्रांसको विशेष अभियान चलाएगी। मकर संक्रांति के अवसर पर काफी संख्या में लोग पतंगबाजी करते हैं। कई बार लोग पंतग उड़ाने के दौरान चाइनीज मांझा उपयोग करते हैं। चाइनीज मांझा न केवल पक्षियों और आम लोगों के लिए जानलेवा साबित होता है, बल्कि इसके ट्रांसमिशन लाइनों में टच होने के कारण पतंगबाज को ही बिजली का झटका लगने का जोखिम होता है। ज्यादातर पतंगबाज 220 केवी और 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों में मांझा उलझा देते हैं, जिससे नुकसान होता है। पिछले 1 साल में भोपाल क्षेत्र की चार ट्रांसमिशन लाइनों पर व्यवधान हुआ है। एमपी ट्रांसकों के अधिकारियों के अनुसार सूखी सेवनिया 220 केवी, मैनिट 132 केवी, मंडीदीप ट्रांसमिशन लाइन, 132 केवी की लालघाटी लाइन, आनंद नगर, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में समझाइश दी जाएगी।

यूनिफार्म और किताबों की खरीदी का दवाब बनाने पर होगी एफआईआर

जेडी का फरमानः बीस तक जारी करें किताबों की सूची, तीन सत्रों तक यूनिफार्म नहीं बदल पाएंगे स्कूल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। निजी स्कूल संचालक तीन शैक्षणिक सत्रों तक गणवेश नहीं बदल सकेंगे। यदि किसी खास दुकान से यूनिफार्म और किताबें खरीदने का दबाव बनाया जाता है, तो संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। भोपाल के संभागीय संयुक्त संचालक अरविंद चौरगढ़े ने आदेश जारी किए हैं। आदेश में बताया गया है कि निजी स्कूलों को 20 जनवरी तक किताबों की सूची सार्वजनिक करनी होगी। बता दें कि कुछ सालों से यूनिफार्म और किताबों पर कमीशनखोरी का खेल चल रहा है। इसे देखते हुए संभागीय संयुक्त संचालक (जेडी) ने सख्ती शुरू कर दी है। आदेश में कहा है कि शिक्षण सत्र प्रारंभ होने पर कई निजी शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन द्वारा विशेष दुकान से कोर्स, यूनिफार्म और अन्य सामग्री खरीदने बाध्य किया जाता है। कई स्कूलों में स्वयं स्कूल प्रबंधन द्वारा पुस्तकें और यूनिफार्म तथा अन्य

सामग्री बेचने के संबंध में जानकारी प्राप्त होती है। इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने भोपाल संभाग में संचालित सभी बोर्ड से संबंधित निजी स्कूल मध्य प्रदेश राजपत्र असाधारण दिनांक 2 दिसंबर 2020 स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल में उल्लेखित निर्देशों का पालन किया जाना अनिवार्य होगा। अशासकीय विद्यालयों के लिए यह अनिवार्य है कि वे आगामी शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के पूर्व लेखक एवं प्रकाशक के नाम तथा मूल्य के साथ कक्षावार पुस्तकों की सूची विद्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित करें और शाला के विद्यार्थियों को ऐसी सूची मांगने पर उपलब्ध कराई जाना चाहिए।

छिपाना होंगे स्कूलों को अपने नाम

जेडी के आदेश के मुताबिक शिक्षण सामग्री पर स्कूलों का नाम नहीं छपना चाहिए। स्कूलों नोटिस बोड्र पर कोर्स खरीदी संबंधि सूचना चस्पा करना होगी, जिसमें विशेष दुकान की बाध्यता को खत्म करने की सूचना दी जाएगी। स्कूल यूनिफार्म आगामी तीन शैक्षणिक सत्रों तक यथावत रहेंगे। हर स्कूल में प्रवेश की प्रक्रिया और प्रवेश किस दिनांक से दिनांक तक होंगे की सूचना का प्रचार प्रसार करना अनविार्य होगा, जिससे पालकों एवं प्रवेश कराने वाले अभिभावकों तक सूचना प्राप्त हो सकें। निजी स्कूल प्रबंधन परिवहन सुविधाओं के संबंध में परिवहन और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा समय समय पर जारी दिशा निर्देशों का पालन करेंगे।

व्हाइट टापिंग से नहीं बनेंगी अरेरा कालोनी ई-5 की सड़कें

रहवासियों की मांग पर पीडब्ल्यूडी ने तैयार किया प्रस्ताव, अब डामर किया जाएगा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को अरेरा कालोनी में चार से पांच किमी की करीब दो दर्जन से ज्यादा सड़कें व्हाइट टापिंग से तैयार करना हैं। सड़कों के निर्माण से रहवासियों को समस्याएं आ रही हैं। इसलिए उन्होंने व्हाइट टापिंग से सड़क निर्माण का कार्य रोकने की मांग की है। इस संबंध में विभागीय मंत्री राकेश सिंह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास शिकायतें दर्ज करा दी गई हैं। इसके चलते पीडब्ल्यूडी ने उक्त सड़कों पर डामरीकरण करने का निर्णय लिया है। अरेरा कालोनी में अभी तक पीडब्ल्यूडी ने जितनी भी व्हाइट टापिक से सड़कें तैयार की हैं, उसमें से रहवासियों और दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। क्योंकि सड़कों का जोड़ सीधे मकान और दुकान से नहीं हुआ है। सड़कों की ऊंचाई पांच से छह इंच ज्यादा है। इससे वाहनों को पार्क करने और आवागमन में काफी परेशानी आ रही है। वाहन सड़क पर खड़े होने के कारण ट्राफिक जाम लग रहे हैं। ऐसी अन्य

समस्याओं को देखते हुए ई-5 में रहने वाले लोगों ने मंत्री सिंह और सीएम यादव से शिकायत की है कि उनके यहां व्हाईट टापिंग से सड़कों का निर्माण नहीं कराय जाए। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी ने लोगों की रायशुमारी को देखते हुए प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इसके तहत सड़कों का निर्माण व्हाईट टापिंग से ना होते हुए डामरीकरण से किया जाएगा। इससे मकानों और दुकानों की ऊंचाई सड़के के बराबर बने रहेंगे।

लागत में कमी और बनेंगी नालियां

व्हाइट टापिंग से सड़क निर्माण कराने में पीडब्ल्यूडी को अधिक लागत लगती है। ई-5 की एक से डेढ किमी की सड़कों पर डामरीकरण करने से पीडब्ल्यूडी का खर्चा भी कम होगा। इससे व्हाइट टापिंग की लागत को डामरीकरण पर खर्च किया जाएगा और बचे हुए बजट से सड़कों के अन्य कार्य कराए जाएंगे। जनकारी के मुताबिक बचे हुए बजट से अभी तक व्हाइट टापिंग की सड़कों को मकान और दुकानों से जोड बनाने के लिए नालियों का निर्माण तक कराएगा। इससे जलभराव की स्थिति का निपटारा हो जाएगा।

> रहवासियों की मांग है कि ई-5 में सड़कें व्हाइट टापिंग से नहीं बनाएं। उनकी मांग को देखते हुए वरिष्ठ कार्यालय को पुरानी सड़कों पर डामरीकरण का प्रस्ताव भेजा गया है। वरिष्ठ कार्यालय से स्वीकृति आने के बाद सड़कों पर डामरीकरण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।
>
> ■ **रतन सोमकुंवर**, ईई, पीडब्ल्यूडी

मेडिकल उपकरणों से होने वाले नुकसान के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

नगर संवाददाता, भोपाल। एम्स भोपाल जनसामान्य की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में, एम्स भोपाल के औषधि विज्ञान (फ़ार्माकोलॉजी) विभाग द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गोहरगंज (जिला रायसेन, मध्य प्रदेश) में मेडिकल उपकरणों से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्टिंग पर एक जनजागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों और स्वास्थ्य कर्मियों को यह समझाना था कि मेडिकल उपकरणों के उपयोग के दौरान यदि कोई समस्या, दुष्प्रभाव या दुर्घटना होती है, तो उसकी रिपोर्ट करना क्यों आवश्यक है। समय पर और सही जानकारी के साथ की गई रिपोर्टिंग से भविष्य में ऐसे जोखिमों को रोका जा सकता है और रोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। यह कार्यक्रम एम्स भोपाल के औषधि विज्ञान विभाग द्वारा मेडिकल उपकरण प्रतिकूल घटना निगरानी केंद्र तथा मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के लिए मटेरियोविजिलेंस क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में, भारत सरकार के मटेरियोविजिलेंस कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अभियान में एम्स भोपाल के सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग का सहयोग रहा। अभियान के दौरान संवादात्मक सत्रों और खुली चर्चाओं के माध्यम से प्रतिभागियों को मेडिकल उपकरणों से जुड़ी प्रतिकूल घटनाओं की शुरुआती पहचान, सही दस्तावेजीकरण और समय पर रिपोर्ट करने की प्रक्रिया के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी गई। वास्तविक जीवन के उदाहरणों, व्यावहारिक प्रदर्शनों और प्रत्यक्ष मार्गदर्शन के माध्यम से प्रतिभागियों को यह सिखाया गया कि संभावित जोखिमों को कैसे पहचाना जाए और उपयुक्त रिपोर्टिंग माध्यमों का उपयोग कैसे किया जाए।

एम्स अभियान चलाकर दे रहा लोगों को जानकारी

सुविधा — एम्स बना रहा ऐसी मशीन, जो बदल देगी सीटी व थ्रीडी स्कैन की दुनिया

बगैर रेडिएशन के मिलेगी इमेज, एआई से होगी ऑपरेट

- आईआईटी इंदौर इस प्रोजेक्ट में सहयोगी
- आईसीएमआर से मिली एक करोड़ रुपए की मदद

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल एक ऐसी तकनीक पर काम कर रहा है, जो भविष्य में सीटी व थ्रीडी स्कैन की दुनिया को बदल देगी। इस प्रोजेक्ट में एम्स का सहयोगी है इंदौर आईआईटी। दोनों राष्ट्रीय संस्थाएं मिलकर इस तकनीक को विकसित करने में जुटे हुए हैं। एम्स का दंत रोग विभाग इसमें अगुआई कर रहा है। जानकारी अनुसार इस मशीन में सीटी स्कैन, थ्रीडी स्कैन व एक्सरे की सुविधा होगी। जानकारी अनुसार एम्स भोपाल, आईआईटी इंदौर के साथ मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित 3डी पोर्टेबल एक्स-रे यूनिट तैयार कर रहे हैं। यह यूनिट एडवांस कम्प्यूटेशनल इमेज प्रोसेसिंग और एआई एल्गोरिदम पर आधारित होगी, जिससे बेहद कम रेडिएशन डोज में भी सीटी स्कैन के बराबर हाई डेफिनेशन 3डी इमेज प्राप्त होगी। शोधकर्ताओं का दावा है कि यह दुनिया की पहली ऐसी पोर्टेबल यूनिट होगी, जिसमें रेडिएशन स्तर पारंपरिक सीटी स्कैन की तुलना में लगभग 500 गुना कम रहेगा। आईसीएमआर ने एम्स के इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है। मालूम हो कि इस साल साल आईसीएमआर को देशभर से 1224 शोध प्रस्ताव मिले थे। इसमें से 338 प्रपोजल एक्सेप्ट किए गए हैं। इसमें से मप्र में से सिर्फ एक प्रोजेक्ट को चुना गया है।

मशीन के प्रमुख फायदे

- सीटी स्कैन के बराबर हाई-क्वालिटी 3डी इमेज
- रेडिएशन डोज में लगभग 500 गुना तक कमी
- पोर्टेबल डिजाइन, फील्ड और इमरजेंसी उपयोग संभव
- एंबुलेंस और आपदा प्रबंधन में त्वरित जांच
- ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में उन्नत जांच सुविधा

इमरजेंसी में इस्तेमाल करने के लिए उपयोगी

इस मशीन की दूसरी सबसे खास बात यह है कि इस मशीन को पोर्टेबल बनाया जा रहा है। यदि कहीं कोई बड़ी दुर्घटना या हादसा हो जाता है तो मशीन को घटना स्थल पर ले जाना आसान होगा। वहीं से यह मशीन घायलों के लिए काम करने लगेगी। एम्स के मैक्सोफेशियल सर्जन डॉ. बीएल सोनी और डॉ. अंशुल राय प्रमुख शोधकर्ता के रूप में काम करेंगे। यूनिट को पूरी तरह पोर्टेबल स्वरूप में तैयार किया जा रहा है, जिससे इसे एंबुलेंस, आपदा स्थल, सड़क हादसों और ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकेगा। अस्पताल से बाहर ही ऑन द स्पॉट एक्स-रे और 3डी इमेजिंग संभव होने से इमरजेंसी ट्रीटमेंट में लगने वाला कीमती समय बचेगा।

कई एंगल से ली जाएंगी तस्वीरें

एम्स से मिली जानकारी अनुसार इस यूनिट की खास बात यह है कि एआई की मदद से मल्टी-एंगल एक्स-रे डेटा को 3डी इमेज में बदला जाएगा। मशीन एक्स-रे का उपयोग कर एआई सॉफ्टवेयर इमेज की क्वालिटी को बेहतर करेगी, जिससे हड्डियों और आंतरिक संरचनाओं की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

आईआईटी इंदौर बनाएगा साफ्टवेयर

इस प्रोजेक्ट में एम्स भोपाल मैकेनिज्म को तैयार करेगा, वहीं आईआईटी इंदौर इसके लिए एआई आधारित सॉफ्टवेयर तैयार करेगा। पूरा प्रोजेक्ट तीन चरण में पूरा होगा। पहले चरण में शरीर के एक अंग के लिए यूनिट तैयार होगी। इसके बाद होल बॉडी इमेज यूनिट तैयार की जाएगी। अंत में कैंसर मरीजों के रेडिएशन के लिए इसी मशीन का उपयोग किया जा सकेगा।

खुद को पत्रकार बताकर हंगामा करने वाली युवती के खिलाफ एफआईआर दर्ज

लोगों को भ्रुमित कर पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। खुद को पत्रकार बताकर छोला मंदिर इलाके में जमकर हंगामा करने वाली युवती के खिलाफ पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का केस दर्ज किया है। युवती ने पुलिस की मर्ग कार्यवाही के दौरान वीडियो बनाकर लोगों को भ्रमित किया। पुलिस ने जब उसे रोका तो बहसबाजी की थी।

पुलिस के मुताबिक, भानपुर चौराहे पर शुक्रवार रात एक बाइक सवार युवक ट्रक की चपेट में आ गया था। हादसे में युवक ट्रक से नीचे टायर में फंस गया था, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने क्रेन की मदद से युवक का शव बाहर निकाला। इस बीच एक युवती जिसका नाम आरती रजक सामने आया है। वह स्कूटी से पहुंची और मोबाइल से वीडियो बनाने लगी। ऐसा करते देख पुलिस कर्मियों ने उसे वीडियो बनाने से मना किया। युवती ने एक नहीं सुनी और लोगों को भड़काने लगी। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने उससे पूछा आप कौन हो तो वह बोली एक मीडिया (दैनिक जागरण नहीं) की पत्रकार हूं।

पुलिस ने आईडी कार्ड मांगा तो वह नहीं दे पाई। इस दौरान युवती ने पुलिस कर्मियों के काम में बाधा पहुंचाई और बहसबाजी की थी। दरअसल, शुक्रवार रात साढ़े आठ बजे जाटखेड़ी निवासी अमन साहू (26) अपने घर जा रहा था, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उसे टक्कर मारकर अपनी चपेट में लिया था। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस शव को निकालने का प्रयास कर रही थी, तभी आरती ने पुलिस के काम में दखल देकर परेशान किया था। पुलिस युवती की तलाश में जुटी है।

लोहड़ी फेस्ट 2026: प्रेम और मिठास की लोकसंस्कृति

ढोल-नगाड़ों के साथ मिनी पंजाब बना भोपाल

जागरण, भोपाल। रवीन्द्र भवन का मुक्ताकाश मंच रविवार की शाम एक लघु पंजाब के रूप में जीवंत हो उठा। अवसर था लोहड़ी फेस्ट 2026 का, जहां कड़ाके की ठंड के बीच अलाव की तपिश और ढोल की थाप ने भोपाल के नागरिकों को उत्सव के रंग में सराबोर कर दिया। एका वेलफेयर फाउंडेशन और पंजाबी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह ने परंपरा, आस्था और सामूहिक उल्लास का एक ऐसा संगम पेश किया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल परंपरा का निर्वहन करना था, बल्कि आधुनिक पीढ़ी को अपनी जड़ों और सामाजिक सौहार्द के मूल्यों से परिचित कराना भी था। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नरेला विधायक एवं खेल व युवा कल्याण मंत्री कैलाश विश्वास सारंग तथा दक्षिण-पश्चिम भोपाल विधायक भगवान दास सबनानी ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम में अमरीतप्रीत कौर, टीआई भूपेंद्र संधू, सुरजीत कौर, हेमांगी अरोरा, जपनीत कौर, प्रीति सलूजा, डॉ. जगमीत कौर चावला सहित सामाजिक महिलाओं को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। उसके बाद पारंपरिक रूप से लोहड़ी की पवित्र अग्नि जलाई गई। जैसे ही अग्नि की लपटें ऊंची उठीं, पूरा परिसर लोहड़ी आ गई के जयकारों से गूंज उठा। उपस्थित जनसमूह ने अग्नि की परिक्रमा की और तिल, गुड़, रेवड़ी व मूंगफली अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। लोहड़ी का पर्व मूलतः किसान संस्कृति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। रबी की नई फसल के स्वागत और शीत ऋतु की विदाई के रूप में मनाया जाने वाला यह त्योहार जीवन में नई ऊर्जा और समृद्धि का संचार करता है।

सामुदायिक जीवन की याद दिलाते हैं ऐसे आयोजन

कार्यक्रम की शुरुआत एका वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापक नेहा बग्गा के आत्मीय स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने लोकपर्वों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में, जब लोग भौतिक दूरियों में सिमट रहे हैं, ऐसे आयोजन हमें सामुदायिक जीवन की याद दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि लोहड़ी केवल अग्नि प्रज्वलन का नाम नहीं है, बल्कि यह आपसी विद्वेष को त्यागकर प्रेम और मिठास के साथ आगे बढ़ने का संदेश है।

युवतियों ने पारंपरिक पहनावे में किया गिद्दा

गायक दलजीत सिंह और आरजे शैंकी (अभिषेक धीमान) के सुरीले गीतों ने शाम को बेहद खास बना दिया। मंच का संचालन परमिंदर शायर ने अपनी शेरो-शायरी और सधे हुए अंदाज से किया। लोकनृत्यों की प्रस्तुति इस उत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण रही। जैज गिद्दा ग्रुप की युवतियों ने अपने पारंपरिक पहनावे और लयात्मक नृत्य से पंजाब की खुशबू बिखेरी, वहीं द भांगड़ा बिट्स के कलाकारों ने अपनी ऊर्जा से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। विशेष रूप से, टीम संत सिपाही गटका अखाड़ा द्वारा पेश किए गए गटका (पारंपरिक युद्ध कौशल) के हैरतअंगेज कारनामों ने दर्शकों की सांसें थाम दीं।

भारत की शक्ति उसकी लोकसंस्कृति और विविधताओं में निहित

मंत्री कैलाश विश्वास सारंग ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी लोकसंस्कृति और विविधताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती हमेशा से सभी संस्कृतियों का सम्मान करती आई है और भोपाल में लोहड़ी का यह स्वरूप राष्ट्रीय एकता और समरसता का श्रेष्ठ उदाहरण है। आयोजन के समापन पर पंजाबी साहित्य अकादमी के निदेशक इंदरजीत खनूजा ने सभी अतिथियों, कलाकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस उत्सव की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकसंस्कृति आज भी समाज को जोड़ने वाली सबसे बड़ी शक्ति है।

इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट-304 का 41वां डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस आयोजित

अभिषेक बच्चन बोले-सबकी बात सुनो फिर पत्नी से पूछकर फैसला लो

जागरण, भोपाल। इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट-304 का 41वां डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस रविवार को होटल सायाजी में आयोजित किया गया। सम्मेलन में मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध अभिनेता अभिषेक बच्चन रहे। कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन विभा सिंह ने किया। रोटरी गवर्नर सुशील मल्होत्रा ने अपने संबोधन में इनर व्हील के सामाजिक योगदान की सराहना की। अभिषेक बच्चन ने इनर व्हील की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि डिस्ट्रिक्ट-304 द्वारा किए जा रहे प्रोजेक्ट्स समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने स्टेम लैब, महिला एवं बाल कल्याण, पर्यावरण, स्वास्थ्य, जल-सफाई और नशा मुक्ति जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों को उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा, मेरे पापा कहते हैं कि हमें बाहर सबकी राय ध्यान से सुननी चाहिए, लेकिन घर जाकर पत्नी से पूछना चाहिए कि सही क्या है और गलत क्या। आखिर में वही करना चाहिए, जो पत्नी का फैसला हो। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन विभा सिंह ने बताया कि बीते छह महीनों में डिस्ट्रिक्ट-304 द्वारा 1002 प्रोजेक्ट्स पूरे किए गए, जिनसे 1 लाख 40 हजार से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के अंत में डिस्ट्रिक्ट और क्लब सॉवेनियर का विमोचन किया गया।

मायाराम सुरजन भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

जागरण, भोपाल। हिन्दी साहित्य जगत के तीन वरिष्ठ और मूर्धन्य रचनाकार विनोद कुमार शुक्ल, नासिर अहमद सिकंदर और ज्ञानरंजन-के निधन से साहित्यिक संसार में शोक की लहर है। इन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए रविवार को राजधानी स्थित मायाराम सुरजन स्मृति भवन में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तीनों साहित्यकारों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दो मिनट का मौन रखकर की गई। सभा में डॉ. विजय बहादुर सिंह, रामप्रकाश त्रिपाठी, मनोज कुलकर्णी और डॉ. श्रद्धा श्रीवास्तव ने तीनों लेखकों के व्यक्तित्व, कृतित्व और साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनसे जुड़े संस्मरण साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि इन रचनाकारों ने हिन्दी साहित्य को संवेदना, वैचारिक गहराई और सामाजिक सरोकारों से समृद्ध किया। सभा का संचालन राजु कुमार कुमार ने किया।

मानव संग्रहालय में मकर संक्रांति पर होगा 'पतंग महोत्सव 2026'

जागरण, भोपाल। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल में 14 जनवरी 2026 को 'पतंग महोत्सव 2026' का आयोजन किया जाएगा। यह महोत्सव लोकआनंद, पारंपरिक सहभागिता और पारिवारिक उत्सव की भावना को समर्पित रहेगा। संग्रहालय के निदेशक प्रो. डॉ. अमिताभ पांडे ने बताया की यह आयोजन केवल पतंग उड़ाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लोकसंस्कृति, परंपरा और सामुदायिक सहभागिता का उत्सव होगा। महोत्सव के अंतर्गत प्रोफेशनल, ओपन और बाल वर्ग में पतंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके साथ ही सर्वसामान्य पतंग उड़ान, काइट-थीम सेल्फी पॉइंट, मकर संक्रांति आधारित क्विज, पतंग निर्माण का प्रदर्शन तथा पारंपरिक तिल-गुड़ सहित लोकस्वाद के फूड स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

गुरुकुल केंद्र में बच्चों ने मनाया मकर संक्रांति उत्सव

जागरण, भोपाल। अर्श वुमेन एंड एनवायरमेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा रविवार को मकर संक्रांति के अवसर पर संस्था द्वारा संचालित गुरुकुल केंद्र में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र के बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ स्वयं अपने हाथों से रंग-बिरंगी पतंगें बनाईं और पारंपरिक पर्व का आनंद लिया। संस्था की अध्यक्ष महिमा द्विवेदी की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भारतीय परंपराओं से जोड़ना तथा उनकी रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना रहा। बच्चों ने पतंग निर्माण के साथ-साथ उत्सव की सांस्कृतिक भावना को भी आत्मसात किया।

संभावना में लोकनृत्य-लोकसंगीत की रंगारंग प्रस्तुति

चिटकोरा की थाप पर थिरकीं जनजातीय परंपराएं

अहिराई नृत्य

जबलपुर से आए अनरकांत चौधरी एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत अहिराई नृत्य अहीर समुदाय का पुरुष प्रधान लोकनृत्य है। दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के अवसर पर किए जाने वाले इस नृत्य में कलाकार दोहों और कहावतों की टेर के साथ पद संचालन करते हुए नृत्य की शुरुआत करते हैं, जो वीरता और परंपरा का प्रतीक है।

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय परिसर में प्रत्येक रविवार दोपहर 02 बजे से नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित संभावना गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमें निलेश पटेल एवं साथी, बुरहानपुर द्वारा गदली / थापटी नृत्य, अनरकांत चौधरी एवं साती, जबलपुर द्वारा अहिराई नृत्य एवं मथुरा प्रसाद प्रजापति एवं साथी, छतरपुर द्वारा बुन्देली गायन में गणेश वंदना, बुन्देली भजन, भोपाल की महिमा आधारित गीतों के साथ अन्य गीतों की प्रस्तुति दी गई।

गदली / थापटी नृत्य

बुरहानपुर से आए निलेश पटेल एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत गदली नृत्य कोरकू समुदाय की स्त्रियों का प्रसिद्ध नृत्य है, जो विवाह जैसे मांगलिक अवसरों पर किया जाता है। वैशाख माह में किया जाने वाला यह स्त्री-प्रधान समूह नृत्य चिटकोरा वाद्य के कारण चिटकोरा नृत्य भी कहलाता है। युवतियां वृत्ताकार रूप में नृत्य करती हैं और झाँझ व चिटकोरा की थाप पर 'थापटी सिरिंज' गीतों का गायन होता है।

विचारों, शब्दों और संवाद के उत्सव बीएलएफ का समापन

जागरण, भोपाल। भारत भवन के सांस्कृतिक परिसर में आयोजित भोपाल लिटरेचर फेस्टिवल (बीएलएफ) का आठवां संस्करण रविवार को विचार, संवेदना और सृजनात्मक संवाद की गूंज के साथ संपन्न हुआ। तीन दिनों तक चले इस 'नॉलेज कुंभ' ने साहित्य, कला, संस्कृति, सिनेमा, राजनीति, इतिहास और समकालीन विमर्श को एक साझा मंच पर लाकर राजधानी को वैचारिक ऊर्जा से भर दिया। अंतिम दिन भी बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी, युवा और बुद्धिजीवी विभिन्न सत्रों में सहभागी बने। समापन अवसर पर फेस्टिवल डायरेक्टर डॉ. राघव चंद्रा ने अगले वर्ष फिर मिलने का वादा करते हुए आयोजन के समापन की घोषणा की। समापन संध्या पर 'दास्तां शंकर स्त्रोत' की प्रस्तुति ने दर्शकों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभूति से भर दिया।

'ओरछा कलम' का लोकार्पण

कला, इतिहास और विरासत को समर्पित एक महत्वपूर्ण सत्र के तहत पुस्तक 'ओरछा कलम' का लोकार्पण किया गया। यह पुस्तक मध्यप्रदेश कैडर के 1977 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी डॉ. विश्वपति त्रिवेदी और उनकी पत्नी मोना त्रिवेदी द्वारा तैयार की गई है। पुस्तक में ओरछा की दीवार चित्रकला से जुड़ी चालीस वर्षों पुरानी दुर्लभ तस्वीरों को संजोकर एक सजीव दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

'आमीन से आसान तकः आलोक'

अंतरंग ऑडिटोरियम में आयोजित इस भावनात्मक लिरिकल सत्र में प्रख्यात कवि आलोक श्रीवास्तव ने कविता और ग़ज़ल के माध्यम से शब्दों को संवेदना और संगीत में पिरो दिया। सत्र की संचालक मंजू मेहता रहीं। आलोक श्रीवास्तव की रचनाओं ने श्रोताओं के मन को छूते हुए सभागार को आत्मीयता और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। यह सत्र कविता की सहज सुंदरता और मानवीय भावनाओं का जीवंत उत्सव बन गया।

अनहेल्दी व्यक्ति को बच्चा पैदा करने का अधिकार नहीं: डॉ. शिव कुमार सरीन

स्वास्थ्य और समाज पर केंद्रित इस सत्र में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. शिव कुमार सरीन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा, सामान्य शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने आनुवंशिक बीमारियों, जीवनशैली और आने वाली पीढ़ियों पर इसके प्रभाव पर गंभीर चिंता जताई। यह सत्र स्वास्थ्य को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखने की सोच को मजबूती देता नजर आया।

आगम स्टूडियो द्वारा 'हैंडमेड बाजार' का आयोजन

जागरण, भोपाल। शहर के नवोदित 'आगम स्टूडियो' द्वारा रचनात्मकता को साझा मंच देने के उद्देश्य से 'हैंडमेड बाजार' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मेजबानी स्टूडियो के संस्थापक स्वप्निल और हर्षिता ने की। मूल रूप से सेरामिक आर्ट पर केंद्रित इस स्टूडियो ने विभिन्न क्रिएटिव कलाकारों को एक साझा स्पेस देने के सोच के तहत हैंडमेड बाजार आयोजित किया। जिसमें अलग-अलग कलात्मक विधाओं से जुड़े कलाकारों ने अपनी रचनाएं प्रदर्शित कीं। कार्यक्रम में क्रोशे कलाकार निविदेता, कैंडल मेकिंग आर्टिस्ट निधिका और जर्नल मेकिंग आर्टिस्ट आस्था ने अपनी हस्तनिर्मित कृतियों के माध्यम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान हस्तशिल्प प्रेमियों ने कलाकारों से सीधे संवाद कर उनकी कला प्रक्रिया को भी समझा। आयोजकों के अनुसार, हैंडमेड बाजार का उद्देश्य स्थानीय और स्वतंत्र कलाकारों को पहचान दिलाना और रचनात्मक समुदाय को आपस में जोड़ना रहा।

मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट 2026

भोपाल में इनोवेशन की पिच, भविष्य की उड़ान

जागरण, भोपाल। स्टार्टअप्स सिर्फ बिजनेस नहीं, समाधान होते हैं-इस सोच को जमीन पर उतारता नजर आया मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट 2026। रविंद्र भवन परिसर में रविवार से शुरू हुए दो दिवसीय शिखर सम्मेलन ने देशभर से आए नवाचारकर्ताओं, निवेशकों और नीति-निर्माताओं को एक मंच पर ला दिया। पहले दिन समिट का फोकस ज्ञान-साझाकरण, नेटवर्किंग और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने पर रहा। जिसमें इन्क्यूबेटर सस्टेनेबिलिटी पर मास्टर क्लास, एग्री एफपीओ और वैल्यू चेन परिवर्तन जैसे विषयों पर पैनल चर्चाएं भी हुईं। स्टार्टअप पिचिंग के माध्यम से नवाचार और निवेश के बीच सेतु बनता नजर आया।

ड्रॉप जोन : महिलाओं के होम बिजनेस को मिल रहा सपोर्ट

स्टार्टअप पिचिंग सत्र में ड्रॉप जोन के को-फाउंडर अनुज भटनागर ने अपने स्टार्टअप का विजन साझा किया। उन्होंने बताया कि ड्रॉप जोन एक भोपाल आधारित डिलीवरी सर्विस है, जो खासतौर पर होम बिजनेस के लिए होम डिलीवरी सेवाएं प्रदान करती है। अनुज के अनुसार, ड्रॉप जोन के 70 से 80 प्रतिशत ग्राहक महिला उद्यमी हैं, जिनके पास अपने उत्पादों की डिलीवरी के पर्याप्त संसाधन नहीं होते। ड्रॉप जोन उनके उत्पादों को पूरे भोपाल में ग्राहकों तक पहुंचाने का काम कर रहा है।

फिक्स पॉइंट टेक्नोलॉजी: हर गाड़ी बनेगी स्मार्ट

वहीं, फिक्स पॉइंट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर मोहित शर्मा ने बताया कि उनकी भोपाल स्थित कंपनी डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप है। कंपनी दुनिया का पहला ऐसा डिवाइस विकसित कर रही है, जो किसी भी सामान्य गाड़ी को स्मार्ट गाड़ी में बदल सकता है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश स्टार्टअप सेंटर, आईआईटी रुड़की सहित कई इन्क्यूबेटर्स से उन्हें निरंतर सहयोग मिल रहा है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

एजेंसी और सरकारों के बीच टकराव उचित नहीं

कोलकाता में ईडी और सीएम ममता बनर्जी के बीच टकराव के हालात आखिर क्यों पैदा हुए? केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा जहां जांच एजेंसी की इस कार्रवाई को कानून के दायरे में बता रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि यह सब राजनीति से प्रेरित है। देश में इस तरह के टकराव से बचने के रास्ते तलाशने होंगे।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई में निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से यह जांच एजेंसी विपक्षी दलों के निशाने पर है। सर्वोच्च अदालत भी ईडी की कार्यप्रणाली पर असंतोष जाहिर कर चुकी है। मगर गुरुवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जो घटना हुई, उसमें न केवल ईडी, बल्कि राज्य सरकार भी सवालों के घेरे में है।

केंद्रीय एजेंसी की ओर से एक राजनीतिक परामर्श फर्म के दफ्तर पर छापे के दौरान खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का वहां पहुंचकर हस्तक्षेप करना निस्संदेह कई सवाल खड़े करता है। हालांकि भी सभी जानते हैं कि ऐसा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही कर सकती हैं। अतीत की कई घटनाएं उनकी हरकतों और राजनीति की साक्षी रही हैं। स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भारत में कदाचित यह पहली बार हुआ है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी प्रमुख केंद्रीय जांच एजेंसी छापा मारे और वहां की मुख्यमंत्री महत्वपूर्ण फाइलें, दस्तावेज और अन्य साक्ष्य उठा कर चल दे। यह कानूनी अपराध भी है और ममता इसे भली-भांति जानती भी हैं। आखिर ममता बनर्जी की उस हरी फाइल में क्या सूचनाएं, रहस्य, ब्यौरे बंद थे कि उस फाइल को कब्जाने, मुख्यमंत्री होने के बावजूद, वह प्रतीक जैन के घर और दफ्तर तक पहुंच गईं? ममता पहले भी गृहमंत्री को 'दुर्योधन' और 'दुशासन' करार दे चुकी हैं। ममता का बुनियादी आरोप था कि उनकी पार्टी की चुनावी रणनीति, उम्मीदवारों के विवरण, बूथवार रणनीति को लूटने के लिए यह छापेमारी कराई गई है। आखिर ईडी किसी भी पार्टी की राजनीतिक, चुनावी रणनीति जानने को छापे क्यों मारेगा? यह उसका संवैधानिक जनादेश नहीं है।

इस घटना को लेकर ईडी और मुख्यमंत्री के अपने-अपने तर्क हैं, लेकिन इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि आखिर इस तरह की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा जहां जांच एजेंसी की इस कार्रवाई को कानून के दायरे में बता रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि यह सब राजनीति से प्रेरित है।

दरअसल, विपक्षी दल लंबे समय से यह आरोप लगाते रहे हैं कि केंद्र सरकार राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से केंद्रीय जांच एजंसियों का दुरुपयोग करती है। खासकर ईडी की कार्यप्रणाली को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जाते रहे हैं। ऐसे में जांच एजेंसी का भी यह कर्तव्य है कि वह खुद पर लगे आरोपों का विश्लेषण करे और ऐसे हालात पैदा न होने दे कि उसकी किसी कार्रवाई पर सवाल उठे। कोलकाता में छापे के बाद दोनों पक्षों के बीच जिस तरह से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस ने ईडी की इस कार्रवाई के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि ईडी के छापे में पार्टी से जुड़े दस्तावेज के साथ विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की सूची जब्त कर ली गई। मगर, इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि क्या कोई मुख्यमंत्री या मंत्री किसी केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई में इस तरह सीधे हस्तक्षेप कर सकता है? इस तरह के टकराव से बचने के रास्ते तलाशने होंगे।

वैश्विक अस्थिरता

ईरान में अस्थिरता भारत के लिए एक बहुआयामी चुनौती

भारत में महसूस होगी ईरान की आग की तपिश

विनोद पाठक

भारत के हितों की बात करें तो ईरान केवल एक भौगोलिक पड़ोसी या व्यापारिक साझीदार नहीं है, यह हमारे वेस्ट एशिया विजन की धुरी है। यदि ईरान जलता है तो उसकी तपिश भारत तक जरूर आएगी। भारत को न केवल अपने हितों की रक्षा करनी है, बल्कि इस क्षेत्र में स्थिरता के लिए एक उत्तरदायी वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभानी है।

ईरान के 31 में से 27 प्रांतों में जनता सड़कों पर है। सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके करीबियों के पलायन की योजना पर काम करने की खबरें हैं। सोशल मीडिया ईरान में एक बार फिर जनविद्रोह की खबरों से भरा पड़ा है। दरअसल, नववर्ष 2026 का सूर्य ईरान के लिए केवल एक नई सुबह लेकर नहीं आया है, बल्कि यह उस इस्लामिक सत्ता के अस्तित्व पर सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न लगा रहा है, जो वर्ष 1979 की क्रांति के बाद से कायम है।

भारत के हितों की बात करें तो ईरान केवल एक भौगोलिक पड़ोसी या व्यापारिक साझीदार नहीं है, यह हमारे वेस्ट एशिया विजन की धुरी है। चाबहार से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक ईरान की हर एक लहर का प्रभाव नई दिल्ली के गलियारों में महसूस किया जा रहा है। ईरान की ढहती मुद्रा और अमेरिका-इजरायल का बढ़ता सामरिक दबाव इस बात का संकेत है कि मध्य-पूर्व में सत्ता का संतुलन एक निर्णायक मोड़ पर है।

ईरान में वर्तमान में जो विद्रोह हम देख रहे हैं, वह रातों-रात पैदा नहीं हुआ है। इसकी जड़ें वर्ष 2022 के 'स्त्री, जीवन, स्वतंत्रता' आंदोलन में हैं, लेकिन इस साल का यह विद्रोह उससे कहीं अधिक व्यापक और घातक है। ईरान की अर्थव्यवस्था वर्तमान में फ्री-फॉल की स्थिति में है। इसी माह ईरानी रियाल का मूल्य गिरकर 1.47 मिलियन प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।

बढ़ती महंगाई और उत्पन्न संकट : जब मुद्रा इतनी तेजी से गिरती है तो वह केवल आर्थिक आंकड़ा नहीं रह जाती, बल्कि एक सामाजिक ज्वालामुखी बन जाती है। 60 प्रतिशत से अधिक की महंगाई ने ईरान के मध्यम वर्ग को खत्म कर दिया है। ईरानी जनता अब मानती है कि उनकी गरीबी का कारण केवल अमेरिकी प्रतिबंध नहीं, बल्कि शासन के भीतर व्याप्त भारी भ्रष्टाचार और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का अर्थव्यवस्था पर एकाधिकार है।

गुरुवार को ईरान में इंटरनेट और संचार ब्लैकआउट शासन की कमजोरी का सबसे बड़ा प्रमाण है। जब कोई सरकार सूचना के मार्ग बंद करती है तो वह डरी हुई होती है। कई अंतरराष्ट्रीय खुफिया रिपोर्ट दावा कर रही हैं कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके करीबियों ने पलायन की योजना पर काम शुरू कर दिया है। खामेनेई की मास्को निकलने की खबरों ने जोर पकड़ा हुआ है।

शासन के भीतर यह भगदड़ इसलिए है, क्योंकि इस बार सुरक्षा बलों (बसीज और पुलिस) के भीतर से भी विद्रोह के स्वर उठ रहे हैं।

ईरान संकट में अमेरिका और इजरायल की भूमिका

ईरान के इस संकट में बाहरी शक्तियों, विशेषकर अमेरिका और इजरायल की भूमिका ने आग में घी डालने का काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वापसी ने वाशिंगटन की नीति को प्रतिबंधों से बदलकर सक्रिय हस्तक्षेप की ओर धकेल दिया है। फिर वेनेजुएला में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक मिसाल पेश की है। ट्रंप ने तेहरान को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उन्होंने अपने नागरिकों पर बल प्रयोग किया तो अमेरिका उनके बचाव में आएगा। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में अमेरिकी बेड़े की बढ़ती मौजूदगी यह संकेत दे रही है कि अमेरिका ईरान के परमाणु ठिकानों या नेतृत्व पर सीधे प्रहार के लिए लॉक्ड एंड लोडेड है।

ईरान में अस्थिरता भारत के लिए एक बहुआयामी चुनौती है। नए साल का संकट भारत को एक पक्ष चुनने या अपनी रणनीति को पूरी तरह बदलने के लिए मजबूर कर सकता है। चाबहार बंदरगाह भारत की मध्य एशिया तक पहुंचने की एकमात्र उम्मीद है, जो पाकिस्तान को दरकिनार करती है।

भारत ने चाबहार में करोड़ों डॉलर का निवेश किया है। यदि ईरान में गृहयुद्ध छिड़ता है या शासन पूरी तरह बदलता है तो इस परियोजना का भविष्य अनिश्चित हो जाएगा। इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, जो मुंबई से मॉस्को तक जाता है, ईरान के माध्यम से गुजरता है। इस मार्ग की सुरक्षा और सुचारुता भारत की व्यापारिक रणनीति के लिए अनिवार्य है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा ओमान की खाड़ी और फारस की खाड़ी से प्राप्त करता है।

दुनिया का 20 प्रतिशत कच्चा तेल होर्मुज स्ट्रेट के संकरे मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो भारत में तेल की कीमतें आसमान छूने लगेंगी। 120-150 डॉलर प्रति बैरल तेल का मतलब है, भारतीय राजकोषीय घाटे का अनियंत्रित होना और आम जनता पर महंगाई का बोझ होगा। यदि ईरान में अस्थिरता पूरे क्षेत्र (खासकर इराक और लेबनान) में फैलती है तो भारत को इतिहास का सबसे बड़ा निकासी अभियान चलाना पड़ सकता है।

भारत को अमेरिका और इजरायल के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि ईरान में शासन बदलता भी है तो वह भारत के हितों के प्रतिकूल न हो। भारत को अपनी छवि शासन के मित्र के बजाय ईरान के लोगों के मित्र के रूप में पेश करनी होगी, ताकि भविष्य में होने वाले किसी भी बदलाव में भारत प्रासंगिक बना रहे। भारत को इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर पर काम तेज करना होगा, ताकि ईरान पर हमारी निर्भरता कम हो सके।

ईरान का वर्तमान संकट केवल एक देश की समस्या नहीं है। यह 20वीं सदी के अंत में बनी इस्लामिक थियोक्रेसी और 21वीं सदी की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के बीच का टकराव है। भारत के लिए यह समय बहुत सावधानी से चलने का है। भारत को अपनी नौसेना को अरब सागर में और अधिक सक्रिय करना होगा। अपने सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व को भरना होगा और अपनी कूटनीति को प्रो-एक्टिव बनाना होगा।

यदि ईरान जलता है तो उसकी तपिश भारत तक जरूर आएगी। भारत को इस क्षेत्र में स्थिरता के लिए वैश्विक शक्ति के रूप में भूमिका निभानी है। ईरान का भविष्य अभी भी कोहरे में है, लेकिन भारत का स्पष्ट मार्ग राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए।

खुला मंच

इस दुनिया के नहीं, ठगों के जाल में फंसने वाले

अक्षय शुक्ला

सायबर ठग खुद को इतनी तेजी से अपडेट कर रहे हैं कि जब तक आप उनकी एक चाल को समझ पाते हैं, तब तक वे आपको लूटने का कोई नया तरीका खोज लेते हैं। हाल ही में भोपाल में एक ही दिन में चार लोगों के साथ लाखों रुपयों की साइबर लूट हो गई। जिसमें डिजिटल अरेस्ट, ट्रैफिक चालान फाइल, पैसे दोगुने करने जैसे बहानों से ठगा गया। इसी तरह पिछले दिनों लाल किला ब्लास्ट के तुरंत बाद इन्होंने आतंकी वारदात में नाम आने का डर दिखाकर ही कई लोगों को ठग लिया। गिरफ्तारी की धमकी देकर इन्होंने कानपुर से फरीदाबाद तक कई लोगों को अच्छी खासी चपत लगा दी। कानपुर में एक परिवार को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट रख 6 लाख रुपये से अधिक रकम, तो फरीदाबाद की फैमिली से करीब 9 लाख रुपये हड़प लिए। कानपुर के ही दो और लोगों को भी इसी तरह झांसे में लेने की कोशिश की गई, पर वे ठगों की चाल समझ गए और फोन काट दिया।

पुलिस कितनी बार विज्ञापन और जागरूकता अभियान के जरिए बता चुकी कि हम कभी भी विडियो कॉल पर अरेस्ट या एफआईआर नहीं करते। उसके बावजूद हर रोज सैकड़ों लोग इनके झांसे में आकर अपनी जीवन भर की पूंजी गंवा दे रहे हैं। ये कैसे लोग हैं, जो दीन दुनिया से इतने बेखबर रहते हैं। अगर आप अखबार नहीं पढ़ते, वाट्सऐप तो जरूर चलाते होंगे, जिस पर कभी न कभी कोई फॉरवर्ड मेसेज आया होगा कि बिजली या गैस कनेक्शन काटने का हवाला देकर या त्योहार पर बंपर डिस्काउंट का ऑफर देकर किसी लिंक पर क्लिक करने का मेसेज आए तो सावधान रहें, ये सायबर ठग हो सकते हैं। तब भी देश भर में लोग इनके जाल में कैसे फंस रहे हैं, समझ नहीं आता। क्या ये लोग अपने घर में भी किसी से बात नहीं करते। इनके जीवन में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं जो बताता हो कि आसपास क्या चल रहा है। लुटने वाले पता नहीं कौन सी दुनिया में रहते हैं।

अब तो बच्चों तक को पता चल जाना चाहिए कि किसी भी तरह की ठगी से कैसे सावधान रहना है। अगर बुजुर्ग कुछ पूछने में झिझकते हैं तो यह हमारी ड्यूटी है कि हम ही उन्हें बताएं कि दुनिया में क्या चल रहा है, किस तरह की सावधानी उन्हें बरतनी चाहिए। कैसे किसी अनजान लिंक को क्लिक न करें। कुछ भी करना हो, एक बार हमसे जरूर पूछ लें। अनजान नंबरों से आए विडियो कॉल उठाएं ही नहीं। किसी को कुछ न बताने की धमकी दे तो डरें नहीं, फोन तुरंत काट दें और घरवालों को सब खुलकर बताएं। ठगों की चालाकी को चतुरता से मात दें कि तू डाल-डाल तो मैं पात-पात।

प्रसंगवश

अहिंसक और शांतिपूर्ण हो विरोध का प्रदर्शन

देश में इन दिनों डिजिटल अफवाहें और पत्थरबाजी का नया 'ट्रेंड' सामने आ रहा है। संभल के बाद अब दिल्ली में वैसा ही खौफनाक मंजर नजर आया है। पुलिस के मुताबिक, अदालत ने रामलीला मैदान इलाके में एक धार्मिक स्थल के निकट स्थित औषधालय सहित कुछ व्यावसायिक ढांचों को अतिक्रमण घोषित किया था और इसे हटाने के लिए दिल्ली नगर निगम के कर्मी पुलिस बल के साथ मौके पर गए थे। अगर कोई व्यक्ति या समूह किसी बात से सहमत नहीं है, तो वह अपना विरोध प्रकट कर सकता है। मगर इसका तरीका कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण और अहिंसक होना चाहिए। भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी है, लेकिन यह अधिकार कानून व्यवस्था को बिगाड़ने की अनुमति नहीं देता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में एक धार्मिक स्थल के निकट बुधवार तड़के अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान पथराव की घटना गंभीर चिंता पैदा करती है, जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। सवाल है कि विरोध प्रदर्शन हिंसक कैसे हो गया? क्या वजह रही कि लोगों ने पुलिस कार्रवाई को रोकने के लिए ईंट-पत्थरों का सहारा लिया? दरअसल, सोशल मीडिया पर फैलाई गई अफवाहों ने इस घटना को हिंसक रूप दे दिया, जिसमें दावा किया गया कि अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान एक धार्मिक स्थल को ध्वस्त किया जा रहा है। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गए और पुलिस बल पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। हालात बिगड़ते देख भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए पुलिस को भी हल्का बल प्रयोग और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

गौरतलब है कि पत्थरबाजी की घटनाएं पहले कश्मीर में आए दिन देखी जाती थी। कई बार तो आतंकियों को बचाने के लिए भी सुरक्षाबलों पर पथराव किया जाता था। यहां तक कि मुठभेड़ के दौरान भी सुरक्षा कर्मियों को रोकने के लिए पत्थरबाजी को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता था। हालांकि, सरकार और प्रशासन की सख्ती से हाल के वर्षों में घाटी में इस तरह की घटनाएं काफी कम हो गई हैं। मगर, विरोध प्रदर्शन के नाम पर इसी तरह के कृत्य अब दूसरे राज्यों में भी देखने को मिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा का प्रकरण भी काफी चर्चा में रहा है, जिसमें पुलिस बल पर जमकर पथराव किया गया था।

अब दिल्ली में इसी तरह की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर भी नए सिरे से बहस जोर पकड़ने लगी है। यह अक्सर देखा गया है कि इस तरह के मामलों में लोगों को एक जगह एकत्रित करने और उन्हें हिंसा के लिए उकसाने में सोशल मीडिया पर अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं का सहारा लिया जाता है। पुलिस के मुताबिक, अदालत ने रामलीला मैदान इलाके में एक धार्मिक स्थल के निकट स्थित औषधालय सहित कुछ व्यावसायिक ढांचों को अतिक्रमण घोषित किया था और इसे हटाने के लिए दिल्ली नगर निगम के कर्मी पुलिस बल के साथ मौके पर गए थे। इसी बीच, सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैला दी गई कि इलाके में स्थित धार्मिक स्थल को ध्वस्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

सवाल है कि जब अदालत ने इन व्यावसायिक ढांचों को अतिक्रमण करार दिया था, तो लोग बिना सोचे-समझे इतने आक्रामक कैसे हो गए? जबकि जिस धार्मिक संरचना को गिराने की अफवाह फैलाई गई, वह पुलिस कार्रवाई का हिस्सा थी ही नहीं। पुलिस अब इस बात की जांच भी कर रही है कि पथराव की यह घटना अचानक हुई या फिर किसी पूर्व नियोजित साजिश के तहत इसे अंजाम दिया गया। यह आशंका इसलिए भी जताई जा रही है, क्योंकि पुलिस कार्रवाई अदालत के फैसले के बाद की गई और अगर स्थानीय लोगों को कोई आपत्ति थी, तो वे समय रहते ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटा सकते थे। इस घटना में जो भी दोषी हैं, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय युवा दिवस

युवाओं की सोई हुई शक्ति को जगाने वाले युगद्रष्टा थे स्वामी विवेकानंद

युवाओं ने ही हमेशा से थामी है परिवर्तन की मशाल

अनुज आचार्य

स्वामी विवेकानंद का युवाओं को स्पष्ट संदेश था कि, उन्हें निडर, आत्मविश्वासी और साहसी बनने, हर काम पूरी एकाग्रता लगाकर करने, समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करने और अपने अंदर की दिव्य शक्ति को पहचान कर देश के उत्थान के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए आगे आना चाहिए, ताकि वे श्रेष्ठ भारत का निर्माण कर सकें।भारत अपने युवाओं की ऊर्जा, सपनों और शक्ति का उत्सव राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में प्रत्येक वर्ष मनाता है। इस दिन को स्वामी विवेकानंद की जयंती की स्मृति में मनाया जाता है, जो हमें याद दिलाता है कि भारत का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में सुरक्षित है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब राष्ट्र ने करवट बदली, युवाओं ने ही परिवर्तन की मशाल थामी है। विवेकानंद केवल एक संत या दार्शनिक नहीं थे, वे युवाओं के भीतर सोई हुई शक्ति को जगाने वाले युगद्रष्टा थे। उन्होंने भारत को आत्मविश्वास, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता का मंत्र दिया था। स्वामी विवेकानंद ने पूरे भारतवर्ष का भ्रमण कर देश की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थितियों को गहराई से समझा। 1893 में शिकागो धर्म संसद में उनका ओजस्वी उद्बोधन भारत की आध्यात्मिक शक्ति का वैश्विक उद्घोष था। वे वेद, उपनिषद, पुराण, दर्शन और साहित्य के गहन ज्ञाता थे, किंतु उनकी दृष्टि केवल अध्यात्म तक सीमित नहीं थी। वे चरित्र निर्माण, कर्मयोग और राष्ट्र सेवा को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य मानते थे। उनका स्पष्ट मत था कि यदि भारत को जागृत करना है तो उसकी युवा शक्ति पर भरोसा करना होगा। विवेकानंद चाहते थे कि युवा अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें, आत्मकेंद्रित जीवन से ऊपर उठें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उनकी यह आकांक्षा आज राष्ट्रीय युवा दिवस की भावना में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य बीते सौ वर्षों में अभूतपूर्व रूप से बदल चुका है। विज्ञान और तकनीक के तीव्र विकास ने जीवनशैली, कार्य संस्कृति और सोच के ढांचे को बदल दिया है। शिक्षा का विस्तार हुआ है, अवसरों के नए द्वार खुले हैं, परंतु इसके साथ-साथ चुनौतियां भी बढ़ी हैं। आज का युवा एक ओर वैश्विक सपनों से जुड़ा है तो दूसरी ओर बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा और असुरक्षा से जूझ रहा है। बीते दो-तीन दशकों में आर्थिक बदलावों, ब्रांड संस्कृति और उपभोक्तावाद ने युवा मन को गहराई से प्रभावित किया है। मध्यमवर्गीय युवा आज ऊंची आकांक्षाओं और सीमित संसाधनों के द्वंद्व में फंसा है। बड़े शहरों की चकाचौंध, मॉल संस्कृति और आकर्षक पैकेज उसे लुभाते हैं, वहीं पारिवारिक अपेक्षाओं का बोझ भी उसे दबाता है। शिक्षा प्राप्त कर लेने के बाद भी जब रोजगार नहीं मिलता, तो निराशा, कुंठा और हताशा जन्म लेती है। समय पर मंजिल न मिलने से युवा मानसिक तनाव का शिकार हो रहा है। प्रश्न यह है कि इस पीड़ा को समझने और उसका समाधान खोजने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? आज आवश्यकता है कि हम अपने युवाओं को आध्यात्मिक, सामाजिक, शारीरिक और बौद्धिक रूप से मजबूत बनाएं। शिक्षा व्यवस्था की असमानताएं भी युवाओं की चिंता का बड़ा कारण हैं। एक ही राष्ट्र में अनेक शिक्षा प्रणालियां, शिक्षकों की कमी, गुणवत्ता का अभाव और डिग्री के बावजूद बेरोजगारी, ये सभी स्थितियां युवाओं को भीतर से तोड़ती हैं। निजी और सरकारी क्षेत्र में योग्यता के अनुरूप वेतन न मिलना युवा शक्ति का शोषण है। भारत एक युवा देश है और यहां लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और यही सबसे बड़ी चुनौती भी। वर्ष 2014 में राष्ट्रीय युवा नीति के अंतर्गत युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी क्षमताओं के अनुरूप अवसर देने की परिकल्पना की गई थी। किंतु वास्तविकता यह है कि आज भी करोड़ों युवा बेरोजगार हैं।

शिक्षा के अनुपात में रोजगार सृजन नहीं हो पा रहा है। ऐसे में यदि समय रहते सार्थक हस्तक्षेप न हुआ, तो भटके हुए युवा अपराध और नशे की ओर भी जा सकते हैं। विभिन्न सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि आज का युवा अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित और अपनेपन की कमी महसूस करता है। वह व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। उसे लगता है कि राजनीति, नौकरशाही, उद्योग और अपराध के गठजोड़ से राष्ट्रीय हित प्रभावित हो रहे हैं। यह असंतोष चेतावनी भी है और अवसर भी, चेतावनी इसलिए कि अनसुना किया गया युवा विद्रोही बन सकता है और अवसर इसलिए कि यदि उसकी ऊर्जा को सही दिशा दी जाए तो वह राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। स्वामी विवेकानंद ने एक शताब्दी पूर्व ही चेताया था कि भौतिक प्रगति की अंधी दौड़ में पारिवारिक और सामाजिक मूल्य क्षीण हो रहे हैं। 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत', उनका यह आह्वान आज भी उतना ही सामयिक है। उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत, यह मंत्र आज के युवाओं को आत्मविश्वास और धैर्य देता है। आवश्यकता है कि नीति निर्माता और सरकारें युवा मन को समझें, उसकी भागीदारी सुनिश्चित करें और उन्हें नेतृत्व के अवसर दें।

दूरदर्शी, ईमानदार और ऊर्जावान युवाओं को राजनीति और निर्णय प्रक्रिया में स्थान मिलेगा, तभी सशक्त भारत का निर्माण संभव होगा। राष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। स्वामी विवेकानंद की जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि राष्ट्र का भविष्य युवाओं के चरित्र, चिंतन और कर्म पर निर्भर करता है। स्वामी विवेकानंद का युवाओं को स्पष्ट संदेश था कि, उन्हें निडर, आत्मविश्वासी और साहसी बनने, हर काम पूरी एकाग्रता लगाकर करने, समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करने और अपने अंदर की दिव्य शक्ति को पहचान कर देश के उत्थान के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए आगे आना चाहिए, ताकि वे 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का निर्माण कर सकें और मानवता की सेवा कर सकें।

जीवन दर्शन

सफलता की शुरुआत सपनों से होती है

हसफलता का सार यही है कि बड़े सपने देखें, ईमानदार प्रयास करें, अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाएं, सीखने की भूख कभी मरने न दें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

सफलता कोई अचानक घटने वाली घटना नहीं होती। यह एक लंबी, धैर्यपूर्ण और अनुशासित यात्रा है, जो सपनों से शुरू होकर संकल्प और कर्म के रास्ते आगे बढ़ती है। सफलता की शुरुआत उस कल्पना से होती है, जो व्यक्ति को आराम से बैठने नहीं देती, जो मन में एक बेचैनी पैदा करती है-कुछ कर दिखाने की, कुछ बदल देने की। ऐसे सपने ही इन्सान को हर सुबह नए उत्साह के साथ उठने की शक्ति देते हैं तथा हर दिन और बेहतर बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

जब लक्ष्य स्पष्ट होता है, तब रास्ते की कठिनाइयां बोझ नहीं लगतीं, बल्कि वे सीख का माध्यम बन जाती हैं। सफलता का पहला और सबसे मजबूत स्तंभ है बड़ा सपना देखना-ऐसा सपना, जो केवल इच्छा बनकर न रह जाए, बल्कि कर्म में बदल जाए। सपना तभी सार्थक होता है, जब वह व्यक्ति को सोने न दे, जब वह मन और मस्तिष्क, दोनों को लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे। बड़े सपने साधारण सोच की सीमाओं को तोड़ देते हैं और असाधारण प्रयास की अपेक्षा करते हैं।

सफलता का दूसरा स्तंभ है मेहनत और अनुशासन। प्रतिभा एक बीज की तरह होती है, लेकिन बिना परिश्रम व अनुशासन के वह कभी फल नहीं देती। नियमित अभ्यास, समय का सम्मान और स्वयं के प्रति ईमानदारी-यही वह आधार है, जिस पर महान उपलब्धियां खड़ी होती हैं। रास्ते में असफलताएं आएंगी, यह तय है। लेकिन वे अंत नहीं होतीं; बल्कि वे तो सफलता की प्रयोगशाला होती हैं। कामयाबी का तीसरा स्तंभ है लगातार सीखने की आदत। ज्ञान, तकनीक और सोच-सब कुछ हर दिन नया रूप ले रहा है। इसलिए, सफल व्यक्ति वही होता है, जो जिज्ञासु बना रहता है- जो सवाल पूछता है, प्रयोग करने से नहीं डरता और अपने ज्ञान को समय के साथ लगातार अपडेट करता है। सफलता का चौथा स्तंभ है चरित्र और मूल्य। बिना नैतिकता के प्राप्त सफलता टिकाऊ नहीं होती। सच्ची उपलब्धि वही होती है, जो आत्मा को शांति दे और समाज के लिए उपयोगी हो। जब ईमानदारी, करुणा और जिम्मेदारी के साथ प्रयास किया जाता है, तब सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रह जाती, बल्कि वह समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है।

पांचवां और अंतिम स्तंभ है टीमवर्क और नेतृत्व। कोई भी महान उपलब्धि अकेले संभव नहीं हुई है। नेतृत्व का अर्थ आदेश देना नहीं, बल्कि उदाहरण बनना है। एक सच्चा लीडर वही है, जो अपनी टीम में विश्वास जगाए, असफलता की जिम्मेदारी खुद ले और सफलता का श्रेय सबके साथ साझा करे। सफलता का सार यही है कि बड़े सपने देखें, ईमानदार प्रयास करें, अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाएं, सीखने की भूख कभी मरने न दें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

जीवन में सफलता कोई संयोग नहीं, बल्कि सपनों, संकल्प और सतत परिश्रम का परिणाम है। बड़ा सपना वही है, जो आपको चैन से बैठने न दे और हर दिन बेहतर बनने की बेचैनी पैदा करे। लक्ष्य स्पष्ट हों, तो कठिनाइयां भी शिक्षक बन जाती हैं। मेहनत और अनुशासन प्रतिभा को शक्ति देते हैं, जबकि असफलताएं हमें सही दिशा दिखाती हैं।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

॥ गीता ज्ञान ॥

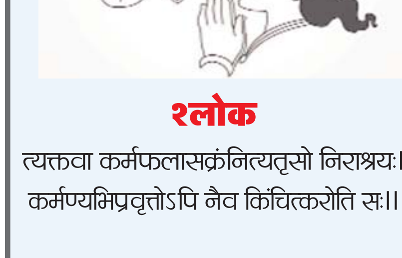

श्लोक

त्यक्तवा कर्मफलासक्रंनित्यतृप्तो निराश्रयः।
कर्मण्यभिप्रवृत्तोऽपि नैव किंचित्करोति सः।।

भावार्थ

जो पुरुष समस्त कर्मों में और उनके फल में आसक्ति का सर्वथा त्याग करके संसार के आश्रय से रहित हो गया है और परमात्मा में नित्य तृप्त है, वह कर्मों में भली भांति बरतता हुआ भी वास्तव में कुछ भी नहीं करता।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

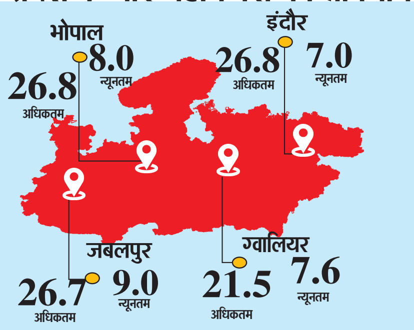

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	18.8	4.8
मुंबई	31.8	16.0
चेन्नई	32.4	17.8
कोलकाता	23.9	15.0

सूर्यास्त 5:42 PM
सूर्योदय 7:04 AM
चन्द्रोदय 12:30 AM
चन्द्रास्त 12:30 PM

चाइनीज मांझे ने फिर ले ली जान, चार घंटे में तीन के गले काटे, डीपी में लगी आग

नीट स्टूडेंट की सर्जरी से बची जान, दूसरा युवक भी गंभीर

जागरण, इंदौर। प्रतिबंधित चाइनीज मांझे ने मकर संक्रांति के पहले फिर कहर बरपा दिया। जब महज चार घंटे में तीन लोगों के गले काट डाले। इंदौर में टाईल्स लगाने का काम करने वाले बाइक सवार युवक के गले में आकर मांझा चिपक गया। तेज धार से गला कटने पर लहूलुहान युवक को लोग अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जबकि दो अन्य स्थानों पर चाइनीज मांझे से घायल हुए युवकों की सर्जरी के बाद जान बचाई जा सकी।

जिला प्रशासन ने चाइनीज मांझे पर रोक लगा रखी है। इसकी बिक्री के साथ ही कई जिलों में उपयोग पर भी पाबंदी है। मगर हर शहर में बेधड़क बिक रहा है। इसका ही परिणाम है कि रविवार को इंदौर में चार घंटे में तीन युवक इसके शिकार हो गए। पहले मामला शकुंतला अस्पताल के पास हुआ तो सपना-संगीत रोड पर दूसरा और एयरपोर्ट के करीब तीसरे युवक का गला कटा। बताया जाता है कि खजराना ब्रिज पर रविवार शाम रघुवीर धाकड़ निवासी बिचौली मर्दाना स्थित ओम साई विहार कॉलोनी अपनी बाइक से आ रहे थे। वह टाइल्स के काम की ठेकेदारी करता था। साइट से घर लौटते वक्त शकुंतला अस्पताल के पास चाइनीज मांजे की चपेट में आ गया। राहगीरों ने उसके मोबाइल से परिवार को सूचना दी। मगर इलाज के दौरान रघुवीर की मौत हो गई।

जान बचाने करना पड़ी सर्जरी : वहीं सपना-संगीता मार्ग शाम को ही नरेंद्र जामोद का चाइनीज मांझे से गला कट गया। वह अपने दोस्त अनिल चौहान के साथ बाइक से घर की ओर आ रहा था। अनिल उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। मूल रूप से धार जिले के देहरी के पास का रहने वाला नरेंद्र इंदौर में रहकर नीट एग्जाम की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा एरोड्रम थाना इलाके में एयरपोर्ट के सामने की है। यहां आशीष रघुवंशी निवासी स्कीम नंबर 51 का भी बाइक पर जाते समय चाइना मांझे से गला कट गया। उसे उपचार के लिए 60 फीट रोड के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छिंदवाड़ाः बच्चे को आए 43 टांके : चाइनीज मांझे से रविवार को छिंदवाड़ा में भी एक बच्चा बुरी तरह घायल हो गया। रविवार को घर के बाहर खेलने के दौरान 9 वर्षीय अथर्व कराड़े चाइनीज मांझे की चपेट में आया। परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसके कान में 43 टांके लगाए। अथर्व को फिलहाल निगरानी में रखा गया है।

मंदसौरः चाइनीज मांझे ने किया शॉर्ट सर्किट, डीपी में लगी आग

शहर के प्रतापगढ़ रोड स्थित खानपुरा क्षेत्र में स्कूल के सामने डिवाइडर पर लगे बिजली के डीपी बॉक्स में रविवार शाम अचानक आग लग गई। आग लगते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद सूचना मिलने पर फायर फाइटर मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। विद्युत कंपनी के अनुसार यह हादसा पतंग की चाइनीज मांझा तारों में उलझने के कारण हुआ। डोर के कारण तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसका प्रभाव फ्यूज पर पड़ा, फ्यूज जलकर केबल बॉक्स पर गिर गया, जिससे आग लग गई। आग लगने से पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। करीब दो घंटे तक क्षेत्र के लोग परेशान रहे। करीब दो घंटे बाद आग बुझने पर कंपनी द्वारा फ्यूज बदलकर विद्युत आपूर्ति को दोबारा चालू की गई।

आत्मदाह करने वाली महिला ने अस्पताल में तोड़ा दम

जागरण, खातेगांव। जिले के सतवास नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में आत्मदाह करने वाली महिला ने 18 दिन बाद उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं महिला के पति को एक दिन पहले निजी हॉस्पिटल इंदौर से डिस्चार्ज कर दिया गया है। दरअसल नाली पर हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई के दौरान महिला जयश्री व्यास ने खुद पर पेट्रोल डाल एवं आग लगाकर विरोध जताया था। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए इंदौर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना 24 दिसंबर की थी, जब सतवास नगर में नगर परिषद और राजस्व विभाग की टीम सार्वजनिक नाली से अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान विरोध स्वरूप दंपती संतोष और जयश्री व्यास ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली थी।

जांच के लिए समिति गठितः मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन पहले ही तहसीलदार और नगर परिषद के सीएमओ को सस्पेंड कर चुका है। पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए समिति का गठन भी किया गया है। जयश्री के पति को एक दिन पहले ही निजी हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया था। घटना के बाद नगर में स्थिति बिगड़ने के पहले आसपास के थानों के बल को तैनात किया गया है।

छिंदवाड़ा में लावारिस मिठाई खाने से पीएचई के गार्ड की मौत, 2 गंभीर

जागरण, छिंदवाड़ा। जिले में फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया है। पीएचई विभाग के समीप स्थित होटल में मिठाई खाने से पीएचई विभाग के एक गार्ड की मौत हो गई, जबकि मिठाई खाने वाले दो अन्य लोगों की हालत गंभीर है। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जुन्नारदेव पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामे की कार्रवाई की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मामले की जांच कर रही है। जुन्नारदेव थाना पुलिस के अनुसार, होटल में किसी ने मिठाई से भरी एक थैली छोड़ दी। काफी देर तक जब कोई थैली लेने नहीं आया तो होटल में मौजूद लोगों ने उस थैली से मिठाई निकालकर खा ली। तीन से चार लोगों ने वह मिठाई खाई थी। उसे खाने के कुछ ही समय बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार दोपहर 12 बजे पीएचई विभाग के गार्ड की इलाज के दौरान मौत हो गई। अन्य दो पीड़ितों का इलाज अभी चल रहा है। बीमार परिवार के मुखिया मुकेश कचोरिया ने बताया कि मिठाई होटल तक कैसे पहुंची इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दे दी गई है।

टीकाकरण के छह घंटे बाद तीन माह की बच्ची की मौत, डॉक्टरों पर आरोप

परिजन बोले- इंजेक्शन लगाते ही बिगड़ी बच्ची की तबीयत

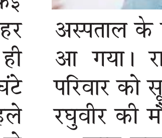

जागरण, शहडोल। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत कल्हारी के ग्राम सूखा में तीन माह दस दिन की मासूम बच्ची प्रियांशी पाल की मौत के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। परिजनों का आरोप है कि आंगनबाड़ी केंद्र सूखा में टीकाकरण के दौरान लापरवाही से बच्ची की जान गई। जानकारी के अनुसार सुनील कुमार पाल की पुत्री प्रियांशी को 9 जनवरी को सुखा आंगनबाड़ी केंद्र में टीका लगाया गया था। परिजनों का कहना है कि बच्ची को एक साथ दो टीके लगाए गए और तीन डोज दवा पिलाई गई, जिसके कुछ ही घंटों बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। रात में बच्ची लगातार रोती रही। मां ने उसे दूध पिलाया, लेकिन रात तीन बजे जब माता-पिता जागे तो बच्ची में कोई हलचल नहीं थी और उसकी सांसें थम चुकी थीं।

थाने में शिकायत दर्ज : इसके बाद परिजनों ने ब्यौहारी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

पिता का बयान : रविवार को घटना को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। परिजनों का आरोप है कि एएनएम द्वारा गलत तरीके से टीकाकरण किया गया, जिससे बच्ची की हालत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। पिता सुनील पाल ने बयान में स्पष्ट कहा है कि टीका लगने के बाद ही बच्ची की तबीयत खराब हुई थी।

टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षितः वहीं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील स्थापक ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है और टीका लगने से किसी बच्चे की मौत संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि उसी केंद्र में अन्य बच्चों को भी टीके लगाए गए थे, जो पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्होंने आशंका जताई कि संभव है दूध पिलाने के बाद डकार न दिलाने से बच्ची को समस्या हुई हो। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

मां बनने का सपना टूटा, गर्भ में बच्चे की मौत

तीन दिन तक कोख में बच्चे की लाश लेकर भटकती रही महिला, डॉक्टर और नर्सों की लापरवाही

जागरण, शाजापुर। जिला अस्पताल का मातृ-शिशु केंद्र अब जीवन देने वाला नहीं, बल्कि मौत का गलियारा बन चुका है। यहां डॉक्टरों की संवेदनहीनता ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी हैं। यही कारण है कि एक बेबस मां, जिसके गर्भ में तीन दिन पहले ही उसका बच्चा दम तोड़ चुका था, वह अस्पताल की चौखट पर इलाज के लिए गिड़गिड़ाती रही, लेकिन अस्पताल के जिम्मेदारों को उसकी तड़प सुनाई नहीं दी।

जहर फैलने का इंतजार करते रहे जिम्मेदार!

दरअसल जिला अस्पताल की महिला डॉक्टर की लापरवाही से शाजापुर निवासी महिला के लिए पहली प्रेग्नेंसी का अनुभव किसी खौफनाक मंजर जैसा बन गया। तीन दिन पहले ही उसके गर्भ में बच्चे ने दम तोड़ दिया था। कायदे से यह एक बेहद गंभीर मेडिकल इमरजेंसी थी, लेकिन अस्पताल के मठाधीशों को महिला की तड़प और परिजनों की सिसकियां सुनाई नहीं दीं। डॉक्टर इलाज करने के बजाय फाइलों में उलझे रहे और आपस में मुस्कुराते रहे। जब शनिवार को जिला अस्पताल की महिला डॉक्टर और नर्सों की लापरवाही ने सारी हदें पार कर दीं, संक्रमण की वजह से महिला का शरीर नीला पड़ने लगा और उसकी जान पर बन आई तब मजबूर परिजनों ने महिला की जान बचाने के लिए भारी मन से उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां के डॉक्टरों ने तुरंत ही इलाज शुरू कर महिला के पेट से मृत लड़की को बाहर निकाला।

सामने आई सिविल सर्जन की लापरवाही

इस पूरे कांड के सबसे बड़े लापरवाह तो सिविल सर्जन बीएस मैना हैं। परिजनों ने अपनी आंखों में आंसू लेकर उनसे मदद मांगी थी, लेकिन साहब ने अपनी कुर्सी की गरिमा को ताक पर रख दिया। न डॉक्टरों को आदेश दिया, न नर्सों को फटकार लगाई। ऐसा लगता है जैसे पूरे अस्पताल में लापरवाही का सिंडिकेट चल रहा है, जिसे सिविल सर्जन का मूक समर्थन हासिल है।

एमटी-6 बाघिन की दस्तक से थमा मझेरा गांव

जागरण, शिवपुरी। माधव टाइगर रिजर्व की एमटी-6 बाघिन इन दिनों जंगल नहीं, बल्कि गांवों की सरहद पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही है। सुरवाया थाना क्षेत्र के मझेरा गांव में रविवार को बाघिन के अचानक पहुंचने से ऐसा सन्नाटा पसरा, मानो समय ही ठहर गया हो। खेतों में काम कर रहे लोग जान बचाने को भागे, घरों के दरवाजे बंद हुए और कई ग्रामीण डर के मारे छतों पर चढ़ गए। जंगल की शांति छोड़ रिहायशी इलाके में उतरी बाघिन ने गांव में एक गाय के बछड़े का शिकार किया। यह दृश्य जिसने भी देखा, उसके रोंगटे खड़े हो गए। बाघिन की मौजूदगी का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में दहशत और बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अब सुबह खेत जाना और शाम को घर लौटना भी खतरे से खाली नहीं रहा। बताया जा रहा है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लाई गई यह बाघिन शुरू से ही मानव बस्तियों की ओर आकर्षित रही है। माधव नेशनल पार्क में छोड़े जाने के चार दिन बाद ही इसने डोंगर गांव में एक ग्रामीण पर हमला कर दिया था। इसके बाद सरदारपुरा, खुटेला और अब मझेरा तक इसकी आमद ने पूरे क्षेत्र को चौकन्ना कर दिया है। खेतों में मवेशियों का शिकार कर चुकी यह बाघिन ग्रामीणों के लिए लगातार खतरे की घंटी बनी हुई है। गांव वालों का कहना है कि रात ढलते ही गांव में सन्नाटा पसर जाता है। बच्चे घरों में कैद हैं, महिलाएं भय के साये में और पुरुष पहरा देने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि बाघिन की निगरानी के लिए विशेष टीम, गांवों के आसपास गश्ती दल और जरूरत पड़ने पर रेस्क्यू या शिफ्टिंग जैसे ठोस कदम तुरंत उठाए जाएं।

हम दोनों की शादी कराओ, जब बात नहीं बनी तो खाया जहर

दमोह। मध्यप्रदेश के दमोह जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। कुम्हारी थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के मामले में लड़का-लड़की ने जहर खा लिया। लड़के की मौत हो गई। वहीं, नाबालिग लड़की को गंभीर हालत में जबलपुर रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों अलग-अलग से वर्ग से हैं। हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

लड़के की मौत, लड़की जबलपुर रेफर, जंगल में बैठे थे दोनों

बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह नौ बजे कुम्हारी थाना क्षेत्र की पन्ना जिले की बॉर्डर पर स्थित गुदरी टेक पर एक लड़का-लड़की को संदिग्ध परिस्थिति में वन विभाग के कर्मचारियों ने बरामद किया था। साथ ही दोनों को पुलिस थाने कुम्हारी लेकर पहुंचे थे। दोनों गुमशुम हालात में थे। थाने पहुंचने पर पुलिस ने दोनों के परिजनों को जानकारी दी।

इस दौरान दोनों की हालत बिगडने़ लगी। तब पता चला कि दोनों ने कुछ जहरीला पदार्थ खाया है। इसके बाद दोनों को गंभीर हाल में पुलिस द्वारा ही जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने लड़के को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि लड़की हालत गंभीर होने पर जबलपुर रेफर किया गया है।

थाना प्रभारी कुम्हारी बृजेश पांडे ने बताया कि दोनों ने पहले से कुछ खाया हुआ था। वन कर्मियों के अनुसार ये जीने-मरने की बातें कर रहे थे। ऐसे में दोनों को थाने पहुंचाया था। परिजनों के अनुसार उन्हें कुछ भी जानकारी नहीं थी, लेकिन प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग का नजर आ रहा है। जांच के बाद ही पूरे प्रकरण का मुख्य कारण सामने आएगा।

अवैध डोडा-चूरा पकड़ने गई पुलिस पर पथराव, बीजेपी पार्षद पकड़ाया

जागरण, रतलाम। अवैध डोडा-चूरा की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर आधा दर्जन से अधिक लोगों ने पथराव कर दिया। ट्रैक्टर-ट्राली छुड़ाने के लिए पथराव के दौरान ट्रैक्टर-ट्राली पलट गई। इसमें एक आरक्षक का पैर फैक्चर हो गया। कई पुलिस कर्मियों को चोटें आई हैं। पुलिस ने पथराव एवं जब्त ट्रैक्टर-ट्राली छुड़ाने की कोशिश करने वालों को मौके से गिरफ्तार किया है। इनमें एक भाजपा पार्षद भी है। पुलिस पर यह हमला दिल्ली-मुंबई 8 लेन पर शनिवार-रविवार रात भग्गा सेलोत और भीमपुरा के बीच हुआ। सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस ने अवैध डोडाचूरा की सूचना पर संदिग्ध ट्रैक्टर को रोका। तलाशी के लिए पुलिस कर्मी इसे ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लेकर रोशनी वाले क्षेत्र में ले जा रहे थे। तभी दो अलग-अलग गाड़ियों से आए 8 से 10 लोगों ने पुलिस से ट्रैक्टर छुड़ाने की कोशिश की। विरोध करने पर इन हमलावरों ने पुलिस पर पथराव कर किया। इस दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी खा गई। आरक्षक बहादुर सिंह डांगी का पैर नीचे दब गया। घायल आरक्षक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्राली पलटते ही हमलावर फरार हो गए। सूचना मिलने रात में ही एएसपी विवेक कुमार, डीएसपी अजय सारवान व पुलिस बल के साथ पहुंचे। क्रेन से ट्रॉली को सीधा कराया और कॉन्स्टेबल को निकाला। पुलिस ने मौके से एक आरोपी जगदीश (40) पिता मोहनलाल प्रजापत निवासी थांदला को पकड़ा। यह थांदला के वार्ड 12 का बीजेपी पार्षद बताया जा रहा है। पूछताछ में उसने अपने साथियों के नाम राजेश डामोर और शाहीद बताए, जो फरार हैं।

ट्राले ने तीन कारों को मारी टक्कर, एक-दूसरे पर चढ़ीं कार, एसआई घायल, पत्नी की मौत

कंटेनर को जगह देने साइड में खड़ी गाड़ियों पर चढ़ा ट्राला

जागरण, बैतूल। महू के भेरुघाट जैसा भीषण हादसा रविवार को बैतूल के बरेठा घाट पर हो गया। जब एक तेज रफ्तार ट्राले ने सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों को बुरी तरह रौंद डाला। टक्कर इतनी भीषण थी कि कारें एक-दूसरे पर चढ़ गईं और चकनाचूर हो गईं। ट्राले के नीचे आने से बाइक सवार सब इंस्पेक्टर घायल हो गए। जबकि एसआई की पत्नी की मौके पर मौत हो गई। इस हादसे से बैतूल-भोपाल नेशनल हाईवे पर कई घंटे तक अफरातफरी मची रही।

यह दर्दनाक हादसा बैतूल में हादसा रविवार दोपहर करीब 3 बजे बैतूल-भोपाल नेशनल हाईवे पर हुआ। पुलिस के मुताबिक बरेठा घाट पर एक कंटेनर ढलान से नीचे आ रहा था। उसे साइड देने के लिए घाट चढ़ने वाले लोगों ने अपने वाहन किनारे खड़े कर लिये। इसी दौरान पीछे से एक ट्राला तेज रफ्तार में मौत बनकर आ गया। बेकाबू हुए इस ट्रक ने सड़क पर खड़ी गाड़ियों को रौंदना शुरू कर दिया। इस ट्राले ने एक के बाद एक तीन कारों और टक्कर मारी फिर एक बाइक को रौंद डाला। ट्राले की भीषण टक्कर से एक कार दूसरी कार पर चढ़ गई और तीसरी भी इन दोनों से जाकर चिपक गई। इससे नेशनल हाईवे पर कोहराम मच गया। पुलिस और मौके पर मौजूद लोगों की सहायता से गाड़ियों को अलग-अलग कर इनमें सवार लोगों को बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा गया। तीनों कार चालक गंभीर हालत में निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। टक्कर मारने वाले ट्राले का चालक मौके से फरार हो गया। इस दुर्घटना के कारण दोनों ओर का ट्रैफिक रुक गया। क्रेन की सहायता से पुलिस द्वारा दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को सड़क से हटाने के बाद ही आवाजाही शुरू हो सकी।

एसआई घायल, महिला की मौत

बेकाबू हुए तेज रफ्तार ट्राले ने बाइक पर सवार दंपत्ति को बुरी तरह रौंद डाला। बाइक पर बैठे एसआई चिमनलाल भलावी और उनकी पत्नी सुनीता ट्राले के नीचे दब गए। इससे सुनीता की मौत हो गई। जबकि चिमनलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल एसआई विदिशा जिला विशेष शाखा में तैनात हैं। वह बीते छह माह से बैतूल में अटैच हैं और परिवार समेत पुलिस लाइन में रहते हैं।

बिजनेस प्लस

कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष बी. साईंराम वेकोलि के दौरे पर रहे

नागपुर। कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक बी. साईराम शनिवार एवं रविवार को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) के दो दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों एवं परियोजनाओं का निरीक्षण किया। अपने दौरे के द्वितीय दिवस रविवार को श्री साईराम ने वेकोलि मुख्यालय में उत्पादन, गुणवत्ता, प्रेषण, पर्यावरण संरक्षण, सीएसआर तथा भविष्य की योजनाओं से संबंधित विषयों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में साईराम ने टीम वेकोलि की कार्य संस्कृति तथा कार्य निष्पादन की सराहना करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में बेहतर परिणाम की अपेक्षा जताई। उन्होंने उपभोक्ता संतुष्टि, कोयले की गुणवत्ता, नई तकनीक के व्यापक इस्तेमाल, खनन कार्य में सुरक्षा एवं समुचित नियोजन पर जोर दिया। उन्होंने कोयले की यातायात की स्थिति पर विस्तार से जानकारी हासिल की तथा इस दिशा में वृद्धि के लिए अपने सुझाव दिए। उन्होंने कोयला उद्योग के बदलते परिपेक्ष में वेकोलि की भूमिका पर विस्तार से बात की। समीक्षा बैठक में वेकोलि के सीएमडी जेपी द्विवेदी ने वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों तथा योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया की वेकोलि इस वित्तीय वर्ष में भी कोयला उत्पादन का टारगेट हासिल करेगा।

एनबीसीसी ने उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त की

नई दिल्ली। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन आने वाली नवरत्न सीपीएसई, एनबीसीसी (इंडिया) ने अपने एमओयू मूल्यांकन वर्ष 2024-25 में 97.58 अंकों के साथ 'उत्कृष्ट' रेटिंग प्राप्त की है। यह उपलब्धि परियोजना निष्पादन, गुणवत्ता मानकों, संधारणीयता कार्य पद्धतियों और निगमित अभिशासन में कंपनी के सशक्त प्रदर्शन की पुनः पुष्टि करती है। एनबीसीसी ने इससे पूर्व वर्ष 2023-24 के एमओयू मूल्यांकन में भी 'उत्कृष्ट' रेटिंग प्राप्त की थी। एनबीसीसी को लगातार प्राप्त होने वाली 'उत्कृष्ट' रेटिंग इसके पुनर्विकास, परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी), रियल एस्टेट विकास तथा विदेशी परियोजनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में जटिल और वृहद परियोजनाओं की सफल सुपुर्दगी में इसके संगत ट्रैक रिकॉर्ड को दर्शाती हैं। कंपनी ने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों के पालन तथा पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार निर्माण कार्य पद्धतियों को अपनाने के माध्यम से उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। एनबीसीसी प्रमुख सरकारी पहलों में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, विशेष रूप से सरकारी आवास एवं कार्यालय परिसरों के पुनर्विकास में, जो नियोजित शहरी विकास और विकसित भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहा है।

कोर्ट ने लगाई फटकार, दूसरे रोहित को निर्दोष मान किया बरी, तीन दिन में मांगा स्पष्टीकरण

न छाती का तिल देखा न हाथ पर ओम, बस आर देख 12 साल बड़े रोहित को ले गई कोर्ट

जागरण, इंदौर। अपने सिर से बला उतारने के लिए हमारी पुलिस कैसे-कैसे कारनामे करती है और कैसे निर्दोषों को फंसा देती है, इसका जीता जागता इंदौर में आया। जब जमानत के बाद फरार आरोपी को पकड़ने में नाकाम होने पर 12 साल बड़े रोहित को पकड़कर कोर्ट में पेश कर दिया। कद-काठी में अंतर देख अदालत ने पुलिस को जमकर फटकार लगाई और निर्दोष युवक को हिरासत में भेजने से मना कर बरी कर दिया। चौंकाने और सतर्क करने वाला पुलिस का यह कारनामा पर सत्र न्यायाधीश सोनल पटेल की कोर्ट में सामने आया। यहां परदेशीपुरा थाना में दर्ज हत्या के प्रयास के केस में रोहित पिता विजय यादव आरोपी है। वह जमानत पर है, लेकिन कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था। अदालत ने उसका गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। मगर परदेसीपुरा पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पा रही थी।

अदालत की नाराजगी से बचने पुलिस ने आननफानन में दूसरे रोहित यादव को उठा लाई और कोर्ट के सामने पेश कर दिया। मगर कोर्ट में पुलिस की चालाकी सफल नहीं हो सकी और एक निर्दोष जेल जाने से बच गया। पुलिस द्वारा पेश किए गए रोहित की ओर से पेश अभिभाषक ने कोर्ट को बताया कि जिस रोहित को गिरफ्तार कर पेश करने को कोर्ट ने कहा था, वह अन्य व्यक्ति है। जिसे लाया, वह दूसरा है। वकील ने इस रोहित का आधार कार्ड भी पेश किया था। कोर्ट ने भी पाया कि आरोपी रोहित की जन्म तारीख 19 अगस्त 2002 है, उसके दाहिने हाथ के पंजे पर ओम गुदा है और उसकी छाती पर तिल है। जबकि, जिसे पेश किया, उसके आधार में जन्म तारीख 19 जनवरी 1990 है। हाथ पर आर लिखा है और छाती पर तिल भी नहीं है। शारीरिक बनावट भी अलग होने पर कोर्ट ने माना कि यह कोई अन्य व्यक्ति है। अदालत ने इस फर्जीवाड़े पर परदेशीपुरा टीआई से तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा है? फटकार लगाते हुए अदालत ने पूछा है कि बगैर पड़ताल के किसी अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार कर कोर्ट में कैसे पेश किया गया। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 12 फरवरी की तारीख तय करने के साथ आरोपी रोहित यादव को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के लिए वारंट भी जारी कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

पॉलीटेक्निक कॉलेज में 8 को होगा मुस्लिम परिचय सम्मेलन

जागरण, भोपाल। राही वेलफेयर एंड रिसर्च सोसाइटी, भोपाल के कार्यालय में मुस्लिम परिचय सम्मेलन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन अभिभावकों के लिए खुशी की खबर दी गई, जो अपने बेटा-बेटियों के लिए अच्छा रिश्ता तलाश रहे हैं। यह मुस्लिम परिचय सम्मेलन 08 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में होगा। सम्मेलन का सुबह 10:30 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। यह कार्यक्रम शादी योग्य लड़के-लड़कियों के रिश्ते तलाशने के उद्देश्य से रखा गया है। इसमें लड़का या लड़की अपने माता-पिता के साथ शामिल हो सकते हैं। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 25 जनवरी तक पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण के लिए संस्था की अध्यक्ष फहमीदा बेगम और सचिव एडवोकेट आदिल रजा से संपर्क कर सकते हैं। रिश्तों की जानकारी के लिए लड़के-लड़कियों के बायोडाटा एक बुकलेट में छापे जाएंगे। कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पहले टोकन नंबर लेना जरूरी होगा।

तैलिक साहू सभा के निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष बने ओम प्रकाश

जागरण, भोपाल। मध्य प्रदेश तैलिक साहू सभा के त्रिवार्षिक चुनाव मां बिजासन देवी मंदिर, सलकनपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लगभग 1300 से अधिक मतदाताओं में से 36 जिलों में से 800 से अधिक मतदाताओ ने भाग लिया। चुनाव में ओम प्रकाश साहू प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार रहे। व्यापक समर्थन प्राप्त होने के कारण उन्हें निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। मीडिया प्रभारी विवेक साहू ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया में केंद्रीय पर्यवेक्षक डॉ. सियाराम साहू, राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष, अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा (छत्तीसगढ़) विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में रमेश साहू एडवोकेट ने जिम्मेदारी निभाई, जबकि सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में हरिशंकर साहू, अनिल कुमार साहू, अकेला राम गोपाल साहू एवं शोभा साहू ने चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराया।

कायस्थ संगठन के आयोजन में चित्रगुप्त चौराहे का नामकरण

जागरण, भोपाल। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा एवं सार्वदेशिक युवा कायस्थ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आज 1100 क्वार्टर स्थित चित्रगुप्त मंदिर के पास चौराहे का नामकरण चित्रगुप्त चौराहा करने के लिए भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम अखिल भारतीय हिन्दू महासभा, संत महासभा एवं चित्रगुप्त अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चक्रपाणि महाराज द्वारा किया द्य इसके उपरांत महाराज नेवरी लालघाटी पर मनकामेश्वर महादेव मंदिर स्थित चित्रगुप्तधाम में पधारे एवं उन्होंने आराध्यदेव चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना एवं सामूहिक आरती की द्य इस अवसर पर महाराज ने सामाजिक एकजुटता एवं समरसता पर जोर दिया द्य समाज की उभरती प्रसिद्ध भजन गायिका शाम्भवी एवं सेविका ने भी अपनी प्रस्तुति दी द्य इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, अजय श्रीवास्तव नीलू, सुनील श्रीवास्तव, मोनू सक्सेना, अभय प्रधान, सौरभ कुलश्रेष्ठ, विनय सक्सेना, वेद आशीष श्रीवास्तव, शैलेंद्र निगम, राजकुमार श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव, मुकेश सक्सेना, अभिषेक सक्सेना, नवनीत सक्सेना सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

उत्सव भवन में आज से ज्ञान युग दिवस समारोह का शुभारंभ

जागरण, भोपाल। भारत के महान सपूत, महान संत, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चेतना वैज्ञानिक तथा भावातीत ध्यान के प्रणेता महर्षि महेश योगी का 109वां जन्मदिवस 'ज्ञान युग दिवस' के रूप में 12 जनवरी को भारत सहित अनेक देशों में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर अनंत श्रीविभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज के आशीर्वाद से मुख्य समारोह भोपाल स्थित स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम के महर्षि उत्सव भवन में आयोजित होगा। दो दिवसीय समारोह का शुभारंभ आज प्रातः 10:30 बजे होगा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला एवं महर्षि संस्थान के प्रमुख ब्रह्मचारी गिरीश विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ब्रह्मचारी गिरीश जी अपने उद्बोधन में महर्षि महेश योगी जी द्वारा विश्वभर में भारतीय संस्कृति, वैदिक ज्ञान, योग, ध्यान और विज्ञान के प्रचार-प्रसार पर प्रकाश डालेंगे। इसके पश्चात माननीय उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला महर्षि संस्थान को शुभकामनाएँ देंगे। इस अवसर पर 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से विश्व शांति की स्थापना' विषय पर एक सेमिनार का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

कर्मचारी नेता अशोक पांडे को मिला परशुराम सेवा सम्मान

जागरण, भोपाल। वरिष्ठ कर्मचारी नेता अशोक पांडे को कर्मचारियों एवं श्रमिकों के हित में 27 वर्षों से किए जा रहे सतत संघर्ष एवं सेवा के लिए परशुराम सेवा सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान परशुराम मंदिर, तुलसी नगर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। समारोह में सांसद आलोक शर्मा, पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर एवं महापौर मालती राय ने संयुक्त रूप से पांडे को सम्मानित किया। एमआईसी सदस्य मनोज राठौर, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. राकेश चतुर्वेदी, अशोक तिवारी , राच्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, पूर्व एमआईसी अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, कर्मचारी नेता मयूर उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रेस अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह सम्मान कर्मचारियों एवं श्रमिकों की मांगों को लेकर 27 वर्षों से किए जा रहे संघर्ष, सेवा एवं प्रभावी नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया है।

हरी झंडी के इंतजार में निशातपुरा स्टेशन की प्याऊ से टोंटियां चोरी, शराबियों का लाउंज बना प्लेटफार्म

राजधानी का चौथा स्टेशन अव्यवस्था का शिकार, दो साल पहले तैयारियां हुईं पर नहीं हो सका उद्घाटन

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी का चौथा रेलवे स्टेशन निशातपुरा शुरू होने के लिए बीते तीन साल से इंतजार में है। भोपाल रेल मंडल द्वारा यहां दो साल पहले सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्लेटफार्म का निर्माण, यात्रियों को बैठने के लिए सुव्यवस्थित बैंच, पेयजल के लिए प्याऊ, रोशनी के लिए लैंप इत्यादि। लेकिन इन सुविधाओं पर अब चोरों की नजर पड़ चुकी है। स्टेशन के प्लेटफार्म पर यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए डीआरएम कार्यालय द्वारा प्याऊ निर्माण कराया गया है और इन प्याऊ में महंगी टोंटी लगाई गई हैं, लेकिन अब इनमें से अधिकांश प्याऊ की टोंटिंया चोरी हो चुकी हैं। स्टेशन के आस पास रहने वाले असामाजिक तत्व रेलवे के सामान को क्षति पहुंचा रहे हैं। टोंटी के अलावा बिजली के लैंप और अन्य सामग्री को भी या तो चोरी कर लिया गया है या उसे तोड़ दिया गया है।

रात में होती है शराब पार्टी: निशातपुरा स्टेशन अभी बंद हैं। यहां रेलवे का स्टाफ 24 घंटे मौजूद नहीं रहता। आरपीएफ वाले भी दिन में एकाध चक्कर लगाते हैं। रात होते ही स्टेशन के अंदर प्लेटफार्म पर असामाजिक तत्वों का डेरा लग जाता है। रहवासियों और चश्मदीदों ने बताया कि हर रात यहां शराब पार्टी होती है। रेलवे द्वारा जो बैंच यात्रियों के लिए लगाई गई हैं, उन बैंच पर बैठकर शराब पार्टी की जाती है। आए दिन युवक यहां आकर केक काटते हैं और किसी न किसी का बर्थडे मनाया जाता है। इस बात की खबर आरपीएफ व जीआरपी को भी है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

भोपाल स्टेशन से जोड़ने का काम अधूरा

जब निशातपुरा स्टेशन को ट्रेनों के स्टॉपेज के लिए तैयार किया जा रहा था, तब डीआरएम कार्यालय के अधिकारियों द्वारा बताया गया था कि भोपाल रेलवे स्टेशन से निशातपुरा तक कनेक्टिविटी दी जाएगी। इसके लिए करीब एक किलो मीटर लंबा पाथ वे बनाया जाएगा। जो भोपाल स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म के बीना छोर से शुरू होगा और निशातपुरा में कोच फैक्ट्री के सामने जाकर स्टेशन को जोड़ेगा। लेकिन यह काम अभी तक शुरू नहीं किया गया है।

इन ट्रेनों के स्टॉपेज का गया है प्रस्ताव

- 12919/20 डॉ. आम्बेडकर नगर माता वेष्णोदेवी कटरा एक्सप्रेस
- 14319/20 बरेली इंदौर एक्सप्रेस
- 19305/06 इंदौर कामख्या इंदौर एक्सप्रेस
- 19321/22 इंदौर राजेन्द्र नगर इंदौर एक्सप्रेस
- 19313/14 इंदौर पटना एक्सप्रेस
- 22911/12 इंदौर हावड़ा एक्सप्रेस

नई ट्रेनों के संचालन में होगी आसानी

जानकारी अनुसार भोपाल-रामगंजमंडी रेल लाइन के तहत निशातपुरा स्टेशन टर्मिनल को विकसित किया जा रहा है। यहां स्टेशन के अप्रोच रोड, स्टेशन बिल्डिंग, प्लेटफार्म, बुकिंग कार्यालय, कवर ओवर शेड, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट आदि जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। निशातपुरा स्टेशन शुरू होने के बाद भोपाल स्टेशन में गाड़ियों का दबाव कम होगा। इससे नई गाड़ियों का संचालन भी इस स्टेशन से आसानी से हो सकेगा।

छोला की ओर से रास्ता, यह सबसे बड़ी समस्या

निशातपुरा रेलवे स्टेशन की सबसे बड़ी समस्या यहां जाने के लिए पहुंच मार्ग का सुगम व सरल न होना है। रेलवे द्वारा स्टेशन का मुख्य द्वार छोला क्षेत्र की ओर दिया है। जबकि यह क्षेत्र बहुत घनी आबादी के कारण हमेशा ट्राफिक जाम में फंसा रहता है। करोंद की ओर से आने वालों के लिए भानपुर से होकर आना पड़ता है। यह रास्ता भी भारी ट्राफिक जाम के कारण अव्यवस्थित रहता है। दूसरी ओर नए भोपाल के यात्रियों के लिए भोपाल स्टेशन के सामने से होकर जाना पड़ेगा। जो कि और भी ज्यादा कठिन और मुश्किल भरा है, क्योंकि इस रास्ते में दो-दो अंडर पास बने हुए हैं। जहां से चार पहिया वाहन का गुजरना बहुत कठिन है। इसलिए निशातपुरा स्टेशन को लेकर आम जनता में खास उत्साह नहीं है।

यदि ऐसा कुछ हो रहा है तो हम आरपीएफ को कार्रवाई के लिए बोलेंगे। प्लेटफार्म की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। स्टेशन को शुरू करने की कवायद जारी है, जल्द ही लोगों को इसकी सौगात मिलेगी।
■ **नवल अग्रवाल**, प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी, भोपाल रेल मंडल

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, ठंड लगने की आशंका

जागरण, भोपाल। सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शुरूआती जांच में ठंड के कारण युवक की मौत की आशंका जताई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मूलत विदिशा निवासी 28 वर्षीय रवि बाल्मिक पिता कमलेश प्रेमपुरा गांव में रहता था। वह ईट भट्टे का काम करता था और शराब पीने का आदी था। वह सरकारी स्कूल के पास चौखट पर सो गया था। रविवार सुबह 9 बजे मोहल्ले के लोगों ने जब उसे मृत अवस्था में देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि ठंड की वजह से युवक की मौत हो सकती है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

हत्या के मामले में सजा काट रहे कैदी की मौत

गांधीनगर थाना क्षेत्र में जेल में बंद कैदी की बाथरूम में गिरने से मौत हो गई। वह पांच साल से हत्या के मामले में भोपाल केंद्रीय जेल में बंद था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। 45 वर्षीय रमेश विश्वकर्मा पिता बाबूलाल में इछावर, सीहोर का रहने वाला था। हत्या के मामले में वह 2021 से केंद्रीय जेल में सजा काट रहा था। रविवार सुबह 10 बजे नहाने के दौरान पैर फिसलने से उसे गंभीर चोटें आई।जिसकी सूचना पर जेल प्रहरी ने तुरंत उसे हमीदिया अस्पातल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने कैदी रमेश को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। उनके आने के बाद ही पीएम करवाया जाएगा।

प्रेम संबंध टूटने के बाद युवक ने लगाई फांसी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। प्रेम संबंध टूटने से तनाव में आए एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी गर्लफ्रेंड ने उसे छोड़ दिया था। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। जांच में सामने आया है कि वह चार साल से रिलेशनशिप में था। पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त किया है, जिसमें लॉक डला है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे ने बताया कि ई-6 अरेरा कालोनी निवासी 19 वर्षीय किशन शाह पिता संजय शाह कार वॉश का काम करता था। वह पिछले चार सालों से एक युवती के साथ प्रेम संबंध में था। करीब 15 दिन पहले युवती उसे छोड़कर अपने परिवार के पास लौट गई थी। इसके बाद से किशन का मानसिक रूप से परेशान हो गया और तनाव में रहने लगा। शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे किशन ने झुग्गी में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चार सालों से रिलेशनशिप में था युवक

रेलवे में चले ऑपरेशन मेरी सहेली में दो लाख से अधिक महिलाओं को मिली मदद

पश्चिम मध्य रेलवे ने जारी किया दो साल का रिपोर्ट कार्ड

नगर संवाददाता, भोपाल। महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन मेरी सहेली जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इस जागरूकता अभियान के तहत महिला यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करना और उन्हें किसी भी प्रकार के संकट से सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक कदम उठाना है। ऑपरेशन मेरी सहेली के तहत रेलवे सुरक्षा बल, पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा वर्ष 2025 में 2,06,812 अकेली यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को अटेंड कर सुरक्षित यात्रा के लिए सहायता प्रदान करते हुए उन्हें उनके गंतव्य तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने में मदद की गई। साथ ही फीडबैक भी प्राप्त किया गया हैं। ऑपरेशन मेरी सहेली का उद्देश्य ऑपरेशन मेरी सहेली का मुख्य उद्देश्य महिला यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना है। इस अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने विशेष सुरक्षा प्रबंध किए है, ताकि महिला यात्री, यात्रा के दौरान सुरक्षित महसूस करें।

ऑपरेशन मेरी सहेली के तहत उठाए गए कदम

ये सावधानियां बरतें

- ■ यात्रा के दौरान अपने सामान और व्यक्तिगत सुरक्षा पर ध्यान दें।
- ■ ट्रेन या स्टेशन पर किसी भी संदिग्ध व्यक्ति से सावधान रहें।
- ■ किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत आरपीएफ हेल्पलाइन 139 या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

विशेष सुरक्षा प्रबंध: रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए महिला आरपीएफ कर्मी तैनात किए गए है। साथ ही पश्चिम मध्य रेल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में मेरी सहेली के अंतर्गत महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए 18 महिला टीमों की तैनाती की गई है।

जागरूकता: महिला यात्रियों को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है इसके तहत आरपीएफ द्वारा महिला यात्रियों को सुरक्षा उपायों, जैसे कि चोरी, छेडछाड और आपातकालीन स्थिती में किस तरह से मदद प्राप्त की जा सकती है, इसकी जानकारी दी जाती है। तत्काल समाधान और सहायता महिला यात्रियों की शिकायत या समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया है आरपीएफ ने यात्रियों की शिकायतों का शीघ्र समाधान करने के लिए 24 घंटे उपलब्ध एक विशेष हेल्पलाइन नंबर 139 भी जारी किया है।

साल के सभी दिन रक्तदान के लिए उपलब्ध रहने वाले 120 रक्तदाताओं को किया सम्मानित

राज्यमंत्री पटेल ने किया सम्मानित, डोनर्स ने भविष्य में भी रक्तदान का लिया संकल्प

जागरण संवाददाता, भोपाल। साल के 365 दिन 24 घंटे किसी भी जरूरतमंद के लिए रक्तदान करने के लिए उपलब्ध रहने वाले 120 रक्तदाताओं का सम्मान रविवार को चार इमली स्थित फारेस्ट ऑफिसर्स मेस में किया गया। शहर की नवरचना सेवा संस्थान की ओर से आयोजित इस सम्मान समारोह में शहर के कई गणमान्य नागरिकों और युवाओं को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राच्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, वन विकास निगम के एमडी एचयू खान, इंदौर के एमवायएच अस्पताल के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, आईपीएस अजय शर्मा, डॉ. अखिलेश अर्गल और बीनू चतुर्वेदी द्वारा सम्मानित किया गया एवं सभी अतिथियों ने रक्तदान का महत्व समझाते हुए अपने विचार रखे। संस्था के सचिव नीरव चतुर्वेदी ने बताया कि हर साल नव वर्ष के अवसर पर संस्था द्वारा शहर के रक्तदाताओं का सम्मान किया जाता है। इसी श्रेणी में शहर के 150 रक्तदाताओं को सम्मान के लिए आमंत्रण दिया गया था, जिसमें से 120 रक्तदानियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था ने रक्तदान के लिए वॉलेंटियर्स के रूप में सेवाएं देने वाले 20 अन्य लोगों को भी सम्मानित किया।

एक साल में 4 बार किया रक्तदान: संस्था के अध्यक्ष राजकमल चतुर्वेदी को भी सम्मानित किया गया। राजकमल ने एक साल में चार यूनिट रक्तदान किया था। जिसके लिए उन्हें विशेष सम्मान दिया गया। सम्मान के बाद राजकमल ने बताया कि 18 से 60 साल की उम्र के बीच कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। संस्था के सचिव नीरव चतुर्वेदी भी अब तक 27 बार रक्तदान कर चुके हैं। रक्तदान करने से किसी भी तरह की कोई कमजोरी नहीं आती है। उच्च रक्तचाप व डायबिटिज के मरीज भी नियमित रूप से रक्तदान कर सकते हैं। इस अवसर पर नवरचना संस्था के अरविंद शर्मा, नितेश अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नौनिहालों के देशभक्ति गीतों से सम्मेलन में झूम उठे लोग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सकल हिन्दू समाज अशोका गार्डन बस्ती द्वारा रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसके आयोजक हेमंत परिहार थे। कार्यक्रम में करीब महिला, पुरुष, बच्चों और वृद्धजनों के साथ करीब 600 लोगों ने भागीदारी की है। इस दौरान संरक्षक मंडल द्वारा गौ-पूजा की गई। दीप प्रज्जवलन के बाद गणेश वंदना की गई। राष्ट्रगीत वंदेमातरम के बाद भजन मंडली द्वारा भजन और देश भक्ति गीतों का मंचन किया गया। देशभक्ति गीतों को सुनकर श्रोता भावविभोर हो उठे। वे भी नन्हें नन्हें कलाकारों के साथ गीत गुनगुना लगे। इस दौरापन नाटक का मंचन किया गया। धरती संरक्षण, वार्षिक गीत के बाद मंचाशीन विद्वानों द्वारा बौद्धिक किया गया। इसके अलावा तुलसी बस्ती, अवधपुरी स्थित रीगल टाउन के दुर्गा मैदान में भी हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य हिन्दू समाज की एकता, संस्कृति और संस्कारों को सुदृढ़ करना है। जानकारी के मुताबिक भोपाल की विभिन्न बस्तियों और इलाकों में 98 स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों के माध्यम से धर्म और संस्कृति के जरिए सामाजिक चेतना जागृत करने के साथ समाज में समरसता का संदेश दिया गया।

सम्मेलन प्रदेशभर से जुटे कर्मचारियों ने कई मांगों को लेकर मुखर की आवाज

नापतौल अधिकारी-कर्मचारी प्रादेशिक सम्मेलन में नहीं हुआ सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग

जागरण संवाददाता, भोपाल। नापतौल विभाग के अरेरा हिल्स स्थित मुख्यालय में गत दिवस मध्य प्रदेश नापतौल अधिकारी-कर्मचारी संघर्ष समिति का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूरे प्रदेश से नापतौल विभाग के अधिकारी कर्मचारी सम्मेलन में उपस्थित हुए। बता दें कि इस सम्मेलन में प्रदेश भर से आए कर्मचारियों के लिए भोजन का प्रबंध किया गया था, लेकिन पूरे सम्मेलन में न तो मिनरल वाटर के लिए और न ही डिस्पोजल व ग्लास में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग किया गया। सम्मेलन को समिति के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी, संरक्षक नसीमुद्दीन, भारत भूषण वर्मा, शिव शंकर उइके, सुरेंद्र सिंह राजपूत, आरके कछवाह सहित अन्य कर्मचारी नेताओं ने संबोधित किया और कर्मचारियों की समस्याओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभाग के नियंत्रक बृजेश सक्सेना, संयुक्त नियंत्रक केएस चौहान सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित हुए।

इन मांगों को पूरा करने की रखी मांग: इस अवसर पर कर्मचारियों ने खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के नए भर्ती नियम बनाने, सहायक ग्रेड-3 से निरीक्षक पद पर पदोन्नति के लिए विभागीय परीक्षा उचित माध्यम से कराए जाने, समयमान वेतनमान का लाभ दिए जाने, मुख्यालय की भूमि दूसरे विभागों को न देने, मुख्यालय में पदों की वृद्धि के संबंध में, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के स्थाईकरण, कंप्यूटर, प्रिंटर, स्केनर उपलब्ध कराने, परिवीक्षा अवधि समाप्त करने, निरीक्षकों को वाहन उपलब्ध कराने सहित अन्य मांगों को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सभी मांगों का उचित निराकरण कराया जाएगा।

प्रवाह की दो दिवसीय बैठक में कार्यकर्ताओं के विकास पर मंथन

विसं, भोपाल। प्रज्ञा प्रवाह की दो दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत संयोजक बैठक का रविवार को समापन हुआ। बैठक में संगठनात्मक संरचना के साथ-साथ कार्यकर्ता विकास पर मंथन हुआ। 23 प्रांत के पदाधिकारियों ने संगठनात्मक विस्तार की जानकारी दी। बैठक में राष्ट्रगीत वन्देमातरम के 150 वर्ष, भारत का स्व एवं स्वदेशी जीवनशैली आदि विषयों पर प्रबोधन हुआ। विशेष सत्र में आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य द्वारा भारत का स्व और पंच परिवर्तन के स्वदेशी जीवन शैली, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक अनुशासन आदि विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया। जबकि प्रज्ञा प्रवाह के संयोजक जे.नंद कुमार द्वारा वन्देमातरम के 150 वर्ष सहित अन्य विषयों पर प्रकाश डाला। बैठक में देश के 23 प्रांत के संयोजक,सह संयोजक एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। शनिवार को जहां विभिन्न आयामों के समानांतर सत्र आयोजित हुए, वहीं रविवार को सभी प्रांत पदाधिकारियों ने बीते वर्ष में किये गए विशेष कार्यों की जानकारी दी एवं आगामी कार्ययोजना के विषय में भी बताया। समापन से पहले शताब्दी वर्ष, पंच परिवर्तन, गुरु तेग बहादुर तथा बिरसा मुंडा बलिदान आदि विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। कार्यकर्ता विकास सत्र भी आयोजित किया गया। इस विशेष सत्र में नेतृत्व निर्माण, अनुशासन और सेवा भावना पर विशेष जोर दिया गया। अंतिम सत्र में जिज्ञासाओं का समाधान एवं प्रश्नों का उत्तर दिया गया।

अब देश-विदेश में अपनी मातृभाषा में ही बात करेंगे सिंधी, एकता बढ़ाने पर जोर

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन, मंत्री सारंग, विधायक सबनानी भी हुए शामिल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सिंधियों की अन्तरराष्ट्रीय स्तर की अग्रणी सामाजिक संस्था विश्व सिंधी सेवा संगठन का 8वां इंटरनेशनल सम्मेलन जिसमें देश विदेश से 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, स्तरीय आयोजन के लिए काफी यादगार रहा। भले ही इसमें आम सिंधियों की समस्याओं के निराकरण व सरकार से वाजिब हकों पर विस्तार से चर्चा नहीं हुई हो, लेकिन इसमें देश विदेश से जो सिंधी विशिष्ट लोग शामिल हुए, वह उल्लेखनीय रहा। तीन दिवसीय इंटरनेशनल सम्मेलन अगले साल जोर्डन में फिर मिलने एवं आपसी एकता व घर में बच्चों के सथ मातृ भाषा में बात करने के संकल्प के साथ समाप्त हुआ। संगम के इंटरनेशनल अध्यक्ष राजू मनवानी की अगुवाई में हुए इस आयोजन में मध्यप्रदेश के प्रभारी व सम्मेलन संयोजक विजय पाहूजा की उपस्थिति में अंतिम दिन रविवार को देश विदेश से आए प्रतिनिधियों की संगठन के प्रति निष्ठा एवं समर्पण भाव के लिए उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। बीती रात प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग एवं दक्षिण पश्चिम के भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी मुख्य रूप से उपस्थित हुए। अंतिम दो दिन इंदौर के जाने माने समाज सेवी ईश्वरदास झामनानी एवं महाराष्ट्र के पूर्व केबिनेट मंत्री नागपुर के गुरमुखदास जगवानी भी विशेष रूप से उपस्थित हुए।

बुनियादी मसलों पर दें ध्यान: यहां भगवानदास सबनानी ने कहा कि सिंधियों की कितनी संख्या है इसके सही सही आंकड़े सामने आना चाहिए हम बुनियादी मसलों पर विचार करें कि हम कैसे आगे बढ़ सकते हैं। समाज और भाषा के लिए विचार करें। अनेक परिवार ऐसे हैं जिन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार की जरूरत है, यह गंभीर मसला है, विश्व सिंधी सेवा संगम को इस पर भी विचार करना चाहिए।

सिंधी शब्द में खिंचाव है, हम समाज में जो कमियां हैं, उसे किस तरह से ठीक करना है, उस दिशा में भी प्रयास होना चाहिए। भगवानदास सबनानी ने समाज के भीतर की प्रतिभाओं को आइएएस, आइपीएस, आइएफएस बनाने पर जोर दिया। बच्चों को संस्कारों से जोड़ने पर भी उन्होंने जोर दिया। आने वाला समय कठिन होने वाला है, ऐसे में समाज को बचाने के लिए तैयार रहें। संस्था का उद्देश्य केवल इस तरह के आयोजन न हो बल्कि एक मकसद होना चाहिए जो दिशा तय करे, जो भविष्य की योजना तैयार करे, तब ही समाज का भला कर सकते हैं।

नया करने का लें संकल्प सम्मेलन में पहुंचे सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की परिपूर्णिता के केवल रोटी, कपड़ा व मकान तक सीमित नहीं होना चाहिए। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इसलिए समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन भी पूरी निष्ठा के साथ करना चाहिए। ऐसे संगठनों के जरिए समाज की समस्याओं का निराकरण उसे आगे बढ़ाना भी जरूरी है। हमारा फर्ज हो कि हम समाज के भीतर एकता कायम करें। उन्होंने कहा युवा साथियों को हमारी भाषा, संस्कृति व सभ्यता से जोड़ने का जो संकल्प लिया गया है, वही हमारे समाज के भविष्य का सही संरक्षण करेगा। उन्होंने कहा देश में पनप रहे सांस्कृतिक आंतकवाद का भी सामना करना पड़ेगा। हम अपनी संस्कृति पर कुठाराघात न होने दें।

निशिका लालवानी डिस्ट्रिक्ट प्रेजीडेंट : इस अवसर पर इंटरनेशनल अध्यक्ष राजू मनवानी एवं प्रदेश प्रभारी विजय पाहूजा ने भोपाल महिला विंग के अध्यक्ष की घोषणा करते हुए इसका दायित्व निशिका लालवानी को दिया। सम्मेलन में देश विदेश के अलावा राजधानी भोपाल से सिंधु भवन मध्यप्रदेश ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी, सिंधी मेला मेल समिति के अध्यक्ष मनीष दरियानी, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी, जयकिशन लालचंदानी, शिक्षाविद आनंद सबधाणी, ताराचंद बच्चानी, मनोहर आसूदानी, सतीश बचानी, प्रकाश बच्चानी आदि ने भी हिस्सा लिया।

मंदिर परिसर और पुलिस कॉलोनी की शासकीय भूमि पर पसरा अतिक्रमण

विश्व हिंदू परिषद ने नगर पालिका को सौंपा आवेदन

मंडीदीप। नगर पालिका परिषद मंडीदीप के वार्ड क्रमांक 09 अंतर्गत मंदिर परिसर एवं पुलिस कॉलोनी की शासकीय/सार्वजनिक भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को लेकर मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। इस संबंध में विश्व हिंदू परिषद, प्रखंड मंडीदीप द्वारा नगर पालिका प्रशासन के समक्ष आपत्ति दर्ज कराते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। विश्व हिंदू परिषद का आरोप है कि उक्त शासकीय भूमि पर स्थानीय पार्षद के पुत्र रशीद अली सहित कुल छह लोगों द्वारा अवैध रूप से टीन शेड लगाकर दुकानों का संचालन किया जा रहा है। संगठन का कहना है कि यह अतिक्रमण न केवल शासकीय नियमों का उल्लंघन है, बल्कि मंदिर परिसर जैसे धार्मिक स्थल और पुलिस कॉलोनी जैसी सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी भूमि की गरिमा पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। संगठन के अनुसार इस अवैध अतिक्रमण की जानकारी पिछले लगभग एक माह से नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को मौखिक रूप से दी जा रही थी, लेकिन अब तक मौके पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के चलते शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष राजकुमार चौहान, जिला संयोजक शिवराज धाकड़, प्रखंड अध्यक्ष मुरारी पारिक, मंत्री के.आर. मीणा एवं संयोजक अंकेश तोमर ने इस विषय को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी को विधिवत लिखित आवेदन सौंपते हुए शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई की मांग की। विश्व हिंदू परिषद, जिला भोजपुर के प्रतिनिधि सुरेंद्र कीर ने कहा कि यदि शीघ्र प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की गई, तो जनहित एवं धार्मिक भावनाओं की रक्षा के लिए संगठन को आंदोलनात्मक कदम उठाने पड़ सकते हैं, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन की होगी। इधर, स्थानीय रहवासियों का कहना है कि जिस भूमि पर वर्तमान में अतिक्रमण किया गया है, वह पूर्व में शासकीय भूमि के रूप में दर्ज रही है, जबकि बाद के वर्षों में यहां अवैध रूप से कब्जे किए गए हैं।

> उक्त स्थान पर रशीद अली के अलावा पांच अन्य लोगों द्वारा भी अतिक्रमण किया गया है। पूर्व में सभी को नगर पालिका द्वारा नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। अब पुनः सभी अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिए जा रहे हैं। यदि नोटिस के बाद भी स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है, तो नगर पालिका एक-दो दिन में बलपूर्वक कार्रवाई कर अतिक्रमण हटा देगी।
> **- डॉ. प्रशांत जैन**, मुख्य नगर पालिका अधिकारी

शिक्षा के साथ सेवा करना भी हमारा लक्ष्यः डॉ. मैथ्यूज

डॉ. डेनियल की पुण्यतिथि पर पुस्तकों का किया वितरण

संत हिरदाराम नगर। 50 साल पूर्व पहले अंग्रेजी स्कूल क्राइस्ट मेमोरियल की स्थापना करने वाले समाज सेवी डा. डेनियल मैथ्यूज की स्मृति में गांधीनगर स्थित क्राइस्ट मेमोरियल स्कूल में जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकों का वितरण किया। यह कार्यक्रम डा. मैथ्यूज डेनियल की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में किया गया। इस अवसर पर ग्रुप आफ क्राइस्ट मेमोरियल के चेयरमैन डा. मैनिज मैथ्यूज ने कहा कि डा. डेनियल मैथ्यूज ने शिक्षा का जो बीज बोया था वह आज पूरी तरह से वटवृक्ष का रूप ले चुका है उनके आदर्श एवं शिक्षा के प्रति लगाव के कारण ही हजारों की संख्या में विद्यार्थी आज उच्च पदों पर आसीन है और उनके द्वारा स्थापित आज स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से नया आयाम स्थापित कर रहे हैं। इस मौके पर शिक्षकगण, पालकगण, अभिभावकगण एवं अन्य सभी लोगों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सभी लोगों ने अपनी पसंद की पुस्तकें अपने बच्चों के लिए अथवा स्वयं के लिए बिलकुल निःषुल्क प्राप्त की। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की और 1000 से अधिक पुस्तकें अपने बच्चों एवं स्वयं के लिए लेकर गए। विद्यालय के संचालक महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित निःषुल्क पुस्तक वितरण एक सराहनीय कार्य था। जिस पर सभी उपस्थित लोगों द्वारा इस कार्यक्रम की सराहना की गई तथा सभी लोगों ने विद्यालय के संथापक को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ ने संस्थापक को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की स्व. डॉ. मैथ्यूज़ डेनियल शिक्षा और लोगों को शिक्षित करने के क्षेत्र में अपने समस्त जीवन को समर्पित कर दिया था। इसी अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आपातकाल में की लोकतंत्र की रक्षाः लोवंशी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। शनिवार के देर शाम साधु वासवानी स्कूल पार्क से आरएसएस ने अपने दस दिवसीय हिन्दू सम्मेलनों का आगाज किया। इस अवसर पर आरएसएस के विभाग प्रचारक कैलाश लोवंशी ने कहा ने जहां पिछले 100 साल के आरएसएस के इतिहास विस्तार से प्रकाश डाला वहीं कहा कि आपातकाल के दौरान आरएसएस स्वंय सेवकों ने कठिन परिस्थितियों में रहकर लोकतंत्र की रक्षा की। उपनगर प्रमुख बसंत चेलानी की विशेष उपस्थिति में साईं बस्ती में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। भाजपा हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की विशेष उपस्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भोपाल विभाग के विभाग प्रचारक कैलाश लोवंशी मुख्य वक्ता थे। उन्होंने संघ की स्थापना से लेकर आज तक की 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार संघ के स्वयंसेवकों ने आपातकाल के कठिन दौर में आंदोलन कर लोकतंत्र की रक्षा की। साथ ही उन्होंने अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण के संघर्ष का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार लंबे सामाजिक आंदोलन के परिणामस्वरूप बाबरी ढांचे को कानून के दायरे में हटाकर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। नागरिक कर्तव्यों, राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व एवं पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष बल दिया और समाज को जागरूक रहने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सेविका समिति की जिला संयोजिका मीना पवैया भारतीय संस्कृति में परिवार की भूमिका के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण पर सारगर्भित उद्बोधन दिया और समाज निर्माण में महिलाओं की निर्णायक भूमिका को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त महंत अनिलानंद जी का प्रेरणादायी मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संत समाज की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भजनों एवं देशभक्ति गीतों काआयोजन किया गया, जिसमें हिंदू समाज के भाई-बहनों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

एक शाम छींद वाले दादा के नाम 31वां पाठ संपन्न

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रत्येक माह के द्वितीय शनिवार को आयोजित होने वाली भक्ति-श्रृंखला के तहत संगीतमय 31वां पाठ अत्यंत श्रद्धा, गरिमा और दैवीय माहौल के बीच संपन्न हुआ। आयोजन छींद वाले दादा जी को समर्पित रहा, जिसमें सात जिलों एवं 19 तहसीलों से पधारे भक्तों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया। पाठ के उपरांत 41 सनातन धर्म प्रेमियों को उनके जन्मदिन तथा वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर सम्मानित किया गया। राम का आधार रामायण वितरण योजना के तहत 14 महानुभावों को श्रीरामचरितमानस (अर्थ सहित) की पवित्र प्रतियां भेंट की गईं। महानुभावों को पंचांग कैलेंडर वितरित किए गए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कथाकार यज्ञाचार्य श्री वेदाचार्य महाराज (वीकलपुर) की पावन उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

सुविधाओं से लैस हुआ बोरवन पार्क का पगड़ी रस्म हाल, प्रसाधन गृह की परेशानी भी हुई दूर

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। भले ही उपनगर की घनी आबादी से यहां का पगड़ी रस्म हाल दूर है, लेकिन इसकें सुविधाओं के मामले में किसी तरह की कमी नहीं छोड़ी जा रही है। जहां नगर निगम ने 50 लाख की लागत से पंडित दीनदयाल उपाध्याय बोरवन पार्क के एक हिस्से में आलीशान टीन शेड का हाल निर्मित किया है, वहीं इसमें समाज सेवी भी अन्य सुविधाओं के मामले में आगे आ रहे हैं। एक दानवीर ने समूचे पगड़ी हाल में पंखों की व्यवस्था की, तो दूसरे समाज सेवी ने अपने पूर्वजों के नाम से वाटर कूलर लगाया ताकि पेयजल की समस्या नहीं रहे इसके बाद एक अन्य समाज सेवी ने यहां वृद्धजनों एवं महिलाओं के बैठने के लिए लगभग 150 कुर्सियां प्रदान की। सिंधी समाज में तीसरे दिन पगड़ी रस्म बहुत ही महत्वपूर्ण मानी जाती है। भले ही अंतिम संस्कार में किन्हीं कारणवश व्यक्ति शामिल न हो पाए लेकिन तीसरे दिन पगड़ी रस्म में अवश्यक शामिल होता है। पूर्व में जहां महिलाओं की बैठक घर पर ही हुआ करती थी, वहीं उनकी संख्या भी बढ़ने को देखते हुए अब महिलाओं की बैठक भी पगड़ी रस्म हाल में ही होने लगी है लेकिन प्रसाधन गृह न होने से खासतौर पर महिलाओं को काफी दिक्कत होती थी पर अब वह परेशानी भी दूर हो गई है। समाज सेवी नरेश केवलानी ने बताया कि इसका निर्माण समाज सेवी विनोद कुमार नैनवानी, सुनील कुमार नैनवाल, नरेश केवलानी एवं सपना केवलानी ने अपने पूर्वजों के नाम करवाया है जिसका शनिवार देर शाम लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता त्रिलोक दीपानी, पार्षद अशोक मारन, नरेश ज्ञानचंदानी, घनश्याम लालवानी, भरत आसवानी, अनिल टैकचंदानी, राज मनवानी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

एक्सीलेंस ने प्रतिभागियों को दी जानकारी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। एक्सीलेंस कालेज में छह दिवसीय कार्यशाला एवं एफडीपी (हाइब्रिड मोड) का समापन हुआ। इसमें राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान से डॉ हुसैन जीवाखान द्वारा साइलैब क्लाउड के उपयोग से करीब 90 प्रतिभागियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के संचालक डॉ प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि बायोटेक्नोलॉजी की एचओडी डॉ रुचिरा चौधरी, प्रशासनिक अधिकारी डॉ महेंद्र सिंघई, डॉ अनुज ह्यूंडेट अध्यक्ष की भूमिका में और एफडीपी के संयोजक डॉ अमित जैन और आयोजन समिति से डॉ विनोय कुमार सिन्हा उपस्थित थे। संचालक अग्रवाल ने कहा कि यदि वर्तमान परिवेश में हमारे पास दृढ़ निश्चय पूर्वक कार्य करने की जिज्ञासा है, तो सफलता निश्चित है।

मंडीदीप नपा के खेल महाकुंभ में स्कूली टीमों ने दिखाया दमखम

मंडीदीप। नगर पालिका परिषद मंडीदीप द्वारा आयोजित खेल महाकुंभ के अंतर्गत आज सीनियर वर्ग में लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों की टीमों ने उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। सीनियर एवं मिनी वर्ग में खेले गए मुकाबलों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सीनियर वर्ग ङ्क लेदर बॉल क्रिकेट का पहला मुकाबला लिटिल स्कॉलर स्कूल सतलापुर और महाराणा प्रताप स्कूल के बीच खेला गया। महाराणा प्रताप स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 59 रन बनाए। जवाब में लिटिल स्कॉलर स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 61 रन बनाकर यह मुकाबला जीत लिया। दूसरा सीनियर वर्ग का मैच चावरा स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल के बीच हुआ। चावरा स्कूल ने 8 ओवर में 69 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट थॉमस स्कूल की टीम 40 रन ही बना सकी। इस प्रकार चावरा स्कूल ने यह मुकाबला 29 रनों से अपने नाम किया।

मिनी वर्ग- लेदर बॉल क्रिकेट : मिनी वर्ग में पहला मुकाबला एंबीशन स्कूल और ओरिएंटल स्कूल के बीच खेला गया। एंबीशन स्कूल ने 6 ओवर में 70 रन बनाए। ओरिएंटल स्कूल की टीम 6 ओवर में 44 रन ही बना पाई। एंबीशन स्कूल ने यह मैच 26 रनों से जीत लिया। मिनी वर्ग का दूसरा मुकाबला ग्रेफाइट स्कूल और सीएलआरआर स्कूल के बीच हुआ। ग्रेफाइट स्कूल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 69 रन बनाए। सीएलआरआर स्कूल की टीम 43 रन ही बना सकी।

SUDOKU 116

2	4				8	7		
3		7				4		
5	8		2	4				
								1
4	2		1	8	3		9	7
1								
				2	9		7	3
		2				9		6
		6	5				2	4

SOLUTIONS 115

5	8	2	6	4	1	7	3	9
3	1	7	9	5	8	6	2	4
9	4	6	7	2	3	5	1	8
4	6	5	8	1	9	2	7	3
8	7	3	4	6	2	9	5	1
2	9	1	5	3	7	4	8	6
6	2	8	1	9	5	3	4	7
7	3	4	2	8	6	1	9	5
1	5	9	3	7	4	8	6	2

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। कामकाज में फैसले तेजी से लेंगे और ज्यादातर सही साबित होंगे। ऑफिस में आपकी मेहनत और एक्टिवनेस नजर आएगी।

वृषभ : आज स्थिरता और आराम का दिन है। काम को धैर्य से निपटाएंगे और परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। सेहत सामान्य रहेगी।

मिथुन : आज दिन व्यस्त रह सकता है। बातचीत, मीटिंग और संपर्क बढ़ेंगे। नौकरी या बिजनेस में नए मौके मिल सकते हैं।

कर्क : आज भावनाएं थोड़ी हावी रह सकती हैं। काम में मन लगाने के लिए खुद को संतुलित रखना होगा। परिवार के किसी सदस्य की बात आपको सोचने पर मजबूर कर सकती है।

सिंह : आज नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आएगी। ऑफिस में आपकी बात सुनी जाएगी और जिम्मेदारी मिल सकती है। करियर में आगे बढ़ने के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

कन्या : आज जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें संभाल लेंगे। करियर में मेहनत का असर दिखने लगेगा। सेहत पर ध्यान दें।

तुला : आज काम को लेकर फोकस रहेगा। जो काम अधूरे थे, उन्हें पूरा करने का मौका मिलेगा। ऑफिस में सीनियर आपकी मेहनत से खुश हो सकते हैं।

वृश्चिक : आज नए विचार और योजनाएं मन में आएंगी। कामकाज में कुछ अलग करने की सोच रहे हैं तो समय अनुकूल है। दोस्तों और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

धनु : आज संतुलन बनाकर चलना जरूरी रहेगा। काम और निजी जीवन दोनों में तालमेल बनाना होगा। खर्च सोच-समझकर करें।

मकर : आज अंदरूनी ताकत और आत्मविश्वास महसूस करेंगे। करियर से जुड़ा कोई बड़ा फैसला लेने का मन बनेगा।

कुंभ : भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। यात्रा या किसी नए अवसर के योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

मीन : आज मन शांत और संवेदनशील रहेगा। रचनात्मक कामों में मन लगेगा। करियर में धीरे-धीरे सुधार के संकेत हैं। पैसों के मामले में जोखिम न लें।

आज का पंचांग: 12 जनवरी सोमवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **भद्रा :** रात्रि के 02:02 से 13 जनवरी को दोपहर 03:18 तक। **विशेष :** शुक्र मकर राशि में और मकर के नवमांश में । विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, हेमंत ऋतु माघ कृष्ण पक्ष की नवमी 12 घंटे 44 मिनट तक तत्पश्चात दशमी स्वाती नक्षत्र 21 घंटे 06 मिनट तक, तत्पश्चात विशाखा नक्षत्र धृति योग 18 घंटे 13 मिनट तक, तुला में चंद्रमा।

कलारा इच्छापूर्ण महादेव मंदिर पारुआ में हिंदू सम्मेलन आयोजित, जागरूकता का दिया संदेश

हिंदू सम्मेलन आयोजितः आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर एकजुटता पर जोर

बैरसिया। रविवार को जिला भोजपुर खंड जगदीशपुर के मंडल कलारा में इच्छा पूर्ण महादेव मंदिर प्रांगण मैं एक विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया यह सम्मेलन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इसमें संघ की उपलब्धियों और कार्यों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पर्वत सिंह राजपूत विभाग सेवा प्रमुख, सूरज पाठक भागवत के वद्वान ,अखिलेश मीना जिला सेवा प्रमुख जिला भोजपुर, राजीव शर्मा, देवेश भार्गव रामायण के ज्ञाता, बंशीदास जी महाराज शिव मंदिर महंत द्वारा मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य पर्वत सिंह राजपूत ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू समाज को एकजुट करने के लिए जातिगत भेदभाव मिटाना आवश्यक है। उन्होंने सभी हिंदुओं को एक मानने और सांस्कृतिक व आध्यात्मिक मूल्यों के आधार पर संगठित होने पर जोर दिया। श्री भार्गव ने कहा कि आरएसएस जैसे संगठन सनातन धर्म और भारत के उत्थान के लिए सभी को एकजुट करने का आह्वान कर रहे हैं, ताकि जाति, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत विश्व गुरु बन सके। सूरज जी पाठक ने कहा कि इस देश के मूल निवासी हिंदू हैं, जो सनातन धर्म का सम्मानपूर्वक पालन करते आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि विश्व में हर सातवां व्यक्ति हिंदू है, लेकिन इसके बावजूद हिंदुओं का कोई अलग राष्ट्र नहीं है, जबकि अन्य धर्मों के कई देश हैं। अखिलेश मीना ने हिंदू धर्म में अहिंसा की भावना और कण-कण में ईश्वर के दर्शन की बात पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के संयोजक ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य हिंदू संगठनों को एकजुट करना और धर्म व संस्कृति के बचाव पर चर्चा करना था। कार्यक्रम का आयोजन सकल हिंदू समाज आयोजन समिति द्वारा किया गया। संचालन मनोज समाधिया ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष तीरथ सिंह मीना सहित क्षेत्र के सभी हिंदू उपस्थित रहे।

मैदान से हटकर

पोर्न स्टार केंड्रा लस्ट ने कोहली के साथ पोस्ट किया फोटो वायरल हुआ

महान भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली भले ही खबरों से दूर रहना पसंद करते हैं लेकिन खबरें उनका पीछा नहीं छोड़ती हैं। हाल ही में वह फिर खबरों में बने हुए हैं, इस बार मैच नहीं बल्कि पोर्न स्टार इसकी वजह है। हाल ही में पोर्न स्टार केंड्रा लस्ट ने कोहली के साथ फोटो पोस्ट कर तहलका मचा दिया है। केंड्रा लस्ट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उन्होंने विराट कोहली के साथ की फोटो शेयर की है। ये तस्वीरें सामने आते ही क्रिकेटर के फैंस का दिमाग घूम गया और उन्होंने रिएक्शन देना शुरू कर दिया। केंड्रा लस्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर शेयर की है, उसमें वह विराट कोहली के साथ नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, अचानक हुई मुलाकातें हमेशा अच्छी होती हैं। ये एक प्रेरणा है और सच में डाउन टू अर्थ है। केंड्रा लस्ट और विराट कोहली की तस्वीर वायरल होते ही कमेंट की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा है, विराट कोहली ने अच्छा कवर ड्राइव खेला। एक यूजर ने लिखा है, ये क्या है। एक यूजर ने लिखा है, अच्छा यही कारण है कि विराट कोहली इंडिया से शिफ्ट हो गए। एक यूजर ने लिखा है, अनुष्का भाभी मैं तो ना सहता। केंड्रा लस्ट और विराट कोहली की तस्वीर तमाम लोगों को हजम नहीं हुई और इसकी सच्चाई पता की गई तो एआई जेनरेटेड निकली। इस तरह केंड्रा लस्ट के द्वारा विराट कोहली संग शेयर की गई तस्वीर में कोई सच्चाई नहीं है। दोनों की कोई मुलाकात नहीं हुई है। केंड्रा लस्ट की सोशल मीडिया पोस्ट देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। उनको 85 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। (जेएनएन)

खेल एक नजर

पाकिस्तान ने दिया बांग्लादेश के मुकाबले होस्ट करने का ऑफर

नई दिल्ली, जेएनएन। बांग्लादेशी क्रिकेट टीम ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने मुकाबले भारत में खेलने से इनकार कर दिया था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को पत्र लिखकर गुजारिश की है कि उसकी टीम के मुकाबले श्रीलंका में शिफ्ट किए जाएं। आईसीसी ने अब तक कोई रिस्पॉन्स नहीं किया। बीसीबी ने यह कदम मुस्ताफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से रिलीज करने के बाद उठाया था। बीसीबी एक तरह से खुन्नस निकाल रहा है। अब पूरे विवाद में पाकिस्तान की एंट्री हो गई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि यदि श्रीलंका बांग्लादेश के टी20 वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी के लिए उपलब्ध नहीं होता है, तो वो मुकाबले होस्ट करने के लिए तैयार है। एक रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है। सूत्रों ने बताया कि टी20 वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी के लिए पाकिस्तान के सभी मैदान पूरी तरह से तैयार हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि पीसीबी पहले ही सफलतापूर्वक आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2025 जैसे बड़े इवेंट्स का आयोजन करा चुका है, ऐसे में इन मैचों को भी सुचारू तरीके से आयोजित करने में सक्षम है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 4 जनवरी को स्पष्ट कर दिया था कि वह भारत में टी20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने नहीं आएगा। यह निर्णय तब आया, जब स्टार गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान केकेआर ने बीसीआई के निर्देश पर अपनी टीम से रिलीज कर दिया था।

भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का पहला मैच, भारतीय टीम ने 1-0 से बढ़त हासिल की

हाईस्कोरिंग मुकाबले में टीम इंडिया ने कीवियों को 4 विकेट दी शिकस्त, कोहली शतक से चूके

वड़ोदरा, जेएनएन। भारत ने न्यूजीलैंड को वड़ोदरा में खेले गए पहले वनडे में 4 विकेट से हराया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 300 रन बनाए, इसके जवाब में भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत मिली लेकिन अंतिम ओवरों में लगातार अंतराल पर विकेट गंवाने के कारण भारतीय टीम दबाव में पहुंच गई थी। भारत ने 49वें ओवर में 6 विकेट पर 306 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत की ओर से पूर्व कप्तान विराट कोहली ने सर्वाधिक 93 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने 4 विकेट लिए। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

रोहित और राहुल ने दिखाया दम

301 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने धीमी शुरुआत की थी लेकिन फिर गियर बदले और रन बटोरे। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 9वें ओवर में 29 गेंद में 26 रन बनाकर कैच आउट हुए। इसके बाद विराट कोहली और शुभमन गिल के बीच दूसरे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी हुई। भारतीय कप्तान शुभमन गिल 71 गेंद में 56 रन बनाकर पवेलियन लौटे। गिल के आउट होने के बाद श्रेयस अय्यर और विराट कोहली ने तेजी से रन बटोरे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी हुई। विराट कोहली 91 गेंद में 93 रन बनाकर आउट हुए। वह शतक से चूक गए।

रोहित ने तोड़ा गेल का रिकॉर्ड

रोहित शर्मा (26 रन) इस पारी में दूसरा छक्का लगाते ही वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ओपनर बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के 328 छक्के मारने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रोहित के नाम अब बतौर ओपनर 193 वनडे मैच में 329 छक्के हो गए हैं। हर बैटिंग पोजिशन को मिलाकर रोहित शर्मा पहले ही वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर हैं। उनके नाम अब तक 357 छक्के हैं।

28000 रन का पहाड़ पार करने वाले कोहली दूसरे बैटर

कोहली ने संगकारा को पीछो छोड़ा विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। 42वां रन बनाते ही श्रीलंका के कुमार संगकारा (28016 रन) को पीछे छोड़ दिया है। कोहली से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर (34357 रन) हैं।

5 पारियों में लगातार फिफ्टी लगाने इकलौते क्रिकेटर: विराट कोहली ने शानदार 93 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान कोहली ने 8 चौके औक एक छक्के लगाए। दाएं हाथ के दिग्गज बल्लेबाज ने वनडे क्रिकेट में पिछली लगातार पांच पारियों में 50 से अधिक का स्कोर बनाकर इतिहास रच दिया है। विराट कोहली अब दुनिया के इकलौते ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने वनडे क्रिकेट में 5 बार लगातार 5 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया है।

पुरुष टीम की जर्सी पहन भारतीय महिला क्रिकेटर्स ने सूर्या ब्रिगेड को किया चीयर

नई दिल्ली, जेएनएन। इस साल के पुरुष टी20 विश्व कप के आधिकारिक प्रसारक जियोस्टार ने बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट के लिए एक शानदार और अलग अंदाज़ की प्रमोशनल कैंपेन पेश कर व्यापक प्रशंसा बटोरी है। यह टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने जा रहा है। पहली बार ऐसा हुआ है कि 20 टीमों वाले टी20 विश्व कप के प्रचार के लिए भारत की विश्व कप विजेता महिला टीम की स्टार खिलाड़ियों को आगे किया गया है। इस बेहतरीन तरीके से तैयार किए गए प्रोमो में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा प्रमुख रूप से नजर आती हैं। महिला क्रिकेट की ये सितारे पूरे आत्मविश्वास के साथ यह भरोसा जताती हैं कि आईसीसी ट्रॉफी भारत में ही रहेगी। वीडियो में जेमिमा और शेफाली कहती हैं, 2 नवंबर 2025 को एक सपना सच हुआ। लेकिन अब फिर से मैदान में उतरने का वक्त है, फिर से दहाड़ने का वक्त है और एक बार फिर अपने झंडे लहराने का वक्त है।

कोस्तयुक को हराकर सबालेंका ने ब्रिसबेन इंटरनेशनल फाइनल जीता

ब्रिसबेन, जेएनएन। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज एरीना सबालेंका ने रविवार को मार्ता कोस्तयुक को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार ब्रिसबेन इंटरनेशनल का खिताब अपने नाम किया जो उनकी कुल मिलाकर 22वीं ट्रॉफी है। यह लगातार तीसरा साल था जब सबालेंका फाइनल में पहुंचीं और बेलारूस की इस खिलाड़ी ने पैट रैफ्टर एरिना में सिर्फ एक घंटे 17 मिनट में 6-4, 6-3 से जीत हासिल की ब्रिसबेन इंटरनेशनल 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक तैयारी टूर्नामेंट है। कोस्तयुक ने शुरुआत में ही सबलेंका की दूसरी सर्विस पर आक्रामक खेल दिखाया और शानदार ड्रॉप शॉट्स से शुरुआती ब्रेक हासिल कर लिया। बेलारूस की खिलाड़ी वापसी शानदार खेल से वापसी करने में ज्यादा समय नहीं लिया। उनके जोरदार बेसलाइन रैलियों का कोस्तयुक के पास कोई जवाब नहीं था। सबलेंका ने दूसरे सेट में अपनी गति बढ़ाते हुए दमदार ग्राउंड स्ट्रोक और ड्रॉप शॉट्स के मिश्रण से यूक्रेन की खिलाड़ी को लगातार गलतियां करने पर मजबूर किया।

घुटने की सर्जरी: डब्ल्यूपीएल से बाहर हुईं यास्तिका भाटिया

नई दिल्ली, जेएनएन। विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में नहीं खेल पाएंगी। घुटने की लिगामेंट सर्जरी के बाद वह पूरी तरह फिट नहीं हो सकीं। उन्हें पिछले साल हुए मिनी ऑक्शन में गुजरात जायंट्स ने 50 लाख रुपए में खरीदा था। यास्तिका की इस सीजन में उपलब्धता पहले से ही संदिग्ध थी। उन्होंने अक्टूबर 2025 में घुटने की लिगामेंट सर्जरी करवाई थी। डब्ल्यूपीएल प्रबंधन ने नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों को स्पष्ट कर दिया था कि यदि यास्तिका को खरीदा जाता है और वह टूर्नामेंट से बाहर होती हैं, तो टीम को उनका रिप्लेसमेंट लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बावजूद गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स ने उन पर बोली लगाई।

बेंसिच ने यूनाइटेड कप फाइनल में स्विट्जरलैंड को बढ़त दिलाई

सिडनी, जेएनएन। बेलिंडा बेंसिच ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियातेक को 3-6, 6-0, 6-3 से हराकर यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पोलैंड पर स्विट्जरलैंड को बढ़त दिला दी। मौजूदा सत्र के आखिर में संन्यास लेने वाले स्विस दिग्गज स्टेन वावरिंका को रविवार को ह्यूबर्ट हुरकाज से भिड़ना है जिसमें पोलैंड के खिलाड़ी को अपने देश को मुकाबले में बनाए रखने के लिए जीतना जरूरी होगा। बेंसिच ने इस हफ्ते अपने सभी चार एकल और चार मिश्रित युगल मैच जीते थे। उन्होंने स्वियातेक के खिलाफ मैच से पहले दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ अपने पिछले पांच मैच गंवाए थे। ऐसा लग रहा था कि यह क्रम जारी होगा क्योंकि स्वियातेक ने मजबूत शुरुआत करते हुए पहला सेट 6-3 से जीत लिया। लेकिन दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी बेंसिच ने दूसरे सेट की शुरुआत में लगातार नौ अंक जीतकर मैच का रुख बदल दिया और 33 मिनट के सेट जीतकर मैच को बराबर कर दिया। निर्णायक तीसरे सेट में स्वियातेक ने लगातार दो ऐस लगाकर दो मैच प्वाइंट बचाए लेकिन उन्हें 36 सहज गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा।

मोलेइरो के शानदार प्रदर्शन से विलारियल ने ला लिगा लीग में एलवेस को 3-1 से हराया

बार्सिलोना, जेएनएन। अल्बर्टो मोलेइरो की शानदार खेल से विलरियाल ने ला लिगा मैच में एलवेस को 3-1 से हराकर लीग तालिका में तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कैनरी द्वीप समूह के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने मध्यांतर के बाद मैच का पहला और मौजूदा सत्र का अपना आठवां गोल दागा। अनुभवी स्ट्राइकर गेरार्ड मोरेनो ने 55वें मिनट में घरेलू टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। मोलेइरो ने इसके बाद टीम के तीसरे गोल की नींव रखी, जब उन्होंने दो डिफेंडरों के बीच से सटीक पास निकालकर जॉर्जिया के स्ट्राइकर जॉर्जेस मिकाउतादजे के लिए मौका बनाया। मिकाउतादजे ने गोल कर टीम को 3-0 से आगे कर दिया। एलवेस की ओर से टोनी मार्टिनेज ने 85वें मिनट में गोल कर हार के अंतर कम किया।

मुंबई मैराथन में भाग लेंगे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय धावक

मुंबई, जेएनएन। पिछले चरण के उप विजेता मेरहावी केसेटे (पुरुष वर्ग) और इथियोपिया की मेडिना डेमे आर्मिनो (महिला वर्ग) सहित एलीट एथलीट 18 जनवरी को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन में हिस्सा लेंगे जो विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेबल की रोड रेस है। यह मुंबई मैराथन का 21वां सत्र है जिसमें पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में पहले तीन स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 50000, 25000 और 15000 डॉलर की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा जो भी अपने वर्ग में मौजूदा स्पर्धा का रिकॉर्ड तोड़ेगा, उसे 15000 डॉलर दिए जाएंगे। केसेटे पिछले साल बेरहाने टेसफे से पीछे दूसरे स्थान पर रहे थे।

डब्ल्यूपीएल : दिल्ली दूसरा मैच भी हारी

गुजरात ने 4 रन से हराया

नवी मुंबई, जेएनएन। दिल्ली कैपिटल्स को विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे सीजन में लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है। उसे रविवार को गुजरात जायंट्स ने 4 रन के करीबी अंतर से हराया। डी वाई पाटील स्टेडियम में 210 रन का टारगेट चेज कर रही दिल्ली 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रन ही बना सकी। लौरा वोलवार्ट ने 77 रन बनाए। लिजेल ली ने 86 रन की पारी खेली। सोफी डिवाइन और राजेश्वरी गायकवाड ने 2-2 विकेट झटके। गुजरात जायंट्स ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 209 रन बनाए। जोकि टीम का हाईएस्ट स्कोर है। ओपनर सोफी डिवाइन ने महज 42 गेंद पर 95 रन बनाए। कप्तान एश्ले गार्डनर ने 49 रन बनाए। दिल्ली की ओर से नंदनी शर्मा ने हैट्रिक समेत 5 विकेट लिए। श्री चरणी और शिनेल हेनरी को 2-2 विकेट मिले।

आखिरी ओवर में 2 विकेट गिरे, 7 रन नहीं बना सकी दिल्ली- मैच के आखिरी ओवर में दिल्ली को 7 रन की जरूरत थी। लौरा वोलवार्ट और जेमिमा रॉड्रिग्ज क्रीज पर थीं। इसके बावजूद टीम 7 रन नहीं बना सकी। सोफी डिवाइन ने इसे ओवर में दो विकेट झटके। 18वें ओवर में लौरा वोलवार्ट ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने एश्ले गार्डनर के ओवर में 3 चौके लगाए और अर्धशतक पूरा किया।

सिटी स्पोर्ट्स

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल : मैनिट में दिखा उत्साह

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) परिसर में रविवार की सुबह फिटनेस का एक अनूठा उत्सव देखने को मिला। फिट इंडिया संडे? ऑन साइकिल के 56वें संस्करण ने भोपाल को आंदोलन, संगीत और प्रेरणा के एक जीवंत उत्सव में बदल दिया। सूरज उगने से काफी पहले ही, पूरा परिसर फोन की फ्लैशलाइट, सेल्फी की क्लिक, लयबद्ध संगीत और उत्साहपूर्ण नारों से गूंज उठा। नागरिक यहाँ न केवल साइकिल चलाने के लिए, बल्कि फिटनेस का जश्न मनाने के लिए जुटे थे। इस आयोजन में 1,200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिससे मैनिट परिसर स्वास्थ्य और सामुदायिक भावना का केंद्र बन गया। जुम्बा इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जिसकी थिरकती धुनों ने भीड़ को अपनी ओर खींचा। साथ ही, रस्सी कूद (रोप स्किपिंग), योग और विभिन्न संवादात्मक फिटनेस गतिविधियों ने यह सुनिश्चित किया कि हर आयु वर्ग के लिए यहाँ कुछ न कुछ खास हो। इस कार्यक्रम मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने भी शामिल हुए। उन्होंने अभिनेत्री पायल रोहतगी और ओलंपियन जूडो खिलाड़ी गरिमा चौधरी सहित कई प्रतिष्ठित एथलीटों के साथ साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण के उप महानिदेशक मयंक श्रीवास्तव और क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक चौहान भी उपस्थित रहे।

बैडमिंटन: रयान, अमिताभ, राघवी सेमीफाइनल में पहुंचे

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। रयान, अमिताव, राघवी, हर्षित, बिश्वजीत यहां खेली जा रहे 11वें भोपाल लाल परेड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमी फाइनल में पहुंचे गए हैं।

स्पर्धा भोपाल डिस्ट्रिक्ट बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वाधान में लाल परेड ग्राउंड स्पोर्ट्स क्लब द्वारा पुलिस जिम्नेजियम हॉल, जहांगीराबाद में आयोजित की जा रही है। ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंटप्रतियोगिता के तीसरे दिन बालक अंडर 11 एकल में रयान ठाकुर ने उपराज सिंह को कांटे के मुकाबले में 15-14, 11-15, 15-12 से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। दोनों खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। वहीं बालिका अंडर 13 एकल के क्वार्टर फाइनल में राघवी ने आसानी से रुद्रांशी को सीधे गेमों में 15-4, 15-3 से हराया।

कयाकिंग कैनोइंग अस्मिता लीग पर भोपाल क्वींस का कब्जा

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। कयाकिंग कैनोइंग अस्मिता लीग चैंपियनशिप राजधानी के छोटे तालाब पर आयोजित हुई। प्रदेश भर की टीमों ने आइपीएल की तर्ज पर भागीदारी की। भोपाल क्वींस ने छह स्वर्ण, चार रजत व एक कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर ओवरआल चैंपियनशिप पर अधिकार जमाया। भारतीय कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ एवं भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वाधान में मप्र कयाकिंग एवं कैनॉनिंग संघ द्वारा यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। पहले दिन 200 मीटर की रेस हुई वहीं दूसरे दिन 500 मीटर की रेस आयोजित की गई। दूसरे दिन छह इवेंट के फाइनल मुकाबले खेले गए। दूसरे दिन के-1 में जबलपुर वारियर्स की रूकमणी दांगी ने स्वर्ण, भोपाल क्वींस की मानवी जाट ने रजत व सागर प्रिंसेस की रिषिका वर्मा ने कांस्य पदक जीता। के-2 में भोपाल क्वींस की चंद्रकला कुशवाहा-मोनिका की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। जबलपुर वारियर्स की प्रांशी रजक-माही रावत ने रजत व सागर प्रिंसेस की पायल वर्मा-दीपा की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। के-4 में नर्मदा क्वींस की चौकड़ी दिव्यांशी राठौर, मीना देवी, आस्था दांगी व दीपाली ने स्वर्ण, भोपाल क्वींस की मानवी, चंद्रकला, स्वाति गुप्ता व मोनिका ने रजत तथा जबलपुर वारियर्स की रुक्मणी, प्रांशी , माही व नीलू वर्मा ने कांस्य पदक जीता। इसी तरह सी-1 में भोपाल क्वींस की प्रगति शर्मा ने स्वर्ण, जबलपुर वारियर्स की माही साहू व इंदौर टाइटंस की विश्वजीत ने कांस्य पदक जीता। सी-2 में भोपाल क्वींस की जानकी- दिव्यानी डुगर ने स्वर्ण, इंदौर टाइटंस की परमिंदर कौर-मनीषा ने रजत व जबलपुर वारियर्स की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। सी-4 में इंदौर टाइटंस की मनीषा, नीतू वर्मा, विश्वजीत व परमिंदर कौर की चौकड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। भोपाल क्वींस की प्रगति शर्मा, कनुप्रिया राजपूत, जानकी लावनिया व दिव्यानी डुगर ने रजत तथा जबलपुर वारियर्स की शिवकन्या वर्मा, प्रीतिपाल, विचित्रा गुप्ता की चौकड़ी ने कांस्य पदक जीता।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि की टीम वेस्ट जोन बैडमिंटन में सेकेंड रनरअप बनी

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल की पुरुष बैडमिंटन टीम ने वेस्ट जोन बैडमिंटन टूर्नामेंट (पुरुष वर्ग) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेकेंड रनर-अप का स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही आरएनटीयू की टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। नॉकआउट मुकाबलों में आरएनटीयू की टीम ने प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन करते हुए एलएनसीटी यूनिवर्सिटी भोपाल को 3-0, जीवाजी यूनिवर्सिटी ग्वालियर को 3-0 और एलएनआईपी यूनिवर्सिटी ग्वालियर को 3-0, कोटा यूनिवर्सिटी को 3-1, शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर को 3-0, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठावाड़ा यूनिवर्सिटी को 3-1 से पराजित किया। आरएनटीयू पुरुष बैडमिंटन टीम में मृदुल भिरयानी (बीबीए द्वितीय वर्ष), अगद बवेजा (बीबीए द्वितीय वर्ष), अस्मित श्रीवास्तव (बीबीए द्वितीय वर्ष), आशय कर्दे (बीए तृतीय वर्ष), विनय शर्मा (बीकॉम तृतीय वर्ष), यशपाल यादव (बीपीईएस तृतीय वर्ष) तथा उज्जवल गोयल (बीपीईएस प्रथम वर्ष) ने शानदार प्रदर्शन कर टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अनुराग की कप्तानी पारी से जनसंपर्क की लगातार जीत, हमीदिया स्पोर्ट्स भी जीती

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। अनुराग की कप्तानी पारी की मदद से जनसंपर्क ने टाइम्स ऑफ इंडिया को 25 रनों से हराकर 31वें आईईएस-डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। दिन के दूसरे मैच में हमीदिया स्पोर्ट्स ने जनचर्चा को दो विकेट से हराया। बाबे आली मैदान पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में रविवार को पहले मैच में जनसंपर्क ने तीन विकेट पर 192 रन बनाए। इसमें अजीत चाको ने 57, अखिल 53 , और अनुराग उइके ने 43 रन बनाए। टाइम्स की ओर से दुष्यंत अजय और प्रणव को 1-1 विकेट मिले। जवाब में टाइम्स ऑफ इंडिया 7 विकेट पर 167 रन बना सकी। उसकी ओर से अजय सिंह ने 85 रन बनाए। अक्षय 28 रन बना सके। राहुल पाल और लोकेश को 2-2 विकेट मिले। अनुराग उइके और शुभम को एक-एक विकेट मिले। अनुराग उइके मानसरोवर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। जबकि अजय सिंह आरएनटीयू मोस्ट वेल्युएबल प्लेयर बने। उन्हें मप्र रणजी टीम के पूर्व कप्तान सुहैल अंसारी, जनसंपर्क के डीपी शर्मा और अरविंद सावनेर ने पुरस्कृत किया। दूसरे मैच में जनचर्चा ने सात विकेट पर 199 रन बनाए। इसें रवि ने 44, जोंटी ने 41 और सौरभ राजपूत ने 40 रन बनाए। मोहित तंवर ने चार विकेट लिए। मुदस्सर आलम को दो विकेट मिले। जवाब में हमीदिया स्पोर्ट्स ने आठ विकेट पर जरूरी रन बना लिए। उसकी ओर से आदित्य मजूमदार ने 87 रनों की पारी खेली। दानिश ने 35 और मोहित ने 23 रन बनाए। सौरभ राजपूत को तीन विकेट मिले। मोहित तंवर मानसरोवर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

सीबीओए सीपीएल क्रिकेट लीग में भोपाल बनी विजेता रायपुर रीजनल उपविजेता रही

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। राजधानी के अंकुर मैदान पर शनिवार को सीबीओए सीपीएल की 5वीं क्रिकेट लीग प्रतियोगिता खेली गई। इसमें केनरा बैंक के भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर रीजनल ऑफिस के साथ ही भोपाल अंचल तथा भोपाल जेड आई की टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में भोपाल रीजनल ऑफिस विजेता और रायपुर उपविजेता रहा। मैन ऑफ द सीरीज़ और बेस्ट बैट्समैन अंकित सिरोही और बेस्ट बॉलर का खिताब सैयम को दिया गया। मुख्य अतिथि आईएफसीआई के एमडी और सीईओ राहुल भावे विशिष्ट अतिथि केनरा बैंक के उपमहाप्रबंक बलविंदर व रविचंद्रन थोटा ने विजेता और उपविजेता खिलाडियों को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने कहा सीबीओए सीपीएल सिर्फ खेल नहीं, यह जज़्बा है, जो साथ चलना, आगे बढ़ना और हर मैदान में जीतना सिखाता है। यही भावना सीबीओए को खास बनाती है। इस मौके पर सीबीओए जनरल सेक्रेटरी रवि कुमार, सीनियर वाइस चेयरमैन संजय गोयल, वाइस प्रेसिडेंट के.के. त्रिपाठी, मेंटर विभू जोशी और डीजीएस बी के उपाध्याय मौजूद रहे।

ट्रंप को बताया गया ईरान पर हमले का प्लान, फैसला बाकी

तेहरान में हाई अलर्ट, 100 से ज्यादा शहरों में आंदोलन, 2600 से ज्यादा गिरफ्तार

तेहरान, जेएनएन। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई के विकल्पों की ब्रीफिंग दी है। यदि ईरानी सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और सख्ती बरतती है तो ट्रंप सैन्य कदम उठाने पर विचार कर सकते हैं, हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'ईरान आजादी की ओर देख रहा है और अमेरिका मदद के लिए तैयार है।'

इधर, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। अब तक 2600 से ज्यादा प्रदर्शनकारी गिरफ्तार हो चुके हैं। अमेरिकी हमले की आशंका के बीच इजराइल हाई अलर्ट पर है।

ट्रंप को बहुमत खोने का डर

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप की यह रणनीति घरेलू राजनीति से भी जुड़ी हो सकती है। साल के अंत में होने वाले मिड-टर्म चुनावों से पहले रिपब्लिकन पार्टी को संसद में बहुमत खोने का डर है। ऐसे में अर्थव्यवस्था से ध्यान हटाने के लिए कोई बड़ा राष्ट्रवादी कदम उठाने की कोशिश की जा रही है।

28 दिसंबर से शुरू हुए प्रदर्शन

दिसंबर 2025 के अंत में महंगाई, बेरोजगारी और ईरानी मुद्रा के गिरते मूल्य के विरोध से शुरू हुआ आंदोलन अब 100 से ज्यादा शहरों तक फैल चुका है। 7 जनवरी से इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद हैं। इसके बावजूद तेहरान, तबरेज, मशहद और कुर्दिश इलाकों में हिंसक झड़पें जारी हैं।

वेनेजुएला में अमेरिकी एक्शन से कनाडा में चिंता

वॉशिंगटन डीसी। वेनेजुएला में अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद कनाडा में भी आशंका और बेचैनी का माहौल गहराता जा रहा है। कनाडाई विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ट्रंप की धमकियों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। उनका मानना है कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका सीधी कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटेगा। इस बीच, ट्रंप के पुराना बयान जिनमें उन्होंने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने तक की बात कही चर्चा में है।

संसद में गूंजे 'डेथ टू अमेरिका' के नारे

ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर घालीबाफ ने अमेरिका और इजरायल को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका ने ईरान पर सैन्य हमला किया, तो इजरायल और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने ईरान के लिए 'वैध निशाना' होंगे। यह बयान ईरान की संसद के एक हंगामेदार सत्र के दौरान आया, जहां कई सांसदों ने मंच के पास पहुंचकर 'डेथ टू अमेरिका' के नारे लगाए।

कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

ईरान में तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुके देशव्यापी सरकार विरोधी प्रदर्शनों का असर अब अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर भी साफ दिखने लगा है। सुरक्षा हालात और इंटरनेट सेवाओं के पूर्ण ठप होने के कारण ईरान आने-जाने वाली कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें या तो रोक दी गई हैं या रद्द कर दी गई हैं। उड़ानें रद्द करने वाली एयरलाइनों में यूएई की फ्लाईदुबई, एमिरेट्स और एतिहाद एयरवेज शामिल हैं।

इजराइल में नेतन्याहू से इस्तीफे की मांग

इधर इजराइल में गाजा युद्ध पर जनता का गुस्सा सड़कों पर दिखाई देने लगा है। राजधानी तेल अवीव में हजारों नागरिक पीएम नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन करने उतरे और उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने 7 अक्टूबर 2023 के हमले की जांच के लिए स्वतंत्र राज्य आयोग गठित करने की मांग की।

ईरान पर हमला हुआ तो एकजुट हो सकते हैं मुस्लिम देश

तेहरान, जेएनएन। पश्चिम एशिया में हालात तेजी से तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। विश्लेषकों और क्षेत्रीय कूटनीतिक संकेतों के मुताबिक, यदि ईरान पर किसी भी तरह का सैन्य हमला होता है, तो इसके खिलाफ कई मुस्लिम देश एकजुट होकर खड़े हो सकते हैं। यह आशंका ऐसे समय में जताई जा रही है, जब अमेरिका और इजराइल के साथ टकराव की संभावनाएं बढ़ी हुई हैं और ईरान ने साफ कहा है कि हमले की स्थिति में जवाब सीमित नहीं रहेगा। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, ईरान को सीधे सैन्य समर्थन देने की सार्वजनिक घोषणा बहुत कम देशों ने की है, लेकिन कई मुस्लिम देश राजनीतिक, कूटनीतिक और अप्रत्यक्ष रणनीतिक समर्थन के संकेत दे चुके हैं। इनमें इराक, सीरिया और लेबनान जैसे देश शामिल बताए जाते हैं, जहां ईरान समर्थक गुटों की मजबूत मौजूदगी है। माना जा रहा है कि हमला होने पर यह समर्थन सक्रिय रूप ले सकता है। अरब देशों के संदर्भ में, ईरान और कुछ खाड़ी देशों के बीच हाल के वर्षों में रिश्तों में नरमी आई है। सऊदी अरब और ईरान के बीच चीन की मध्यस्थता से बहाल हुए राजनयिक संबंधों को क्षेत्रीय संतुलन के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

यामी गौतम की फैन बनीं आलिया भट्ट

तारीफ सुन फूली नहीं समाईं 'हक' एक्ट्रेस

मुंबई, जेएनएन। बॉलीवुड में अक्सर प्रतिस्पर्धा की बातें होती हैं, लेकिन हाल ही में एक ऐसा पल सामने आया जिसने इंडस्ट्री में आपसी सम्मान और सराहना की मिसाल पेश की। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने यामी गौतम की फिल्म हक में उनके अभिनय की खुलकर तारीफ करते हुए खुद को उनकी फैन बताया है। आलिया की इस सराहना से यामी गौतम बेहद भावुक हो गईं। आलिया भट्ट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म 'हक' से यामी की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'क्वीन यामी गौतम- आप 'हक' में कमाल की कलाकार हैं। आपके अंदर सच्ची कला है, दिल है और कुछ बेहद खास है। यह अब तक की मेरी सबसे पसंदीदा महिला परफॉर्मेंस में से एक है। जैसा कि मैंने आज सुबह फोन पर भी कहा, मैं आपकी बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले हर काम का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।' आलिया की पोस्ट पर यामी गौतम ने भी बेहद भावुक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'किसी शानदार कलाकार और अच्छे इंसान को पहचानने के लिए खुद भी ऐसा ही होना जरूरी है। आपकी सराहना ने मेरा दिन बना दिया। आज सुबह हमारी बातचीत बहुत प्यारी रही।

ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए अहम, रूस और चीन की भी है नजर

सुरक्षा, संसाधन और वैश्विक संतुलन के बीच उलझा दुनिया का सबसे ठंडा इलाका

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच ग्रीनलैंड अंतरराष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में है। अमेरिका की ग्रीनलैंड पर बढ़ती दिलचस्पी के पीछे सिर्फ जमीन का सवाल नहीं, बल्कि सुरक्षा, संसाधन और भविष्य की वैश्विक ताकत का संतुलन जुड़ा हुआ है। ग्रीनलैंड का सबसे बड़ा महत्व उसकी भौगोलिक स्थिति है। यह उत्तर अमेरिका और यूरोप के बीच स्थित है और आर्कटिक महासागर पर रणनीतिक नियंत्रण देता है। यहां पहले से ही अमेरिका का थुले एयर बेस मौजूद है, जो मिसाइल चेतावनी प्रणाली और अंतरमहाद्वीपीय निगरानी के लिए अहम माना जाता है। ग्रीनलैंड पर मजबूत पकड़ से वह रूस और चीन की गतिविधियों पर सीधी नजर रख सकता है।

- **रेयर अर्थ का भंडार:** चीन के हित ग्रीनलैंड में मुख्य रूप से आर्थिक हैं। ग्रीनलैंड में रेयर अर्थ मिनरल्स, यूरेनियम और अन्य कीमती संसाधनों के बड़े भंडार माने जाते हैं। चीन पहले से ही वैश्विक रेयर अर्थ सप्लाई पर प्रभुत्व रखता है। ग्रीनलैंड उसकी आपूर्ति श्रृंखला को और मजबूत करेगा। आर्कटिक में बर्फ पिघलने से नई समुद्री व्यापारिक राहें खुल रही हैं, जिनमें चीन लंबी अवधि के फायदे देख रहा है।
- **रूसी सुरक्षा की फ्रंट लाइन:** रूस के लिए ग्रीनलैंड सामरिक और सैन्य दृष्टि से अहम है। रूस आर्कटिक को अपनी सुरक्षा की 'फ्रंट लाइन' मानता है और वहां सैन्य ठिकानों का विस्तार कर रहा है। अगर ग्रीनलैंड पर अमेरिका का प्रभाव बढ़ता है, तो रूस की आर्कटिक रणनीति को सीधी चुनौती मिल सकती है।
- **वैश्विक राजनीति की चाबी:** ग्रीनलैंड महज डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र नहीं, बल्कि भविष्य की वैश्विक राजनीति की चाबी बन चुका है। अमेरिका, चीन और रूस—तीनों के हित यहां टकराते हैं। यही वजह है कि ग्रीनलैंड आने वाले वर्षों में महाशक्तियों के बीच भू-राजनीतिक संघर्ष का अहम मैदान बन सकता है। अगर अमेरिका ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई करता है, तो इससे नाटो में गंभीर संकट पैदा हो सकता है।

ट्रंप क्यों चाहते हैं ग्रीनलैंड

ट्रंप लंबे समय से नाटो को 'अनुचित बोझ' बताते रहे हैं। उनका कहना है कि अमेरिका सबसे ज्यादा खर्च करता है, जबकि यूरोपीय देश रक्षा पर जीडीपी का 2 फीसदी खर्च करने का लक्ष्य पूरा नहीं करते।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड का कड़ा रुख: डेनमार्क ने चेतावनी दी है कि विदेशी हमले का तुरंत सैन्य जवाब दिया जाएगा। वहीं, ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नीलसन ने साफ कहा है कि 'हमारा देश बिकाऊ नहीं है।'

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 580/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

Requirement
TARANG Edu. Com
(1) Teaching-BSC, Msc-55 Post
(2) Non Teaching 12th Pass-12 Post
MEDI A3 Pharma-70 Post
12th, Bsc, Msc, B.A., M.A. M.Com
Call-9767652798, 9673096935, 7498587973
(11-1)

जबलपुर में क्रेन गिरने से बिजली के तार टूटे, लगा जाम

जागरण, जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र अंतर्गत इंजीनियरिंग कॉलेज के पास अमृत जल योजना के निर्माण कार्य के दौरान रविवार शाम को क्रेन अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में बिजली के तार टूट गए, क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लंबा जाम लग गया। हालांकि, इस हादसे में निर्माण कार्य में लगी क्रेन मशीन से किसी भी कर्मचारी या राहगीर को कोई चोट नहीं आई है। हादसे के कारण सड़क के दोनों ओर लंबा जाम लग गया।

कोचिंग जा रहे आठ वर्षीय मासूम पर झपटा स्ट्रीट डॉग

जागरण, ग्वालियर। कोचिंग जा रहे एक आठ वर्षीय मासूम पर स्ट्रीट डॉग ने अचानक हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्चे की जांघ को अपने जबड़ों में दबाकर उसे घसीटना शुरू कर दिया। घटना माधौगंज थाना क्षेत्र के लक्कड़खाना नाले के पास हुई। घटना के वक्त आसपास मौजूद लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे और किसी तरह कुत्ते को भगाकर बच्चे की जान बचाई। गंभीर रूप से घायल बच्चे को तत्काल जेएएच अस्पताल ले जाया गया।

"ट्वीट ऑफ द डे"

चिराग पासवान
केंद्रीय मंत्री

जब किसी नेता के पास कहने के लिए कुछ नहीं बचता, तो चुप्पी मजबूरी बन जाती है। राजद की चुप्पी उनकी कमजोरी और निराशा की निशानी है। जनादेश का इस तरह का अपमान ही उनके जनादेश की चोरी के आरोपों का कारण है। उनका आधार, उनका जनाधार छीन गया है। इसका कारण ही यही रहा है, जिस तरह से ये लोग लोकतंत्र नहीं तंत्र जीता की बात कर रहे हैं। वे अपनी हार का ठीकरा या तो ईवीएम पर फोड़ते हैं या एसआईआर पर।

बदमाश राजू ईरानी कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश, घर में घुसकर आगजनी मामले में सात दिन की रिमांड पर

कोर्ट परिसर में भारी पुलिस बल रहा मौजूद, गैंग के सदस्य व अन्य वारदातों के बारे में पुलिस करेगी पूछताछ

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल के कुख्यात बदमाश राजू ईरानी को भारी पुलिस बल के बीच रविवार को जिला कोर्ट में पेश किया। प्रोडक्शन वारंट पर राजू सूरत से भोपाल लाया गया है। यहां उसकी चार मामलों में गिरफ्तारी की गई। निशातपुरा पुलिस ने शाम सवा चार बजे उसे कोर्ट में पेश किया था। घर में घुसकर आगजनी (बीएनएस की धारा 326जी) के मामले में उसे सात दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है। इस धारा के तहत आजीवन कारावास की सजा तक का प्रावधान है। राजू ईरानी खुद को निर्दोष बताकर प्रापर्टी डीलर बोल रहा है। उसके खिलाफ मध्य प्रदेश समेत उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान जैसे स्थानों पर 8 अपराध दर्ज हैं। यह अपराध अपहरण, लूट, धोखाधड़ी और मारपीट के हैं, जिनमें पुलिस को उसकी तलाश थी।

पुल बोगदा पर मुन्ने ईरानी का था ठिया

मुन्ने ईरानी ने अपना एक ठिया पुल बोगदा अशोका गार्डन में 1984 में बनाया था। इनके बीच से दो लोग पत्रकार भी बने। टीनशेड के पास सरकारी मकान भी अलॉट करवा लिया था। गैस कांड का इन्होंने पैसा भी लिया। मुर्गी लड़वाना भी इनके पेशे में शामिल था, जिसमें पैसों की बोली लगती थी। एक तरह से घुक्कड़ जाति थी। मातमी जुलूस में भी ईरानी जो शिया हैं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने लगे। ईरानियों की पहले रेलवे स्टेशन के पास ही बसाहट थी। यह ट्रेन में सवार होकर चश्मा, इत्र बेचते थे। इन्होंने कभी ट्रेन का टिकट नहीं लिया। इनके डेरा भोपाल के अलावा इटारसी, पिपरिया और वर्ली महाराष्ट्र में हैं।

मोबाइल और पासपोर्ट के बारे में पूछताछ

सात दिन की रिमांड पर पुलिस ने आरोपी राजू ईरानी से उसके गैंग के अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ करेगी। वे कहां-कहां पर हैं और किन-किन वारदातों को उन्होंने अंजाम दिया है पुलिस को उसका मोबाइल नहीं मिला। मोबाइल के संबंध में पूछताछ की जाएगी। पासपोर्ट के संबंध में जानकारी जुटाई जाएगी। चूंकि राजू की विदेश यात्रा की भी जानकारी सामने आई थी इसलिए इस बिंदु पर भी छानबीन की जाएगी। पुलिस को अब काला ईरानी की तलाश है। पुलिस का कहना है कि राजू ईरानी बेहद शातिर किस्म का अपराधी है। पुलिस को गुमराह करने लगातार अलग-अलग कहानियां बता रहा है। यहां तक कि उसने स्वयं को डेरे का सरदार होने की बात से भी इनकार कर दिया है।

राजू को बीपी, सर्वाइकल की बीमारी

राजू ईरानी को ब्लड प्रेशर (बीपी), सर्वाइकल और पाइल्स की बीमारी है। रविवार देर शाम को मेडिकल करवाने के बाद उसे थाने में रखा गया। उसके पास कुछ दवाएं थीं, जिसे पुलिस ने डाक्टरों से चैक करवाया। इधर, राजू ईरानी की पत्नी तुन ईरानी ने कहा कि उनकी दुश्मनी जिन लोगों से है वे उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। डेरे में अच्छे भी लोग हैं। जो बुरे लोग हैं वे उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे खुद डेरे के लोगों से अपील करते हैं कि गलत काम छोड़ दो इसलिए लोग उनके दुश्मन बन गए।

सूरत क्राइम ब्रांच ने किया था गिरफ्तार

राजू ईरानी उर्फ आबिद अली को शुक्रवार को सूरत गुजरात क्राइम ब्रांच पुलिस ने लालगेट इलाके से गिरफ्तार किया था। जहां से निशातपुरा पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट कर लेकर भोपाल आई है। अमन कालोनी यानी ईरानी डेरा पर पुलिस की रेड के बाद वह फरार हो गया था। राजू ईरानी डेरा ईरानी का कुख्यात सरगना बताया जाता है। देश के 14 राज्यों में उसका अपराध का नेटवर्क है। राजू ने वर्ष 2006 में अपराध की दुनिया में कदम रखा। उसके खिलाफ पहला मामला दर्ज हुआ था। 20 साल से आरोपी नकली सीबीआई अफसर, अधिकारी, साधु के वेश में लूट, ठगी, हिसंक वारदात व जिंदा जलाने के प्रयास जैसे गंभीर मामलों को अंजाम देता रहा।

ईरानियों का भोपाल में इतिहास

भोपाल में ईरानी 1970 में आए। यह ईरान से नहीं हैं, शिया होने के कारण उन्हें ईरानी कहा जाता है। मूलत: मंगोलियन हैं लेकिन भोपाल में इन्हें मुंबई, महाराष्ट्र से आने का भी कयास लगाया जाता है। कयास इसलिए चूंकि हकीकत में इनका इतिहास किसी को पता नहीं है। रिटायर्ड डीएसपी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि वर्ष 1970 में रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर खाली पड़ी जमीन पर इन्होंने डेरा लगाया। तब इनकी संख्या कम थी। 15-20 डेरा होंगे। इनका मुखिया मुन्ने ईरानी था। बाद में डेरा प्रमुख उसका बेटा असलम हुआ। वर्ष 1990 में ईरानी ने इंदौर ट्रेवल्स के नाम से बस का कारोबार शुरू किया। दो ग्रुप बंट गए तो एक डेरा का प्रमुख अस्मत ईरानी हुआ। यह रेलवे स्टेशन पर चश्मा और इत्र बेचते थे। इनकी महिलाएं बाद में यहां पर चकरी गेम खिलवाने लगीं। अस्मत भानपुर करोंद चला गया। यहां से अमन कालोनी में बस गया। अमन कालोनी में करीब दो एकड़ विवादास्पद जमीन थी। इस जमीन के दस्तावेज तैयार करवाकर करीब चार एकड़ में यह बस गए। ईरानी के दो डेरा हो गए। अस्मत की बेटा आबिद अली उर्फ राजू ईरानी मुखिया बना। अवैध धंधे शुरू किए। थाना हनुमानगंज और निशातपुरा में इनके खिलाफ केस दर्ज हुए।

संक्षिप्त खबरें

शिल्पा और शमिता ने किए महाकाल के दर्शन

जागरण, उज्जैन। फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और शमिता शेट्टी ने उज्जैन स्थित ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए। दोनों बहने श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार रात शयन आरती में शामिल हुईं और विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक हिमांशु कारपेंटर ने शिल्पा शेट्टी और शमिता शेट्टी का स्वागत एवं सम्मान किया। दर्शन के बाद शिल्पा शेट्टी ने कहा कि महाकाल के दर्शन किसी की इच्छा से नहीं, बल्कि बाबा के बुलावे से ही होते हैं। उन्हें ऐसा लगा जैसे बाबा महाकाल का बुलावा आ गया हो, इसलिए वे तुरंत उज्जैन चली आईं। शिल्पा शेट्टी ने शयन आरती के अनुभव को अत्यंत अद्भुत बताते हुए कहा कि इसकी ऊर्जा को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है और वे पुनः दर्शन के लिए उज्जैन आना चाहेंगी। शमिता शेट्टी ने बताया कि यह उनकी महाकालेश्वर मंदिर की पहली यात्रा थी। उन्होंने कहा कि उन्हें महसूस हुआ कि आखिरकार बाबा का बुलावा आ गया। दर्शन के बाद उन्हें गहरी शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ।

मोबाइल चलाने पर डांट लगाई तो छात्र ने दी जान

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। रानी कमलापति आर्च ब्रिज से स्कूल के छात्र ने तालाब में छलांग लगा दी। गोताखोरों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद शव निकाला। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि देर रात छात्र मोबाइल चलाता रहता था। पिता ने उसे इसके लिए डांट दिया। इससे नाराज होकर उसने यह कदम उठाया है। पुलिस ने शव मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। तलैया पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब सवा सात बजे सूचना मिली थी कि रानी कमलापति आर्च ब्रिज से एक युवक ने छोटे तालाब में छलांग लगा दी है। सूचना मिलते ही पुलिस और नगर निगम के गोताखोर मौके पर पहुंच गए। गोताखोरों ने उसकी तलाश शुरू की। रात करीब सवा नौ बजे उसका शव मिला। मृतक की पहचान जहांगीराबाद निवासी नीरज मालवीय (18) के रूप में हुई। नीरज कक्षा दसवीं का छात्र था। पिछले साल दसवीं की परीक्षा में फेल हो गया था। मृतक के पिता ने पुलिस को बताया कि वह देर रात तक मोबाइल चलाता रहता था। इस बात को लेकर उसे डांट दिया था।

शूटर से दुष्कर्म केस में पुलिस को सबूत मिले

नई दिल्ली, जेएनएन। फरीदाबाद में 17 साल की नेशनल शूटर के यौन शोषण के मामले में आरोपी नेशनल कोच अंकुश भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। शुरुआती जांच में आरोपी के खिलाफ पुलिस के हाथ कुछ पुख्ता सबूत लगे हैं। महिला थाना इंचार्ज माया के मुताबिक, अभी तक की जांच में शूटर की शिकायत, मौके की स्थिति और टाइमलाइन मेल खा रही है। पीड़ित और आरोपी कोच के बीच की कड़ियां एक-दूसरे से मैच कर रही हैं। पुलिस ने फाइव स्टार होटल के सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इसमें शूटर के होटल में जाने के फुटेज मिले हैं। आरोपी कोच और लड़की के मोबाइल की लोकेशन भी मैच हुई हैं। दोनों की लोकेशन होटल में एक ही जगह की है। होटल के स्टाफ से भी इस केस को लेकर पूछताछ की है। 6 जनवरी को एनआईटी महिला थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद से कोच अंकुश भारद्वाज फरार है।

करोड़ों छोड़ आम इंसान की जिंदगी जीने निकला बिजनेसमैन का बेटा

मालपानी ग्रुप के वारिस ने परिवार, दौलत के बजाय प्यार को चुना

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित मालपानी ग्रुप के वारिस आशीष मालपानी ने वह कर दिखाया, जिसकी हिम्मत बहुत कम लोग जुटा पाते हैं। उन्होंने परिवार, दौलत और रुतबे के बजाय अपने प्यार को चुना। यह फैसला न सिर्फ उनकी जिंदगी बदल गया, बल्कि उन्हें शून्य से शिखर तक पहुंचा दिया। यह कहानी है उस युवक की, जिसने विरासत छोड़कर अपनी पहचान खुद बनाई और साबित कर दिया कि असली सफलता हौसले से मिलती है।

महाराष्ट्र की कारोबारी फैमिली मालपानी ग्रुप में जन्मे आशीष मालपानी को एक दिन ऐसा अल्टीमेटम मिला, जिसने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। परिवार ने उनकी इंटर-कास्ट लव मैरिज का विरोध किया और साफ कहा या तो परिवार की पसंद से शादी और बिजनेस, या फिर प्यार और सब कुछ छोड़ना। ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे की फाउंडर करिश्मा मेहता को दिए इंटरव्यू में आशीष ने बताया कि उन्होंने बिना हिचक कहा, बिजनेस जाए भाड़ में, मैं उसी से शादी करूंगा जिसे प्यार करता हूं। साल 2002 में उन्होंने करोड़ों की विरासत और ग्रुप में अपनी भूमिका छोड़ दी।

शून्य से शुरुआत, बिना नाम व सहारे, रातों-रात बदली जिंदगी

विरासत छोड़ने के बाद आशीष की जिंदगी रातों-रात बदल गई। न कोई टाइटल था, न टीम और न ही पारिवारिक सपोर्ट। उन्होंने खुद को दोबारा खड़ा करने के लिए बिस्किट का छोटा सा बिजनेस शुरू किया। आगे चलकर फैक्ट्री लगाने के लिए जमीन की तलाश उन्हें पुणे ले गई, जहां किस्मत ने उन्हें रियल एस्टेट की दुनिया से मिलवाया। आशीष कहते हैं कि जुनून हमेशा शुरुआत में नहीं होता, कई बार रोज मेहनत करते-करते रास्ते में पैदा होता है।

हक से हुई वापसी

आशीष ने अपना रियल एस्टेट बिजनेस इतना मजबूत बना लिया कि उनके भाई भी खुश हो गया। इसके बाद परिवार के बीच फिर से रिश्ते जुड़े। लेकिन इस बार आशीष मालपानी ग्रुप में वारिस के तौर पर नहीं, बल्कि एक साबित उद्यमी के रूप में लौटे। मालपानी ग्रुप का मुनाफे वाला बिजनेस है। आशीष की कहानी बताती है इंसान अपने मूल्यों के साथ खड़ा होता है, तो सफलता खुद रास्ता ढूंढ लेती है।

रीवा में यातना: युवक की सात साल पुरानी चोटी उखाड़ी, पुलिस बोली डस्टबिन में डालो

जातिगत खींचतान, ग्रामीणों में आक्रोश, सरपंच ने आरोपी को दी बहिष्कार की चेतावनी

जागरण, रीवा। प्रदेश में जातिवाद का गढ़ माने जाने वाले रीवा में रौंगटे खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां सीवर लाइन प्रोजेक्ट में काम करने वाले युवक के साथ गांव के ही युवक ने वहशियाना हरकत करते हुए उसकी चोटी उखाड़ दी। वजह, चोटी रखने वाला युवक यादव था। दबंग ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहाकि आज चोटी रखे हो, कल कथा करने जाओगे। मारपीट कर दबंग ने पीड़ित की सात साल पुरानी 12 इंच की चोटी उखाड़ दी। पुलिस का हाल यह है कि कार्रवाई करने की बजाय युवक को चोटी उसकी चोटी डस्टबिन में डलवाने में जुटी थी।

इस मामले में रीवा जिले के बैकुंठपुर थाने में क्षेत्र के मझिगवां गांव निवासी रोहित यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित युवक ने दीपक पांडेय नामक युवक पर मारपीट, गाली गलौच और चोटी उखाड़ने के आरोप लगाए हैं। रोहित ने पुलिस को बताया कि वह सीवर लाइन प्रोजेक्ट में ड्राइवर और हेल्पर का काम करता है। छह दिन पहले बैकुंठपुर मुख्य मार्ग में सड़क किनारे काम चल रहा था। जब वह मशीन में डालने के लिए पेट्रोल निकाल रहा था, तभी दीपक पांडेय पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। दीपक ने जातिसूचक गालियां देते हुए कहा कि तेरा चेहरा देखकर लगता है तू छोटी जाति से है। तू चोरी कर रहा है और ब्राह्मण न होते हुए भी इतनी लंबी चोटी रखी है। तुझे चोटी रखने का कोई अधिकार नहीं है। उसने मेरे ऊपर पैर रखा और पूरी ताकत से उसकी चोटी खींच ली, जिससे चोटी उखड़ गई। इसके बाद भी आरोपी नहीं रुका और मारपीट करता रहा।

सरपंच ने दी आरोपी को चेतावनी

मझिगवां गांव के सरपंच राहुल सिंह ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि इसे पूरे गांव को शर्मसार करने वाला बताया है। साथ ही आरोपी युवक और उसके परिवार को हिदायत दी है कि इस तरह का कृत्य दोबारा किया तो सामाजिक बहिष्कार कर दिया जाएगा। सरपंच ने घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस से भी कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मगर पुलिस अभी भी विवेचना का ही दंभ भर रही है।

पुलिस की भूमिका पर भी सवाल

इस मामले पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित युवक का कहना है कि आरोपी के चंगुल से छूटने के बाद वह थाने पहुंचा और मुंशी को पूरी घटना बताई। मुंशी ने पहले तो चोटी की बात टालने की कोशिश की। चोटी देखकर उसने कहाकि इसे डस्टबिन में डाल दो। पीड़ित ने इसका विरोध करते हुए कहा कि यह उसकी आस्था का प्रतीक है, जिसे वह पिछले सात साल से रखे हुए है। बिना शिकायत दर्ज कराए चोटी डस्टबिन में नहीं डालेगा। पुलिस का रवैया देख पीड़ित को लगा कि कहीं चोटी छीन न लें तो उसने अपनी चोटी जेब में छिपा ली। आरोपी अभी भी आए दिन धमकियां दे रहा है, लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही। आरोपी की धमकियों से परेशान होकर पीड़ित युवक ने अपना काम भी दूसरे गांव में शिफ्ट कर लिया है।

ग्वालियर सहित चार जिलों में शीत लहर का अलर्ट

दिन में 26 डिग्री पर टिका तापमान, शाम के बाद गिरावट से रात हो रहीं सर्द

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम फिलहाल स्थिर है। अधिकांश जिलों में सर्दी में कमी आई है। उनमें भोपाल भी शामिल है। जबकि ग्वालियर व रीवा संभाग के कुछ हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम केंद्र भोपाल द्वारा चेतावनी जारी की गई है कि सोमवार को ग्वालियर, भिंड, मुरैना और श्योपुर कलां में शीत लहर चल सकती है। यहां दिन व रात के तापमान में गिरावट होने की आशंका है। इसके अलावा शेष जिलों में मौसम साफ रहेगा। वहीं भोपाल की बात करें तो भोपाल के मौसम में कोई खास बदलाव नहीं होगा। रविवार को भोपाल में दिन का अधिकतम तापमान 26 डिग्री रहा। जबकि रात का न्यूनतम पारा 8 डिग्री रिकार्ड किया गया। आने वाले तीन से चार दिन यहां मौसम ऐसा ही रहने वाला है।

कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा

रविवार की रात प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंड शहडोल जिले कल्याणपुर में रही। यहां न्यूनतम पारा 4.8 डिग्री रहा। इसके बाद पचमढ़ी में पारा 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 5 बड़े शहरों में इंदौर का टेम्प्रेचर सबसे कम 7 डिग्री दर्ज किया गया। कई जिलों में कोहरा छाया रहा। इस वजह से दिल्ली से आने वाली ट्रेनों की टाइमिंग पर असर पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, पचमढ़ी, खजुराहो, नौगांव, मंडला, उमरिया, रीवा, राजगढ, रायसेन, दतिया, दमोह, सतना, छिंदवाड़ा, खंडवा, और टीकमगढ़ में तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

साइलेंट अटैक के कारण 21 साल के युवक की मौत

जागरण, शिवपुरी। जिले में 21 साल के युवक की मौत से हड़कंप मच गया। रविवार को शिवपुरी नगर निवासी अनमोल मित्तल को बाथरुम में नहाने के दौरान साइलेंट अटैक आ गया। जिसकी वजह से उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि अनमोल सुबह नहाने के लिए बाथरुम में गया था, लेकिन काफी देर तक वह बाहर नहीं आया। जिसके बाद परिजनों ने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब न आने पर उन्होंने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि बेटा अंदर जमीन पर पड़ा हुआ है। फौरन उसे अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बता दें कि बीते कुछ दिनों से साइलेंट अटैक के मामले निरंतर सामने आ रहे हैं। हंसते-खेलते हुए लोगों की मौत हो रही है।

कांग्रेस ने इंदौर में निकाली न्याय यात्रा, मांगा मुआवजा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने रविवार को इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों को लेकर न्याय यात्रा निकाली। जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित दूसरे जनप्रतिनिधियों के इस्तीफे मांगे,तो पीड़ित परिवारों को 1 करोड़ के मुआवजे की मांग की। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से 21 मौतों के विरोध में कांग्रेस की न्याय यात्रा यात्रा मौन रैली के रूप में बड़े गणपति चौराहे से शुरू हुई। जिसमें कांग्रेस सेवा दल और महिला कांग्रेस के अलावा प्रदेश नेतृत्व और शहर कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे। यात्रा का समापन राजवाड़ा पर देवी अहिल्या प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ समापन हुआ। यात्रा के दौरान राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि जल्द ही कांग्रेस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता से जुड़ेगी। साथ ही हम सभी पीड़ित परिवारों से मिलकर सही वस्तुस्थिति की रिपोर्ट तैयार करेंगे,जिससे इस मामले को लेकर सही और पूरा न्याय मिलने तक आंदोलन किया जा सके। पूर्व सीएम ने कहा कि यह प्रदर्शन सिर्फ विरोध नहीं बल्कि जवाबदेही और न्याय की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की न्यायिक जांच जरूरी है। जिसे हाईकोर्ट जज से कराया जाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि एक इंसान को जीने के लिए दो सबसे बुनियादी चीजें चाहिए। पहले शुद्ध हवा और साफ पानी। दुर्भाग्य की बात है कि भाजपा सरकार जनता को ये दोनों उपलब्ध कराने में विफल रही है। भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 21 निर्दोष नागरिकों की मौत कोई हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और सरकार की संवेदनहीनता का परिणाम है। इस जनहत्या का हिसाब लिया जाएगा। पटवारी ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ इंदौर की नहीं है, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश की जनता को न्याय दिलाने की लड़ाई है। कांग्रेस तब तक चैन से नहीं बैठेगी, जब तक दोषियों को सजा और पीड़ति परिवारों को न्याय नहीं मिल जाता। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार मौतों के आंकड़े छुपा रही है, पूरे देश में इंदौर को स्वच्छता के लिए जाना जाता है, लेकिन यह भाजपा सरकार की सबसे बड़ी विफलता है कि वह इंदौर की जनता को शुद्ध पेयजल तक नहीं दे सकी।

जमीनी हकीकत — भारत में समावेशी कॉर्पोरेट के बीच चौंकाने वाली हकीकत

निजी क्षेत्र में 1% दिव्यांगों को भी नहीं रोजगार

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में कॉर्पोरेट विविधता को लेकर भले ही लाख दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। आलम यह है कि देश में ज्यादातर कंपनियां पांच से भी कम संख्या में दिव्यांग लोगों को रोजगार देती हैं। यह एक गंभीर वास्तविकता है कि भारत में कॉर्पोरेट विविधता की चर्चाओं के बावजूद विकलांग व्यक्तियों (पीडब्यूडी) का कार्यबल में प्रतिनिधित्व अभी भी बहुत कम है। भारत की 2011 की जनगणना में 2.86 करोड़ लोग दिव्यांग थे। कई अध्ययनों के अनुसार, भारत में निजी क्षेत्र की कुल वर्कफोर्स में विकलांगों की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम बनी हुई है।

अधिकांश कंपनियां केवल कानूनी अनुपालन (जैसे सीएसआर) के लिए सीमित भर्तियां करती हैं। एनसीपीईडीपी जैसी संस्थाएं इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने का काम कर रही हैं। हालांकि, सच्ची विविधता तब आएगी, जब कंपनियां विकलांगता को 'चैरिटी' के बजाय 'प्रतिभा' (टैलेंट) के रूप में देखेंगी।

2.86 करोड़ लोग दिव्यांग भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार

निजी कंपनियों में संस्थागत बाधाएं

कई कार्यालय परिसर आज भी विकलांगों के अनुकूल नहीं हैं। रैंप, विशेष शौचालय और एक्सेसिबल सॉफ्टवेयर की कमी उन्हें मुख्यधारा से बाहर रखती है।

मानसिकता और पूर्वाग्रह भी वजह

अधिकतर नियोक्ताओं के बीच यह गलत धारणा है कि विकलांग कर्मचारी कम उत्पादक होते हैं या उनके लिए बुनियादी ढांचे में बदलाव करना बहुत महंगा होगा।

मांग आधारित कौशल अभाव

सुलभ शिक्षा और प्रशिक्षण के अभाव के कारण कई विकलांग उम्मीदवार बाजार की मांग के अनुसार कौशल हासिल नहीं कर पाते हैं।

बदलाव की दिशा में ये कदम भी नाकाफी

नया कानून: दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 सरकारी नौकरियों में 4 फीसदी आरक्षण अनिवार्य करता है और निजी क्षेत्र को अपनी कार्यनीति में समावेशिता शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

डिजिटल अवसर: 'वर्क फ्रॉम होम' के बढ़ते चलन ने विकलांगों के लिए रोजगार के नए रास्ते खोले हैं, क्योंकि इससे आने-जाने की समस्या कम हुई है।

समावेशी कंपनियां: 'सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट' और 'इनेबल इंडिया' जैसे संगठन इंनेबल इंडिया के माध्यम से कंपनियों को विकलांगों को नियुक्त करने और प्रशिक्षित करने में मदद कर रहे हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त**, संपादक : **राजीव मोहन गुप्त**, स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।